खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 04 जून, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-7 | अंक-153

बंगाल में तहस-नहस हो गई नारी प्रतिष्ठा की संस्कृति

शर्मिष्ठा की अर्जी पर हाईकोर्ट ने की फूहड़ टिप्पणी

जमानत नहीं दी तो क्या आसमान टूट पड़ेगा!

कलकत्ता, 03 जून (एजेंसियां)।

बंगाल की संस्कृति मां-बेटियों को सम्मान देने और उनकी पूजा करने के लिए विख्यात रही है। उस बंगाल में न्यायालय तक का चारित्रिक स्खलन इस स्तर पर पहुंच गया है कि एक मासूम लड़की को जेल में भी बलात्कार करने और सिर तन से जुदा करने जैसी गंदी धमकियां दी जा रही हैं। जेल में उसे अशुद्ध पानी दिया जा रहा है और उसे जरूरी दवाइयां भी नहीं दी जा रही हैं। लेकिन अदालत कहती है कि जमानत नहीं देने से कोई आसमान नहीं टूट पड़ेगा। चरित्र और नैतिकता का आसमान टूट ही चुका है, यह देखने की नैतिक शक्ति न पश्चिम बंगाल सरकार के पास बची है न सत्ता-चाटुकार अदालतों के पास। जिस व्यक्ति की शिकायत पर कलकत्ता की अदालत ने एक छोटी बच्ची का मान-मर्दन किया, वह शख्स देवी कामाख्या समेत अन्य हिंदू देवी-देवताओं पर गंदी टिप्पणी करने के मामले में कुख्यात है। लेकिन उस पर कार्रवाई करने में ममता सरकार को कोई रुचि नहीं है और अदालतों को उस पर संज्ञान लेने की फुर्सत है। उसे तो पहलगाम में हिंदुओं को चुन-चुन कर मारे जाने की निंदा करने वाले संजीदा हिंदुओं को निपटाने की जल्दी है।

शर्मिष्ठा को जेल में मिल रही धमकियां
एनएचआरसी ने की पुष्टि

कलकत्ता हाईकोर्ट ने 22 वर्षीय छात्रा शर्मिष्ठा पनोली को जमानत देने से यह कहते हुए इंकार कर दिया कि शर्मिष्ठा को जमानत नहीं देने से कोई आसमान नहीं गिर पड़ेगा। टिप्पणी का यह स्तर कलकत्ता हाईकोर्ट का है। इससे आप निचली अदालतों का स्तर समझ सकते हैं। इससे पहले, कलकत्ता स्थित अलीपुर कोर्ट ने 31 मई को शर्मिष्ठा के जमानत आवेदन को खारिज कर दिया था और उसे 14 दिनों के लिए जेल भेज दिया था।

जेल में शर्मिष्ठा पनोली को मिल रही गंदी धमकियों और गंदा पानी की शिकायतों को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने संज्ञान में लिया है। आयोग ने बंगाल सरकार से त्वरित रूप से जवाब मांगा है और शर्मिष्ठा की हिफाजत का पूरा ध्यान रखने की सख्त हिदायत दी है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने कहा, शर्मिष्ठा को गिरफ्तार होने के बाद से बलात्कार और जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं, जिसके बाद आयोग ने यह कदम उठाया है। मानवाधिकार आयोग ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव और डीजीपी से शर्मिष्ठा की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा है। साथ ही, हरियाणा सरकार से भी पूछा है कि क्या गिरफ्तारी के दौरान सभी नियम-कानूनों का पालन किया गया था? उल्लेखनीय है कि कलकत्ता पुलिस ने पिछले दिनों हरियाणा के गुरुग्राम आकर शर्मिष्ठा को गिरफ्तार कर लिया और गुरुग्राम प्रशासन मुंह ताकता रहा। शर्मिष्ठा की तरफ से अलीपुर जिला अदालत में दाखिल याचिका में कहा गया था कि उन्हें जेल के अंदर अन्य कैदियों से कई तरह की धमकियां मिल रही हैं। शर्मिष्ठा ने कहा था कि उन्हें अपनी सुरक्षा का डर सता रहा है। शर्मिष्ठा को अलीपुर के महिला सुधार गृह में रखा गया है। ▶10पर

भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने विश्व में बढ़ाया देश का मान

युद्ध-विराम में कोई मध्यस्थ नहीं था : शशि थरूर

ब्रासीलिया, 03 जून (एजेंसियां)।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद विश्व के देशों का दौरा कर रहे सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल की एक टीम के नेता शशि थरूर ने अमेरिका समेत कई देशों के समक्ष यह स्पष्ट कर दिया है कि पाकिस्तान के साथ हुए युद्ध विराम में किसी भी तीसरे पक्ष की भूमिका नहीं थी। शशि थरूर ने साफ-साफ कहा कि युद्ध विराम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कोई भूमिका नहीं थी। युद्ध विराम का प्रस्ताव पाकिस्तान की तरफ से आया था और भारत सरकार ने इस पर विचार करने के बाद सम्यक निर्णय लिया। थरूर ने कहा, भारत अपने मामले में किसी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता स्वीकार नहीं करेगा। शशि थरूर ने कहा, हमने 7 मई को शुरू से ही कहा कि हम संघर्ष को लंबा खींचने के इच्छुक नहीं हैं। यह किसी तरह के युद्ध की शुरुआत नहीं है। यह सिर्फ आतंकवादियों के खिलाफ प्रतिशोध है, बस। अगर पाकिस्तान ने प्रतिक्रिया नहीं की होती, तो हम भी प्रतिक्रिया नहीं करते।

पाकिस्तान का प्रस्ताव था, भारत ने निर्णय लिया

ऑपरेशन सिंदूर को ब्राजील का भी समर्थन मिला

ऑपरेशन सिंदूर पर सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम में तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से इंकार किया और कहा कि संघर्ष विराम के लिए भारत और पाकिस्तान के बीच सीधी बातचीत हुई। थरूर के नेतृत्व वाला सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल फिलहाल ब्राजील में है और ब्राजील से अमेरिका के लिए रवाना होगा। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार दावा कर रहे हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम के लिए उन्होंने मध्यस्थता की। इसे शशि थरूर ने साफ-साफ नकार दिया है।

ब्राजील में शशि थरूर ने कहा, हम अमेरिकी राष्ट्रपति पद का बहुत सम्मान करते हैं और हम उसी सम्मान को ध्यान में रखते हुए बात करेंगे, लेकिन मोटे तौर पर कहें तो हमारी समझ थोड़ी अलग है। हमें रोकने के लिए किसी को मनाने की जरूरत नहीं थी। हमने पहले ही रुकने के लिए कह दिया था। अगर अमेरिकी राष्ट्रपति या उनके वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किसी को मनाने की जरूरत थी, तो वह पाकिस्तानियों को मनाने की थी। उन्हें मनाना पड़ता। हमें मनाने की जरूरत नहीं है क्योंकि हम युद्ध नहीं चाहते। हम विकास पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। यही मूल संदेश है।

डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि भारत-पाकिस्तान के बीच उन्होंने ही मध्यस्थता कराई। ट्रंप ने ही सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में सबसे पहले भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम की जानकारी दी थी। हालांकि भारत ने ट्रंप ने दावे को उस समय भी खारिज कर दिया था। भारत ने बताया था कि पाकिस्तान के डायरेक्टर जनरल मिलिट्री ऑपरेशन (डीजीएमओ) ने भारतीय समकक्ष को फोन करके संघर्ष विराम की अपील की थी। जिसके बाद संघर्ष विराम हुआ।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर को ब्राजील का समर्थन मिला है। ब्राजील ने भारत सरकार के द्वारा आतंकी गतिविधियों की रोकथाम के लिए ऑपरेशन सिंदूर के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया और पाकिस्तान के द्वारा क्रॉस बॉर्डर टेररिज्म की कड़ी भर्त्सना की। प्रतिनिधिमंडल में शामिल भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने यह आधिकारिक जानकारी दी। तेजस्वी सूर्या शशि थरूर की अगुवाई वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य हैं। सूर्या ने कहा, ब्राजीलिया में हमने ब्राजील की संसद के अध्यक्ष, कार्यवाहक विदेश मंत्री और भारत-ब्राजील मैत्री समूह के ▶10पर

पाकिस्तान छोड़ कर आए लोगों को हक देने की सुध आई

अब तक शरणार्थी थे, अब मिलेगा मालिकाना हक

लखनऊ, 03 जून (एजेंसियां)।

उत्तराखंड की तर्ज पर उत्तर प्रदेश में भी उन पाकिस्तानी शरणार्थियों को जमीन का मालिकाना हक दिया जाएगा जो देश विभाजन के समय पाकिस्तान से भारत आ गए थे। आंजनेय कमेटी की रिपोर्ट पर योगी सरकार शीघ्र ही औपचारिक निर्णय लेगी। इस पर योगी सरकार बाकायदा कानून बनाने पर विचार कर रही है।

मुरादाबाद के मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह की अध्यक्षता में बनी कमेटी ने अपनी रिपोर्ट शासन को सौंप दी है। वर्तमान में करीब 20 हजार शरणार्थी परिवार 50 हजार एकड़ भूमि पर रह रहे हैं, लेकिन उन्हें जमीन का मालिकाना हक आज तक नहीं मिला। 1947 में भारत-पाक विभाजन के समय पाकिस्तान से आए शरणार्थियों को लखीमपुर खीरी, रामपुर, बिजनौर और पीलीभीत में बसाया गया था। इन्हें जीविकोपार्जन के लिए जमीन भी दी गई थी। इनमें से अधिकतर हिंदू और सिख शरणार्थी थे। लेकिन, इनमें से तमाम परिवारों को संक्रमणीय भूमिधर अधिकार नहीं मिला। यानि, इन परिवारों के वारिस अपनी जमीन पर बैंक से फसली ऋण के अलावा कोई और ऋण नहीं ले सकते। उन्हें जमीन बेचने का भी अधिकार नहीं है।

यूपी में रह रहे हैं 20 हजार शरणार्थी परिवार

आंजनेय कमेटी ने की ऐतिहासिक सिफारिश

रामपुर में शरणार्थियों के 23 गांव हैं। बिजनौर में ये शरणार्थी अलग-अलग 18 गांव में बसे हैं। लखीमपुर खीरी और पीलीभीत में अलग-अलग गांवों में या जंगलों के किनारे ये लोग बसाए गए। आंजनेय कमेटी की रिपोर्ट में कहा गया है कि कुछ शरणार्थी परिवारों को तब गवर्नमेंट ग्रांट एक्ट (सरकारी भूमि अनुदान अधिनियम) के तहत जमीन दी गई थी। ग्राम सभा और विभिन्न विभागों की स्वामित्व वाली जमीन पर भी बसाया गया। वर्तमान में गवर्नमेंट ग्रांट एक्ट समाप्त हो चुका है। इन शरणार्थी परिवारों को दी गई जमीन पर पूर्ण स्वामित्व यानी संक्रमणीय भूमिधर अधिकार देने के लिए अलग से कानून बनाने की आवश्यकता होगी, ताकि इन मामलों में मौजूदा नियम शिथिल किए जा सकें। उत्तराखंड के कई जिलों में स्वामित्व देने का काम जमीन का कुछ प्रतिशत मूल्य लेकर किया जा चुका है। उत्तराखंड की तरह ही यहां भी कुछ मूल्य लेकर या निशुल्क संक्रमणीय भूमिधर अधिकार दिया जा सकता है। अलबत्ता, कुछ शरणार्थी परिवार आरक्षित श्रेणी की वन भूमि, चरागाह और तालाब पर भी बसे हैं।

आंजनेय कमेटी की रिपोर्ट में कहा गया है कि इन्हें अन्यत्र जमीन देने या फिर उसी जमीन पर स्वामित्व अधिकार देने के लिए कानून में बदलाव करने पर विचार करना होगा। वन भूमि पर अधिकार देने के लिए केंद्र सरकार के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट की अनुमति भी लेनी होगी। वहीं, नियमानुसार ग्राम सभा की भूमि उसी गांव के मूल निवासियों को दी जा सकती है। इसी तरह से विभागों की भूमि देने का अधिकार भी संबंधित विभागों को ही है। इस मामले में अब आगे विचार करने के लिए कैबिनेट की उप समिति बनाई जा सकती है। अंतिम निर्णय सरकार को ही लेना है।

कमेटी से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि शरणार्थी परिवारों को दी गई जमीन पर पूर्ण स्वामित्व यानि संक्रमणीय भूमिधर अधिकार देने के लिए अलग से कानून बनाने की आवश्यकता होगी, ताकि इन मामलों में मौजूदा नियम शिथिल किए जा सकें। उत्तराखंड के कई जिलों में स्वामित्व देने का काम जमीन का कुछ प्रतिशत मूल्य लेकर किया जा चुका है। उत्तराखंड की तरह ही यहां भी कुछ मूल्य लेकर या निशुल्क संक्रमणीय भूमिधर अधिकार दिया जा सकता है। अलबत्ता, कुछ शरणार्थी परिवार आरक्षित श्रेणी की वन भूमि, ▶10पर

एलन मस्क के पिता ने की सनातन धर्म की सराहना

दुनिया शिव की आराधना करे, सब ठीक हो जाएगा

नई दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां)।

अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क के पिता एरोल मस्क ने सनातन धर्म की सराहना करते हुए कहा कि दुनिया भगवान शिव का अनुसरण करना शुरू कर दे तो सब ठीक हो जाएगा। एरोल ने कहा, मैं सनातन धर्म का कोई विशेषज्ञ तो नहीं हूं, लेकिन इससे प्रभावित जरूर हूं। यह इतना पुराना धर्म है कि ये मुझे हैरान कर देता है। यह हमें बताता है कि हकीकत में हम कितना कम जानते हैं। एलन मस्क के पिता एरोल मस्क ने अपने भारत दौरे पर अयोध्या में राम मंदिर का भी दर्शन किया। राम मंदिर का दर्शन करने के बाद एरोल मस्क ने कहा, मैं सनातन की प्राचीनता से चकित हूं। दुनिया को शिव की आराधना करनी चाहिए। इससे सब ठीक हो जाएगा। सीनियर मस्क ने भारत को विश्व शक्ति कहा और ▶10पर

पाक के ब्रह्मपुत्र-प्रलाप का असम के सीएम ने दिया करारा जवाब

परमाणु ब्लैकमेल नहीं चला, ब्रह्मपुत्र ब्लैकमेल भी नहीं चलेगा

नई दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां)।

सिंधु नदी जल समझौता स्थगित होने से पाकिस्तान एक बार फिर चीन के कंधे पर सवार होकर भारत के खिलाफ दुष्प्रचार कर रहा है। पाकिस्तानी प्रोपेगंडा को लेकर फैल रही खबरों पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने मोर्चा संभाला है। उन्होंने पाकिस्तान की झूठी कहानी की हवा निकाल दी है।

मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि भारत ने जबसे सिंधु जल संधि स्थगित कर दी, तबसे पाकिस्तान एक नई घबराहट फैलाने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान कह रहा है, अगर चीन ब्रह्मपुत्र का पानी रोक दे तो? इस पर मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि इस झूठी कल्पना को डर से नहीं, बल्कि तथ्यों और राष्ट्रीय स्पष्टता से देखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अगर चीन

पाकिस्तान को यथार्थ का ज्ञान नहीं केवल बकवास पर भरोसा

ब्रह्मपुत्र का पानी रोक दे तो वह भारत के लिए मददगार साबित होगा, क्योंकि हर वर्ष असम में आने वाली भीषण बाढ़ से लाखों लोग विस्थापित होते हैं और भारी तबाही होती है। ब्रह्मपुत्र एक ऐसा नद है जो भारत में बढ़ता है, घटता नहीं है। चीन ब्रह्मपुत्र के कुल जल प्रवाह में केवल 30-35 प्रतिशत योगदान देता है। वह भी ज्यादातर हिमनदों के पिघलने और सीमित वर्षा से। शेष 65-70 प्रतिशत जल भारत के भीतर ही उत्पन्न होता है, क्योंकि अरुणाचल प्रदेश, असम, नगालैंड और मेघालय में मूसलाधार मानसूनी वर्षा, प्रमुख सहायक नदियां जैसे सुबनसिरी, लोहित, कामेंग, मानस, धनसिरी, जिया-भाराली, कोपिली के जरिए ब्रह्मपुत्र में जाता है। वहीं, मेघालय की खासी, गारो और जयंतिया पहाड़ियों से जल कृष्णाई, दिगारू, कुलसी आदि सहायक नदियों के जरिए ब्रह्मपुत्र में जाता है। भारत-चीन सीमा (तूतिंग) पर प्रवाह 2,000-3,000 घन मीटर/सेकंड है। ▶10पर

कार्रवाई में दखल देने से सुप्रीम कोर्ट का इंकार

कुख्यात बाटला हाउस पर चलेगा बुलडोजर

नई दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां)।

दिल्ली के जामिया नगर स्थित बाटला हाउस में 40 सम्पत्ति मालिकों के अवैध कब्जे को ध्वस्त करने के लिए राज्य सरकार की ओर से जारी किए गए नोटिस पर सुप्रीम कोर्ट ने किसी भी तरह से हस्तक्षेप करने से इंकार कर दिया है। साथ ही अदालत ने इन याचिकाकर्ताओं को इस मामले से जुड़े संबंधित अधिकारियों से संपर्क करने का सुझाव दिया है। इस तरह बाटला हाउस पर कार्रवाई का रास्ता साफ हो गया है।

जस्टिस संजय करोल और सतीश वर्मा की पीठ अवकाश पीठ ने इस मामले की अगली सुनवाई को एक माह के बाद जुलाई तक के लिए आगे बढ़ा दिया है। याचिकाकर्ताओं ने दिल्ली विकास प्राधिकरण के नोटिस को गलत करार देते हुए आरोप लगाया था कि उन्हें मामले ▶10पर

राजशाही समर्थकों का हौसला बढ़ाने पूर्व युवराज्ञी सड़कों पर उतरी

काठमांडू, 03 जून (एजेंसियां)। नेपाल में राजशाही की वापसी को लेकर लगातार संघर्ष कर रहे अपने समर्थकों का हौसला बढ़ाने के लिए पूर्व युवराज्ञी हिमानी शाह भी सड़क पर आईं। अपने बेटे के साथ सड़क पर समर्थकों के बीच पहुंची हिमानी को देखकर लोगों में काफी उत्साह देख गया।

राजदरबार हत्याकांड की 24वीं बरसी पर दीप प्रज्वलन के कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। पहले यह आयोजन राजदरबार के भीतर ही करना था लेकिन सरकार ने राजपरिवार के सदस्यों को उसी राजदरबार में श्रद्धांजलि कार्यक्रम करने की अनुमति नहीं दी जिस राजदरबार में रह कर शाह परिवार ने 240 वर्षों तक शासन चलाया था।

सरकार द्वारा राजदरबार में कार्यक्रम की अनुमति नहीं दिए जाने के बाद पूर्व युवराज्ञी हिमानी शाह ने काठमांडू के कमलादी में रहे गणेश मन्दिर में इसका आयोजन किया। सड़क पर अपने समर्थकों के बीच गणेश मंदिर से एक बार फिर से राजशाही की वापसी के लिए संघर्ष का श्रीगणेश माना जा सकता है। वे हजारों समर्थकों के बीच शालीनतापूर्वक मुस्कुराते हुए सबका अभिवादन स्वीकार करती नजर आईं।

हिमानी का सड़क पर आना विपक्षी के उन सवालों का भी जवाब है जो यह कहते हैं कि जिस राजसंस्था की पुनर्बहाली के लिए उनके समर्थक सड़कों पर पुलिस की लाठियां खा रहे हैं उस राजसंस्था का कोई भी सदस्य कभी भी उनके साथ सड़क पर क्यों नहीं आता अपने बीच राजपरिवार के सदस्यों को देख कर समर्थकों और आम जनता में काफी उत्साह देखा गया।

हिमानी शाह के सड़क पर आने के बाद सोमवार को एक दिन के लिए स्थगित संघर्ष को मंगलवार से फिर शुरू करने की घोषणा कर दी गई। राजसंस्था पुनर्बहाली के लिए बनाई गई जनसंघर्ष समिति ने मंगलवार से दोपहर को उसी स्थान पर प्रदर्शन करने की जानकारी दी है जो सरकार ने उपलब्ध कराया है। कल का प्रदर्शन काठमांडू के सिफल मैदान में करने की जानकारी दी जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

बिलावल भुट्टो ने जम्मू-कश्मीर विवाद को भारत से झगड़े की जड़ माना

न्यूयॉर्क। पाकिस्तान के पूर्व विदेशमंत्री और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के स्थायी समाधान के लिए जम्मू-कश्मीर विवाद का समाधान एक अनिवार्य शर्त है। नौ सदस्यीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे बिलावल ने चीन के एक टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में कहा कि मौजूदा संघर्ष विराम से स्थायी शांति आनी चाहिए। पाकिस्तान के दुनिया न्यूज टीवी चैनल ने एसोसिएट प्रेस ऑफ पाकिस्तान के हवाले से यह खबर प्रसारित की है। बिलावल ने दोटूक कहा कि जम्मू-कश्मीर विवाद को सुलझाए बिना कोई स्थायी समाधान संभव नहीं है। बिलावल ने कहा कि 1960 की सिंधु जल संधि को स्थगित रखने का भारत का फैसला तनाव बढ़ाने वाला है। इस संबंध में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से दोनों देशों के बीच बातचीत को सुविधाजनक बनाने में अपनी भूमिका निभाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर, आईडब्ल्यूटी और आतंकवाद पर भारत के साथ बातचीत करने के लिए तैयार है। बिलावल भुट्टो के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य देशों के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद के हालात की जानकारी दी है।

दक्षिण कोरिया चुनेगा अपना अगला राष्ट्रपति, मतदान शुरू

सियोल। दक्षिण कोरिया के लोग अपना नया राष्ट्रपति चुनेंगे। राष्ट्रपति पद के लिए हो रहे उपचुनाव के लिए मतदान मंगलवार सुबह 6 बजे देशभर के 14,295 मतदान केंद्रों पर शुरू हो गया। यह उपचुनाव संवैधानिक न्यायालय के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल को पिछले साल के अंत में मार्शल लॉ घोषित करने के कारण अप्रैल में पद से हटाए जाने के 60 दिन बाद हो रहा है। खबर के अनुसार, विजयी उम्मीदवार बुधवार को पदभार ग्रहण करेंगे। नए राष्ट्रपति का कार्यकाल जून 2030 तक रहेगा। मतदान रात 8 बजे समाप्त होगा। इसके लगभग 30 मिनट बाद 254 केंद्रों पर मतपत्रों की गिनती शुरू हो जाएगी। आधीरात बाद नतीजा आने की उम्मीद है। आंतरिक एवं सुरक्षा मंत्रालय के अनुसार, पात्र मतदाताओं की संख्या लगभग 44.39 मिलियन है। चुनाव से पहले गुरुवार और शुक्रवार को हुए प्रारंभिक मतदान में उदारवादी डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ कोरिया के उम्मीदवार ली जे-म्यांग को लगभग 49 प्रतिशत मत हासिल हुए हैं। रूढ़िवादी पीपल पावर पार्टी के उम्मीदवार किम मून-सू उनके निकटतम प्रतिद्वंदी हैं। प्रारंभिक मतदान में लगभग 15.42 मिलियन मतदाताओं ने हिस्सा लिया।

कोलोराडो हमला बाइडन की खुली सीमा नीति का परिणामः ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कोलोराडो के बोल्डर शहर में इजराइल समर्थक रैली पर हुए

हिंसक हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे अमेरिका में बिल्कुल बर्दाश्त न करने योग्य करार दिया है। उन्होंने इस घटना को जो बाइडन की खुली सीमा नीति का परिणाम बताते हुए एक बार फिर कड़ी आव्रजन नीति और सीमाओं की सुरक्षा की मांग दोहराई। ट्रंप ने सोमवार को अपनी सोशल मीडिया साइट ट्रुथ सोशल पर एक बयान जारी कर कहा कि कल कोलोराडो के बोल्डर में हुआ भयानक हमला अमेरिका में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह घटना दर्शाती है कि देश की सीमाएं कमजोर हैं और राष्ट्रपति बाइडन की नीति के कारण अवैध और अमेरिका-विरोधी तत्व देश में घुसपैठ कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप नीति के तहत उन्हें देश से निकाल बाहर करना होगा। आतंकवाद जैसे कृत्यों के लिए सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि पर्ल स्ट्रीट मॉल के पास हमला हुआ, जहां प्रो-इजराइल रैली चल रही थी। आरोपित ने कथित रूप से इंसीनिडरी डिवाइस और घरेलू फ्लेमथ्रोअर का उपयोग करते हुए हमला किया और फ्री फिलिस्तीन के नारे लगाए। जांच में पता चला है कि आरोपित मिस्र निवासी मोहम्मद सबरी सोलिमान (45 वर्ष) करीब एक साल से इस हमले की योजना बना रहा था। इस हमले में चार महिलाएं और चार पुरुष घायल हुए हैं। आरोपित कथित रूप से वीजा अवधि खत्म होने के बावजूद अमेरिका में अवैध रूप से रह रहा था।

पाकिस्तान की कराची जेल से 216 कैदी भागे

भूकंप के बाद मची थी अफरातफरी, 80 से ज्यादा दोबारा पकड़े गए

इस्लामाबाद, 03 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कराची शहर में सोमवार रात एक भूकंप के झटके के बाद मची अफरातफरी के बीच मलिर जेल से 216 कैदी फरार हो गए। इनमें से करीब 80 कैदियों को दोबारा पकड़ लिया गया है, जबकि 135 अब भी फरार हैं। घटना ने पाकिस्तान की जेल सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।जेल सुपरिटेंडेंट अरशद शाह के मुताबिक, भूकंप के झटके महसूस होने पर 700 से 1000 कैदियों को ऐहतियातन बैरकों से बाहर निकाला गया था। इसी दौरान मेन गेट पर भगदड़ मच गई और 216 कैदी मौका पाकर फरार हो गए। प्रारंभिक मीडिया रिपोर्ट्स में दीवार तोड़कर भागने की बात सामने आई थी, जिसे प्रशासन ने खारिज किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी कैदी मुख्य द्वार से ही भीड़ का फायदा उठाकर भागे।फरार कैदियों की तलाश के लिए स्पेशल सिक्योरिटी यूनिट (स्स्), रैपिड रिस्पॉन्स फोर्स (क्रक्रस्न), रेंजर्स और फ्रंटियर कोर (स्नष्ट) की टीमें संयुक्त रूप से तलाशी अभियान चला रही हैं। जेल का नियंत्रण रेंजर्स और स्नष्ट ने तुरंत संभाल लिया था। इस भगदड़ के दौरान एक कैदी की मौत हो गई है, जबकि चार सुरक्षाकर्मी घायल हुए हैं। गृह मंत्री मुहम्मद जर्रार लांजार ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि प्रारंभिक जांच में प्रशासनिक लापरवाही की आशंका जताई जा रही है।

मुख्यमंत्री मुराद अली शाह को घटना की पूरी जानकारी दी गई है। उन्होंने गृह मंत्री को तुरंत मौके पर पहुंचकर हालात की निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। सिंध के राज्यपाल कामरान टेसोरी ने भी घटना का संज्ञान लिया है और सभी फरार कैदियों की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित करने को कहा है। गृह मंत्री ने आश्वस्त किया है कि हर फरार कैदी की पहचान और रिकॉर्ड प्रशासन के पास उपलब्ध है, और उनके घरों तथा संभावित ठिकानों पर छापेमारी जारी है। जेल मंत्री ने कहा है कि लापरवाह जेल अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, सुरक्षा चौकियों और निगरानी व्यवस्था को और कड़ा किया जा रहा है ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा न हो सकें।

ये है मेरी न्यूड फोटो लेकिन महिला रूक्क ने संसद में बताई सच्चाई और दी चेतावनी

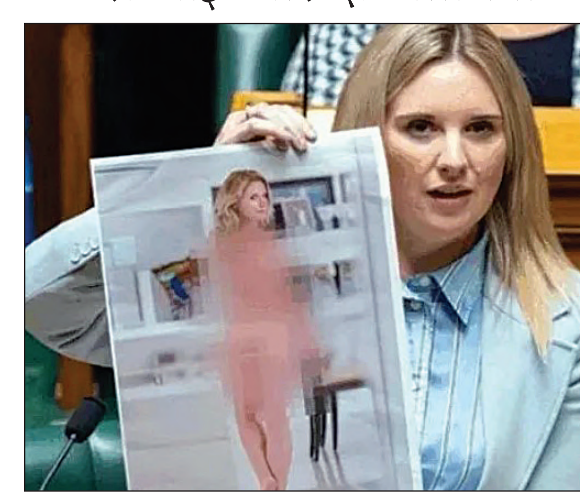

न्यूजीलैंड ,03 जून। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस यानी एआई ने मुश्किल काम काफी आसान कर दिया है तो वहीं दूसरी तरफ इसका गलत इस्तेमाल भी काफी हो रहा है। ताजा मामला न्यूजीलैंड की संसद में देखने को मिला। जहां महिला सांसद ने अपनी न्यूड फोटो को संसद में दिखाया और इसकी हकीकत भी बताई।

सांसद लॉरा मैक्लर ने गूगल पर मौजूद एक वेबसाइट की मदद चंद मिनटों में अपनी फर्जी न्यूज फोटो बनाई और 24 मई को संसद में बहस के दौरान उन्होंने यह तस्वीर दिखाते हुए बोला,ळयह मेरी न्यूड फोटो है, लेकिन असली नहीं है। मुझे अपनी डीपफेक तस्वीरें बनाने में 5 मिनट से भी कम समय लगा।ळ संसद के बहस के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो में कहा, 'मैंने पार्लियामेंट के बाकी मेंबर्स का ध्यान इस तरफ दिलाया कि ये काम कितना आसान है और इससे कितना शोषण और नुकसान हो रहा है। खासकर सबसे ज्यादा युवा लड़कियों के लिए।ळ महिला सांसद ने संसद में अपनी तस्वीर दिखाने को लेकर कहा कि यह बहुत डरावना अनुभव था, लेकिन वह चाहती थीं कि इस मुद्दे पर सख्त कानून बनें, ताकि लोगों को किसी तरह की परेशानी का सामना ना करना पड़े। सांसद मैक्लर अब एक नए बिल का समर्थन कर रही हैं, जिसका नाम है इसके जरिए रिवेंज पॉर्न और प्राइवेट वीडियो से जुड़े पुराने कानूनों को अपडेट किया जाएगा। बगैर किसी इजाजत के डीपफेक बनाना या फिर शेयर करना जुर्म माना जाएगा। इसके अलावा पीड़ितों को यह हक मिलेगा कि वे इस तरह का कंटेंट हटवा सकेंगे और इंसाफ हासिल करने की प्रक्रिया को भी आसान बनाया जाएगा।

नूर खान एयरबेस पर अमेरिका का है कंट्रोल बिना इजाजत पाक अफसर भी नहीं जा सकते

क्या पाकिस्तान का नूर खान एयरबेस अमेरिका की कस्टडी में है क्या अमेरिका एयरबेस की मदद से इस रीजन में अपनी पकड़ को फिर से मजबूत कर रहा है यह दावा पाकिस्तानी पत्रकार और डिफेंस विशेषज्ञ ने किया है कि रावलपिंडी में स्थित नूर खान एयरबेस पर अमेरिका का नियंत्रण है और पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों को भी इस बेस पर जाने की इजाजत नहीं है। यह दावा इस वक्त सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पाकिस्तानी पत्रकार और डिफेंस विशेषज्ञ ने किया दावा, लोग उठा रहे सवाल पाक विशेषज्ञ ने कहा कि नूर खान एयरबेस पाकिस्तान वायुसेना का एक अहम केंद्र है, लेकिन अब ये अमेरिकी सेना के अधीन है इस बेस पर बार-बार अमेरिकी विमानों को देखा गया, लेकिन उनके कार्गो की जानकारी पारदर्शी नहीं है। यह बेस बेनजीर भुट्टो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और पीएएफ कॉलेज चकलाला का हिस्सा है। नूर खान एयरबेस रावलपिंडी में पाकिस्तान के सैन्य मुख्यालय के पास स्थित है और इसे पाकिस्तान की हवाई गतिविधियों का केंद्र माना जाता है। विशेषज्ञ ने अपने बयान में संकेत दिया कि अमेरिकी सेना की मौजूदगी के कारण पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों को इस बेस के संचालन में कोई भूमिका नहीं दी जा रही है।

पाक में दो पुलिस थानों पर आतंकी हमला, सात बलूच लड़ाके मारे गए

इस्लामाबाद,03 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के दो प्रांतों में पिछले 24 घंटे के दौरान दो पुलिस थानों पर बड़ा हमला हुआ। इस हमले से इतर मुठभेड़ में सात बलूच लड़ाके मारे गए। बलूच लड़ाकों को पाकिस्तान आतंकी बता रहा है। बलूचिस्तान के लोग पाकिस्तान से अजादी की मांग कर रहे हैं। वहां लंबे समय से आजादी के लिए लोग संघर्ष कर रहे हैं।

खबर के अनुसार, खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बाजौर जिला और बन्नू जिले में दो पुलिस स्टेशनों पर आतंकवादियों के हमले को विफल कर दिया गया। खैबर पख्तूनख्वा के पुलिस महानिरीक्षक जुल्फिकार हमीद ने कहा कि लोई मामुंड (बाजौर जिला) और मिरयान (बन्नू) में पुलिस स्टेशनों पर देररात आतंकवादियों ने हमला किया। पुलिस बल ने बहादुरी से हमलावरों का सामना किया और उन्हें खदेड़ दिया। हमीद ने पुलिस बल के लिए प्रशंसा पत्र और पुरस्कार की घोषणा की है। इसके अलावा सुरक्षा बलों ने बलूचिस्तान में दो अलग-अलग अभियानों में सात बलूच लड़ाकों को मार गिराया। सेना की मीडिया विंग इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। विज्ञप्ति में कहा गया कि मरने वाले सातों आतंकवादी हैं। यह अभियान दो जून को चलाया गया। कच्छी जिले के माच के सामान्य क्षेत्र में खुफिया आधारित ऑपरेशन के दौरान पांच आतंकवादियों को मार गिराया गया। कलात जिले के मार्गंड के सामान्य क्षेत्र में दो आतंकवादियों को ढेर कर दिया गया। पाकिस्तान की सेना ने कहा कि मारे गए सातों आतंकी फितना अल हिंदुस्तान के हैं। उल्लेखनीय है कि आतंकवाद परस्त पाकिस्तान लंबे समय से बलूचिस्तान के विद्रोहियों को फितना अल हिंदुस्तान (विद्रोही और हिन्दुस्तान के एजेंट) कहकर इस राजनीतिक समस्या को धार्मिक रंग देने की कोशिश कर रहा है। साथ ही टीटीपी को भी 'फितना अल खवारिज' कहकर (धार्मिक अपशब्द) भारत का साथ देने वाला बताकर प्रलाप करता रहता है। सैन्य अधिकारी भी हुकूमत की हां में हां मिलाते हैं। डीजी आईएसपीआर लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने कहा कि बलूचिस्तान को कभी भी पाकिस्तान से अलग नहीं होने दिया जाएगा।

तुर्की में शांति वार्ता के लिए ट्रंप तैयार, पुतिन और जेलेंस्की से मुलाकात को लेकर व्हाइट हाउस का बयान

वॉशिंगटन, 03 मई (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तुर्की के राष्ट्रपति रेचप तैयप एर्दोआन के उस प्रस्ताव के लिए तैयार हैं, जिसमें उन्होंने ट्रंप, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के बीच तीन-तरफा शांति वार्ता आयोजित करने की पेशकश की है। यह जानकारी सोमवार को व्हाइट हाउस की ओर से दी गई। तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोआन ने सोमवार को कहा कि उनका देश रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए इस उच्चस्तरीय वार्ता की मेजबानी करने को तैयार है। उन्होंने कहा, तुर्की इस प्रकार की बैठक के लिए आवश्यक कदम उठाने को तैयार है। इस प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देते हुए व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लिविट ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि यदि ऐसी स्थिति आती है, तो वे इसके लिए तैयार हैं। लेकिन वे चाहते हैं कि दोनों नेता और दोनों पक्ष एक साथ बातचीत की मेज पर आएं। यह बयान

ऐसे समय आया है जब रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में कूटनीतिक समाधान की संभावनाएं सीमित होती दिख रही हैं। एर्दोआन इससे पहले भी रूस-यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए मध्यस्थता की कोशिशें करते रहे हैं। हालांकि, अभी तक इस प्रस्ताव पर पुतिन या जेलेंस्की की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

यूएस संसद में भारत का गुणगानः महात्मा गांधी के बाद पीएम मोदी को बताया सबसे महान नेता

वॉशिंगटन। दुनिया के कई देश भारत की तारीफ कर चुके हैं। यहां आयोजित अमेरिका भारत रणनीतिक साझेदारी मंच के दौरान अमेरिकी प्रतिनिधियों ने जिस तरह से भारत की तारीफ की, उसे देखते हुए ऐसा लग रहा है कि व्यापार के मामले में भारत और अमेरिका एक अच्छी साझेदारी निभाने वाले हैं। यहां मौजूद अमेरिकी सांसद और इंडिया कॉकस के सह-अध्यक्ष रिच मैककॉर्मिक ने दिल खोलकर भारत और पीएम मोदी की तारीफ की। अमेरिकी सांसद रिच मैककॉर्मिक ने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ में कहा है कि वे भारत के सबसे प्रभावशाली राजनेता हैं। वे शायद भारत में महात्मा गांधी के बाद सबसे महान नेता हैं। उन्होंने आगे कहा कि पीएम बेहद विनम्र हैं और जो लोग उन्हें प्रधानमंत्री बनने से पहले जानते थे, वे बताते हैं कि मोदी उनके घर आने पर फर्श पर सोते थे।उन्होंने पीएम मोदी को जननेता बताते हुए कहा – वे आक्रामक और राष्ट्रवादी प्रतीत हो सकते हैं, लेकिन उन्हें अर्थव्यवस्था को विकसित करने का वैश्विक दृष्टिकोण अच्छी तरह समझ है। आने वाला समय भारत का है और इस बात को अब अमेरिकी राजनेता भी मान रहे हैं। तभी तो यूएस-इंडिया स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप फोरम में अमेरिकी प्रतिनिधियों ने भारत की तारीफ करते हुए इसकी तुलना चीन से कर दी अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनक ने पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ऐसा नेता कहा, जिसे पूरे देश से समर्थन मिला है। अमेरिकी सीनेटर स्टीव डेन्स ने भारत की तुलना चीन से करते हुए कहा कि वैश्विक स्तर पर निवेश अब चीन से हटकर भारत की ओर बढ़ रहा है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भारत में लॉन्च हुआ पहला स्वदेशी भाषा वाला एआई मॉडल

22 भाषाओं में करेगा अनुवाद, दूर होंगी संवाद चुनौतियां

नई दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां)।
केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने भारतीय भाषाओं के लिए स्वदेशी एआई मॉडल भारत जेन लॉन्च किया। यह मॉडल आईआईटी बॉम्बे में विकसित हुआ है और देश के भाषाई-सांस्कृतिक विकास में अहम भूमिका निभाएगा। इस तरह भारतीय भाषाओं के लिए स्वदेशी रूप से विकसित कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित मल्टीमॉडल वृहद भाषा मॉडल (एलएलएम) भारत जेन का शुभारंभ हो गया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय अंतःविषयी साइबर-भौतिक प्रणाली मिशन के तहत विकसित और आईआईटी बॉम्बे में आईओटी (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) और आईओई (इंटरनेट ऑफ एवरीथिंग) के लिए टीआईएच फाउंडेशन के जरिए कार्यान्वित भारत जेन का उद्देश्य भारत के भाषाई और सांस्कृतिक स्पेक्ट्रम में एआई विकास में क्रांति लाना है। यह पहल विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा समर्थित है तथा अग्रणी शैक्षणिक संस्थानों, विशेषज्ञों और नवप्रवर्तकों के एक संघ को एक साथ लाती है। सिंह ने कहा कि भारत जेन ऐसा एआई बनाने का राष्ट्रीय मिशन है जो नैतिक, समावेशी, बहुभाषी हो और भारतीय मूल्यों तथा लोकाचार में गहराई से निहित हो। यह प्लेटफॉर्म पाठ, भाषण और छवि के तौर-तरीकों को एकीकृत करता है तथा 22 भारतीय भाषाओं में निर्बाध भाषाई एआई समाधान प्रदान करता है। यह पहल स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कृषि और शासन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को सशक्त बनाएगी। साथ ही क्षेत्र-विशिष्ट एआई समाधान प्रदान करेगी जो प्रत्येक भारतीय की जरूरतों को समझेंगे और उनकी सेवा करेंगे।

दूसरा पहलू यह भी है कि एआई और मशीन लर्निंग क्षेत्र में भर्तियां तो 25 फीसदी बढ़ी हैं, लेकिन सूचना प्रौद्योगिकी में 5 प्रतिशत गिरावट आई है। एआई और मशीन लर्निंग क्षेत्र में भर्तियों में सालाना आधार पर 25 प्रतिशत की तेजी दर्ज हुई है, जबकि आईटी सेक्टर में नौकरियां 5 प्रतिशत घटी हैं। रियल एस्टेट और बीमा क्षेत्र में मामूली बढ़ोतरी हुई, वहीं बैंकिंग-फाइनेंस क्षेत्र में यूनिकॉर्न कंपनियों ने 29 प्रतिशत तक भर्ती बढ़ाई। हैदराबाद, कोच्चि और पुणे में भी नियुक्तियों में इजाफा हुआ।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग (एआई/एमएल) क्षेत्र में सालाना आधार पर भर्तियों में 25 फीसदी की तेजी आई है। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र (आईटी) में नौकरियां सालाना आधार पर पांच फीसदी घटी हैं। नौकरी जॉबस्पीक की रिपोर्ट के अनुसार, महानगरों में एआई/एमएल में भर्ती की रफ्तार बनी रही। वरिष्ठ पेशेवरों की मांग भी स्थिर रही। यह रुझान पिछले एक साल से स्थिर है। मई, 2025 में समग्र भर्ती स्थिर रही। हालांकि, रियल एस्टेट (5 फीसदी) और बीमा (6 फीसदी) जैसे उद्योग में ठीक-ठाक तेजी रही। खुदरा, दूरसंचार, बैंकिंग, फाइनेंस और ब्रोकिंग क्षेत्र में नियुक्तियों में 8-9 फीसदी की गिरावट आई। हालांकि, बैंकिंग-वित्तीय सेवाओं में यूनिकॉर्न ने नियुक्तियों में 29 फीसदी की वृद्धि की। हैदराबाद और कोच्चि में नियुक्तियों में 7 और 8 फीसदी की वृद्धि रही। पुणे में कुल भर्ती में 4 फीसदी की बढ़ोतरी रही।

एनएलबी सर्विसेज ने कहा, भारत के हरित क्षेत्र में 2027-28 तक 72.9 लाख नौकरियां जुड़ने की उम्मीद है। इसमें हरित तकनीक क्षमताओं के निर्माण में तेजी से निवेश हो रहा है। नए रोजगार का अधिकांश हिस्सा नवीकरणीय ऊर्जा, कचरा प्रबंधन, ई-वाहन, टिकाऊ वस्त्र और हरित निर्माण जैसे उद्योगों से आएगा। हरित परिवर्तन को बढ़ावा देना भारतीय कंपनियों के लिए प्राथमिकता बनती जा रही है।हरित क्षेत्र में 2047 तक 3.5 करोड़ नौकरियां जुड़ने की उम्मीद है।

क्षीर भवानी के मेले में आने वाले कश्मीरी पंडित

35 साल से मांग रहे हैं कश्मीर वापसी की दुआ

जम्मू, 03 जून (ब्यूरो)।
करीब 35 सालों से, जबसे कश्मीरी पंडितों ने कश्मीर से पलायन किया है, सैकड़ों कश्मीरी पंडित परिवार क्षीर भवानी में एकत्र होकर वापसी की दुआ तो मांग रहे हैं पर अभी तक उनकी दुआ स्वीकार नहीं हुई है। सैंकड़ों कश्मीरी पंडितों ने आज भी ज्येष्ठा अष्टमी पर तुलमुला स्थित मां रागन्या के मंदिर में एकत्र होकर क्षीर भवानी को श्रद्धा के फूल चढ़ाए। इसी प्रकार विस्थापित कश्मीरी पंडितों ने जम्मू में बनाए गए क्षीर भवानी मंदिर में भी हाजिरी लगाई। क्षीर भवानी आने वाले सैंकड़ों कश्मीरी विस्थापित पंडितों ने एक बार फिर अपनी कश्मीर वापसी के लिए दुआ भी मांगी। लेफ्टिनेंट गवर्नर ने मंदिर का दौरा किया और शांति, समृद्धि और सभी नागरिकों की भलाई के लिए प्रार्थना की। अपनी यात्रा के दौरान, एलजी सिन्हा ने भक्तों के साथ बातचीत की और बधाई दी, कश्मीरी पंडित समुदाय के लिए दिन के आध्यात्मिक महत्व को स्वीकार किया और अन्य अन्य जो मंदिर में एकत्र हुए।

ज्येष्ठा अष्टमी को कश्मीर में तुलमुला तथा मझगांव स्थित मां क्षीर भवानी मेले में मां रागन्या को आस्था के फूल अर्पित करने के लिए इस बार करी 5000 कश्मीरी पंडित जम्मू से रवाना हुए थे। अंतिम समय पर डर के कारण कुछेक कश्मीरी पंडित परिवारों ने अपने कार्यक्रम को टाल दिया था। इस मौके पर जम्मू सहित देश के दूसरे राज्यों से मां राघेन्या के दरबार में हाजिरी देने के लिए पहुंचे कश्मीरी हिंदुओं का फूलों से स्वागत किया गया। मंदिर के मुख्य द्वार में स्वागत के लिए पहुंचे स्थानीय मुस्लिमों ने कश्मीरी हिंदुओं का स्वागत करते हुए कहा कि कश्मीरी पंडित हमारे जीवन का हिस्सा हैं, दुर्भाग्य से, कट्टरवाद-आतंकवाद ने समुदायों के बीच एक कील सा पैदा कर दिया है लेकिन उन्हें बता देना चाहते हैं कि हम एक दूसरे के बिना अधूरे हैं। हमें केवल कश्मीर में शांति बनाए रखने के लिए प्रशासन पर भरोसा नहीं करना चाहिए। हमें कश्मीर में हालात बेहतर के साथ आपसी भाईचारा मजबूत करने के लिए खुद से भी योगदान देना होगा।

कश्मीर में आतंकवाद के दौरान विकट परिस्थितियों में भी क्षीर भवानी मंदिर पहुंचने वाले पंडितों और मुस्लिमों ने आपसी प्रेम को कायम रखा है। इसमें बड़ी संख्या में मुस्लिम लंगरों में भक्तों की सेवा करते रहे हैं। मेले के लिए को पूजा में प्रयोग लाए जाने वाले दूध, फूलों सहित अन्य जरूरी सामग्री को उपलब्ध करवाया गया था। इसके अलावा यात्रियों के ठहरने, पानी, बिजली, चिकित्सा आदि के उचित इंतजाम किए गए थे। यह मेला कश्मीर में हिन्दू-मुस्लिम भाईचारे का प्रतीक भी है। इस मेले में घाटी की हिंदू आबादी के साथ ही स्थानीय मुसलमान भी बढ़-चढ़ कर शामिल होते है। यहां तक कि पूजा सामग्री से लेकर श्रद्धालुओं की सुविधा का पूरा इंतजाम भी यही लोग करते हैं।

इस बार के मेले की खास बात यह थी कि क्षीर भवानी आने वाले कश्मीरी पंडितों ने इस बार अपनी कश्मीर वापसी की चर्चा स्थानीय मुस्लिमों के साथ की थी। उन्होंने विश्वास जताया कि वे जल्द ही कश्मीर लौट सकते हैं। बंगलौर में रह रहे कश्मीरी पंडित बीएल रैना का कहना है कि उन्हें कश्मीर की बहुत याद सताती है और वे वापस आने का खतरा मोल लेने को तैयार हैं।

आतंकी लिंक के कारण तीन सरकारी कर्मचारी बर्खास्त

जम्मू, 3 जून (ब्यूरो)।
जम्मू कश्मीर प्रशासन ने पाकिस्तान समर्थित आतंकी गुटों के संबंध रखने के आरोपों के चलते तीन सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से बर्खास्त कर दिया है। इन तीनों का संबंध लश्करे तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन से बताया जाता था जबकि इन्हें संविधान के अनुच्छेद 311 (2) (सी) के तहत लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा द्वारा जारी किए गए आदेश के द्वारा नौकरियों से निकाल दिया गया। जानकारी के लिए यह अनुच्छेद राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित मामलों में विभागीय जांच के बिना बर्खास्तगी की अनुमति देता है। बर्खास्त व्यक्तियों में मलिक इशफाक नसीर, एक पुलिस कांस्टेबल शामिल है। एजाज अहमद, एक सरकारी स्कूल शिक्षक और वसीम अहमद खान, गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, श्रीनगर में एक जूनियर सहायक है। तीनों वर्तमान में सलाखों के पीछे हैं। राज्य प्रशासन ने इन तीनों की बर्खास्तगी का ब्यौरा देते हुए बताया कि सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, 2007 में जम्मू कश्मीर पुलिस में शामिल होने वाले मलिक इशफाक नसीर ने लश्करे तौयबा के हैंडलर्स के साथ निकटता बढ़ाते हुए उसके साथ काम कर रहे थे और जम्मू क्षेत्र में हथियारों को ड्रोन से गिराने में की सुविधा प्रदान की थी। जांच से पता चला कि उन्होंने सीमा पार से जीपीएस-सक्षम हथियारों को कश्मीर तक पहुंचाने में मदद करने के लिए अपनी स्थिति का उपयोग किया और घाटी में सक्रिय आतंकवादियों को हथियारों को ले जाने में सहायता की। जबकि वर्ष 2011 से स्कूली शिक्षा विभाग में सेवा दे रहे अजाज अहमद ने कथित तौर पर पूनच में हिज्ब-उल-मुजाहिदीन संचालकों के साथ सक्रिय संपर्क बनाए रखा। नवंबर 2023 में उनके आतंकवादी लिंक सामने आए जब पुलिस ने एक नियमित जांच के दौरान उनके वाहन को रोक दिया और अपने टोयोटा फॉर्च्यूनर के अंदर हथियारों, गोला-बारूद और हिज्ब के पोस्टर पाए गए।

इसी तरह से 2007 से जीएमसी श्रीनगर के एक कर्मचारी वसीम अहमद खान पर आतंकवादी रसद को पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आरोप लगाया गया है। विशेष रूप से, सुरक्षा अधिकारियों ने उन्हें 2018 में पत्रकार शुजात बुखारी और उनके पुलिस गार्डों की हत्या से जोड़ा है। जांचकर्ताओं का कहना है कि खान ने लक्षित हमलों के बाद आतंकवादियों को सुरक्षित मार्ग प्रदान किया और सीआरपीएफ और स्थानीय पुलिस कर्मियों पर कई हमलों की सुविधा प्रदान की। बर्खास्तगी उन तत्वों की पहचान करने और हटाने के लिए एक व्यापक प्रयास का हिस्सा हैं जो सिस्टम के भीतर से खतरा पैदा करते हैं। हम सरकार की मशीनरी को आतंकवादियों की मदद करने वालों द्वारा दुरुपयोग करने की अनुमति नहीं दे सकते हैं।

अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण के बाद से, जम्मू और कश्मीर में 75 से अधिक सरकारी कर्मचारियों को कथित आतंकवादी लिंक के लिए नौकरियों से निकाला जा चुका है। यही नहीं अब अधिकारियों ने भर्ती प्रोटोकॉल को भी कस दिया है, जिससे सार्वजनिक विभागों में सभी नए कामों के लिए पुलिस सत्यापन अनिवार्य हो गया है।

योगाचार्य भंवरलाल आर्य योग-रत्न अवार्ड से सम्मानित

बीदर, 03 जून (एजेंसियां)।
आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा हाल ही में मशहूर अंतरराष्ट्रीय योगाचार्य कर्नाटक के भंवरलाल आर्य को योग-रत्न अवार्ड देकर सम्मानित किया गया है। भंवरलाल आर्य को यह अवॉर्ड अंतरराष्ट्रीय नेचुरोपैथी ऑर्गेनाइजेशन पतंजलि योग समिति के सहयोग से बीदर जिले के नेहरू स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के उपलक्ष्य में दिया गया है। इस मौके पर अंतरराष्ट्रीय नेचुरोपैथी ऑर्गेनाइजेशन पतंजलि के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अनंत बिरादर, पूज्य शिवकुमार स्वामी जी, पूज्य गुरु बसवा स्वामी जी सिद्धारूढ मठ बीदर, शैलेन्द्र बेल्दाले विधायक बीदर, विधान परिषद सदस्य डॉक्टर मारुति रवमुले, आर्ट ऑफ लिविंग के ऋषि देवव्रत जी, शिवानंद शालीमठ कलबुर्गी योगेन्द्र यदलापुरे, गोरखनाथ कुंवारी, ऊषा भगत, शाहाबाद गुरुदत्त विद्यार्थी आदि उपस्थित थे।

योगाचार्य भंवरलाल आर्य ने पिछले तीस वर्षों से अपना पूरा जीवन योग सेवा में समर्पित कर रखा है और दक्षिण भारत के इस राज्य में योग व पतंजलि को पहचान सिर्फ भंवरलाल के कारण ही मिली है। कर्नाटक के बाबा रामदेव कहे जाने वाले भंवरलाल हुबली में रह रहे हैं और इन्होंने देश-विदेश में अब तक 1200 से अधिक योग शिविरों का आयोजन कर लगभग 30 लाख से अधिक लोगों को योग में प्रशिक्षित करने का कीर्तिमान स्थापित किया है।

कन्नड़ विवाद पर हाईकोर्ट ने कमल हासन को लगाई फटकार

होंगे आप बड़े आदमी, पर भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचा सकते

बेंगलुरु, 03 जून (एजेंसियां)।
दक्षिण के फिल्म अभिनेता कमल हासन के कन्नड़ भाषा को लेकर दिए विवादित बयान को लेकर कर्नाटक हाईकोर्ट ने कड़ी फटकार लगाई है। हाईकोर्ट ने कमल हासन को कहा, आप बेशक कमल हासन होंगे या बड़े आदमी होंगे, लेकिन आपको किसी की भावनाएं आहत करने का कोई हक नहीं है। कमल हासन की आने वाली फिल्म ठग लाइफ को लेकर कर्नाटक हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान बड़ा बवाल खड़ा हो गया। अभिनेता द्वारा हाल ही में दिए गए एक विवादित बयान ने राज्य में जबरदस्त नाराजगी फैला दी। इस मुद्दे पर कर्नाटक हाईकोर्ट ने उनकी कड़ी आलोचना की और उनकी भूमिका पर सवाल उठाए। कमल हासन ने फिल्म के प्रमोशन के दौरान कह दिया था कि कन्नड़ तमिल भाषा से ही पैदा हुई है।

सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने कमल हासन के बयान पर नाराजगी जताते हुए कहा कि कोई भी नागरिक जनभावनाओं को ठेस पहुंचाने का अधिकार नहीं रखता। उन्होंने कहा कि जल, भूमि और भाषा, ये तीनों हर नागरिक की पहचान से जुड़ी होती हैं। देश का विभाजन भी भाषायी आधार पर हुआ था। कोर्ट ने हासन के बयान को असंवेदनशील और विभाजनकारी बताया। न्यायमूर्ति ने सख्त लहजे में सवाल पूछा, क्या आपके पास इस दावे का कोई ऐतिहासिक प्रमाण है? आपने ऐसा बयान देकर कर्नाटक की जनता की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। आखिर आपने किस आधार पर ये बात कही? क्या आप इतिहासकार हैं? या फिर भाषाविद्? कोर्ट का कहना था कि अगर केवल एक माफीनामा आ जाता, तो मामला वहीं सुलझ जाता।

कमल हासन ने कर्नाटक में अपनी फिल्म ठग लाइफ की रिलीज और स्क्रीनिंग सुनिश्चित करने के लिए अदालत में याचिका दायर की थी। उनके वकील ने तर्क दिया कि हासन का बयान जानबूझकर नहीं था और उसका मकसद किसी की भावनाएं आहत करना नहीं था। लेकिन कोर्ट ने उनकी इस दलील को खारिज करते हुए कहा, अगर आप माफी नहीं मांगते, तो फिर फिल्म कर्नाटक में क्यों रिलीज होनी चाहिए? क्या आप सिर्फ कमाई के लिए आए हैं? अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मतलब यह नहीं कि आप जनभावनाएं आहत करें। कमल हासन के बयान को लेकर कर्नाटक में विरोध-प्रदर्शन तेज हो गए हैं। कन्नड़ समर्थक संगठनों और राजनीतिक नेताओं ने इसे कन्नड़ भाषा और अस्मिता पर हमला बताया है। कई लोगों ने मांग की है कि जब तक कमल हासन सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगते, तब तक उनकी फिल्म राज्य में नहीं दिखाई जानी चाहिए। अदालत ने इस याचिका पर अभी अंतिम फैसला नहीं सुनाया है, लेकिन कमल हासन को सुझाव दिया गया है कि वो विचार करें कि माफी मांगना ही बेहतर रास्ता हो सकता है।

सशस्त्र बल कर्मियों की मीडिया कवरेज में गोपनीयता बनाये रखने रक्षा मंत्रालय ने किया आगाह

नई दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां)।
रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को मीडिया को आगाह किया कि वरिष्ठ सशस्त्र बल कर्मियों और उनके परिवारों की जरुरत से ज्यादा मीडिया कवरेज से उनकी सुरक्षा को जोखिम हो सकता है इसलिए उनकी गोपनीयता बनाए रखना जरूरी है। रक्षा मंत्रालय ने आज यहां एक बयान में कहा कि मंत्रालय भारतीय सशस्त्र बलों - सेना, नौसेना और वायु सेना की गतिविधियों, उपलब्धियों और बलिदानों को कवर करने में मीडिया की निरंतर रुचि और समर्थन की सराहना करता है। मीडिया की भागीदारी जनता को सूचित करने और राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों की बेहतर समझ को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ऑपरेशन सिंदूर जैसे चल रहे अभियानों के संदर्भ में, सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारी अपनी नेतृत्वकारी भूमिकाओं के कारण सही मायने में लोगों की नज़रों में आए हैं। बयान में कहा गया कि मंत्रालय के ध्यान में आया है कि यह बढ़ा हुआ ध्यान पेशेवर कवरेज से आगे बढ़कर अधिकारियों और उनके परिवारों के निजी जीवन तक पहुँच गया है। मीडिया कर्मियों ने कथित तौर पर उनके निवास पर संपर्क किया, परिवार के सदस्यों से संपर्क करने का प्रयास किया और उनके आधिकारिक कर्तव्यों से असंबंधित व्यक्तिगत कवरेज का प्रयास किया। इस तरह की हरकतें बेहद अनुचित हैं और अधिकारियों और उनके परिवारों की गरिमा, गोपनीयता और सुरक्षा के लिए संभावित रूप से समझौता करने वाली हैं। जबकि वरिष्ठ अधिकारी प्रमुख सार्वजनिक भूमिकाओं में काम कर सकते हैं, उनके परिवार निजी नागरिक बने रहते हैं और उनके साथ उचित सम्मान और संवेदनशीलता के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि तदनुसार, सभी मीडिया संगठनों को सलाह दी जाती है कि वे व्यक्तिगत कहानियों या साक्षात्कारों के लिए सेवारत या सेवानिवृत्त सशस्त्र बलों के कर्मियों के निजी आवासों या परिवारों से संपर्क करने या उनसे संपर्क करने का प्रयास करने से बचें, जब तक कि आधिकारिक चैनलों के माध्यम से स्पष्ट रूप से आमंत्रित या मंजूरी न दी गई हो।

नौ 'स्वच्छ पौधा' परियोजनाएं होंगी शुरू

नई दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां)।
केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि देश भर में नौ 'स्वच्छ पौधा ' परियोजनाएं शुरू की जाएंगी जिनमें से तीन महाराष्ट्र में होंगी। श्री चौहान ने मंगलवार को महाराष्ट्र के पुणे में आयोजित प्रथम कृषि हेकाथान को संबोधित करते हुए कहा कि बागवानी क्षेत्र में खेती के लिए उपलब्ध पौधे रोगमुक्त और उत्पादक होने आवश्यक है, लेकिन इसका आश्वासन देने की कोई व्यवस्था नहीं है। उन्होंने कहा कि इस समस्या के समाधान के लिए केंद्र सरकार 'स्वच्छ पौधा' कार्यक्रम शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम से यह सुनिश्चित होगा कि किसानों को मिलने वाले पौधे रोगमुक्त हों। देशभर में नौ 'स्वच्छ पौधा' परियोजनाएं शुरू की जाएंगी, जिनमें से तीन परियोजनाएं महाराष्ट्र में 300 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित की जाएंगी। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस भी मौजूद रहे।

उन्होंने बताया कि पुणे में अंगूर, नागपुर में संतरे और सोलापुर में अनार के लिए परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। उन्होंने बताया कि इन परियोजनाओं के साथ-साथ आधुनिक नर्सरियां भी स्थापित की जाएंगी।

इन नर्सरियों से खेती के लिए तकनीक का इस्तेमाल करने वालों को मदद मिलेगी। बड़ी नर्सरियों के लिए तीन करोड़ रुपये और मध्यम आकार की नर्सरियों के लिए 1.5 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। इन नर्सरियों के जरिए किसानों को हर साल आठ करोड़ रोगमुक्त पौधे उपलब्ध होंगे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस कार्यक्रम को क्रियान्वित करने के लिए इजरायल और नीदरलैंड जैसे देशों से भी सहयोग लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कृषि से लाभ उठाने के लिए प्रति हेक्टेयर उत्पादन बढ़ाने, उत्पादन लागत कम करने, कृषि उत्पादों के उचित मूल्य दिलाने और किसानों को नुकसान की भरपाई के उपाय आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं में अच्छे बीज तैयार करने, उत्पादन बढ़ाने और बीमारियों का निदान करने के लिए काम करते हैं, लेकिन, उनके शोध समय पर किसानों तक नहीं पहुंच पाते। इस अंतर को पाटने के लिए सरकार 'लैब टू लैंड' से वैज्ञानिकों और किसानों को एक साथ लाने का प्रयास कर रही है।

कृषि क्षेत्र में युवाओं के प्रवेश नहीं करने की धारणा को गलत करार देते हुए श्री चौहान ने कहा कि वे अपने कौशल का उपयोग करें और कृषि क्षेत्र में प्रवेश करें तथा स्टार्टअप शुरू करें। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के अनुकूल बीज की किस्मों को विकसित करने की आवश्यकता भी जताई ताकि नुकसान से बचा जा सके। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार किसानों की हर समस्या का समाधान करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

तुषार कपूर की एकलौती फिल्म मुझे कुछ कहना है मचाई धूम

7 करोड़ में बनी और कई गुना ज्यादा हुई कमाई

बॉलीवुड एक्टर तुषार कपूर का एक्टिंग करियर बतौर कॉमेडियन तो सफल रहा, लेकिन उन्होंने जब भी बतौर लीड एक्टर काम किया तो वो फिल्म नहीं चली। लेकिन ऐसा नहीं है कि तुषार के करियर में एक भी सोलो हिट फिल्म नहीं आई। तुषार कपूर की एकलौती सुपरहिट फिल्म जिसमें वो लीड एक्टर थे और उस फिल्म ने कमाई भी जबरदस्त की थी, उस फिल्म का नाम है 'मुझे कुछ कहना है'।

तुषार कपूर और करीना कपूर की इस सुपरहिट फिल्म के गाने भी हिट हुए थे और इसकी कहानी भी लोगों को पसंद आई थी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर गजब की कमाई की थी और ये तुषार की एकलौती सोलो सुपरहिट फिल्म बन गई थी।

'मुझे कुछ कहना है' का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

25 मई 2001 को रिलीज हुई फिल्म मुझे कुछ कहना है का निर्देशन सतीश कौशिक ने किया था जबकि इसके प्रोड्यूसर वाशु भगनानी थे। फिल्म में एक प्यारी सी लव स्टोरी दिखाई गई जिसे सतीष कौशिक ने ही लिखा था। फिल्म में तुषार कपूर और करीना कपूर लीड रोल में थे, वहीं अमरीश पुरी, रिंकी खन्ना, दलिप ताहिल, हिमानी शिवपुरी, हेमंत पांडे, आलोक नाथ जैसे कलाकारों ने भी अहम किरदार निभाए थे।

फिल्म मुझे कुछ कहना है (2001)

अब अगर कमाई की बात करें तो इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड 29।95 करोड़ का कलेक्शन किया था, जबकि इसका बजट महज 7 करोड़ रुपये था। फिल्म का वर्डिक्ट सुपरहिट था और ये तुषार कपूर की ऐसी सुपरहिट फिल्म थी, जिसमें वो हीरो थे।

यह भी पढ़ें- दिल्ली यूनिवर्सिटी में एडमिशन कैसे लें? यहां जानें स्टेप बाय स्टेप पूरा प्रोसेस

फिल्म मुझे कुछ कहना है में लगभग 10 गाने थे, जिनमें से 'आ रंग दे दुपट्टा मेरा', 'जब से देखा है तेरे हाथ का चांद', 'मैंने कोई जादू नहीं किया', 'मुझे कुछ कहना है', 'रब्बा मेरे रब्बा मेरे' और 'रहना है तेरे दिल में' जैसे गाने सुपरहिट थे। फिल्म में दिखाया गया है कि करण (तुषार कपूर) नाम का एक लड़का पूजा (करीना कपूर) से प्यार करता है, लेकिन बोल नहीं पाता।

पूरी फिल्म में उसके घरवाले और दोस्त उससे कहते रहते हैं कि वो बोल दे, लेकिन उसकी हिम्मत नहीं होती, लेकिन वो उससे प्यार बहुत करता है। पूजा भी उससे प्यार करने लगती है, लेकिन वो चाहती है कि करण ही उससे कहे। अब करण अपने प्यार का इजहार कब करता है, कब नहीं ये जानने के लिए आपको फिल्म देखनी चाहिए। इस फिल्म को ओटीटी पर देखने के लिए आपको अमेजन प्राइम वीडियो का सबस्क्रिब्शन लेना होगा। वैसे ये फिल्म यूट्यूब पर भी आपको फ्री में देखने को मिल सकती है।

कृष्णा श्रॉफ ने रूबी सिरेनेड कॉर्सेट ड्रेस में बिखेरा जादू

कृष्णा श्रॉफ ने हाल ही में एक पुरस्कार समारोह में अपनी शानदार उपस्थिति से सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। उन्होंने एक 'रूबी सिरेनेड कॉर्सेट ड्रेस' पहनी थी, जो ग्लैमर और एलिगेंस का बेहतरीन संगम थी। इस ड्रेस का स्ट्रक्चर्ड सिल्हूट न केवल स्टाइलिश था, बल्कि बेहद आरामदायक भी था, जिससे कृष्णा की पूरी मौजूदगी बेहद आकर्षक और प्रभावशाली लगी। उन्होंने अपने लुक को एक स्लीक हाई ब्रेड (ऊँची गूंथी चोटी) के साथ सिंपल लेकिन एलिगेंट रखा। उनके हीरे और रूबी जड़े हुए झुमके और हार ने पूरे लुक में नफासत और चमक का सही स्पर्श जोड़ा।

उनके पहनावे का गहरा, उग्र लाल रंग उनके आत्मविश्वास और सहजता को बखूबी उभार रहा था। मेकअप की बात करें तो, कृष्णा ने नम और ग्लोइंग स्किन के साथ सॉफ्ट ग्लैम लुक अपनाया, जिसमें आंखों पर खास फोकस था। विंग्ड आईलाइनर और हल्के शिमर ने उनके आउटफिट के लाल रंग को और भी ज़्यादा निखार दिया।

कुल मिलाकर कहा जाए तो, कृष्णा ने सिर से पाँव तक यह लुक पूरी तरह से कैरी किया। यह सिर्फ एक फैशन स्टेटमेंट नहीं था, बल्कि यह दर्शाता है कि सोच-समझकर चुना गया ग्लैमर भी बेहद प्रभावशाली हो सकता है। इस लुक के साथ, कृष्णा श्रॉफ ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि वे आधुनिक और सजग फैशन की नई मिसाल बन चुकी हैं।

आश्रम 3 की सफलता के बाद दर्शन कुमार ने बिहार में शुरू की सस्पेंस थ्रिलर की शूटिंग

वेब सीरीज आश्रम 3 की शानदार सफलता और द फैमिली मैन के अगले सीज़न की रिलीज़ का इंतजार कर रहे अभिनेता दर्शन कुमार अब अपने नए प्रोजेक्ट में पूरी तरह से व्यस्त हो गए हैं। उन्होंने अपने अगले अनटाइटल्ड सस्पेंस थ्रिलर की शूटिंग शुरू कर दी है, जो फिलहाल बिहार में चल रही है। हमेशा से ही अलग और दिलचस्प स्क्रिप्ट चुनने के लिए जाने जाने वाले दर्शन कुमार ने यह खास खबर सीधे अपने शूटिंग सेट से साझा की। उन्होंने कहा, बहुत उत्साहित हूँ यह खबर आप सबके साथ शेयर करने के लिए! एक सस्पेंस थ्रिलर के साथ कल से एक नया सफर शुरू हो रहा है, जो सचमुच एज-ऑफ-द-सीट होने वाला है। 'एनएच 10' और 'धोखा - राउंड डी कॉर्नर' के बाद, मैं एक ऐसी कहानी का इंतजार कर रहा था, जो सच में दिल को छू जाए, और यह वही कहानी है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए, दर्शन ने कहा, सबसे ज्यादा उत्साहित मैं इस बात को लेकर हूँ कि मेरा किरदार इस बार काफी चैलेंजिंग है, लेयर्ड है, इंटेंस है, और कुछ ऐसा है, जो मैंने पहले कभी नहीं किया। उन्होंने आगे कहा, यह किरदार मुझे एक एक्टर के रूप में पुश करेगा, और मैं इस किरदार को स्क्रीन पर लाने के लिए काफी उत्साहित हूँ।

इस फिल्म का निर्देशन राव देवेंद्र कर रहे हैं, और इसके निर्माता सागर श्रीवास्तव हैं। इसके सिनेमैटोग्राफर मशहूर अत्तर सिंह सैनी हैं, जो इस प्रोजेक्ट को एक विजुअली धमाकेदार थ्रिलर बनाने वाले हैं। बिहार में एक लंबे शेड्यूल के लिए शूटिंग की योजना बनाई गई है, और दर्शन इस नए प्रोजेक्ट में पूरी तरह से उतर गए हैं।

दर्शन ने एक भावनात्मक नोट के साथ अपनी बात खत्म करते हुए कहा, यह प्रोजेक्ट मेरे लिए बहुत स्पेशल है, और मुझे पूरा यकीन है कि आप सब सरप्राइज़ होने वाले हैं। जल्दी मिलते हैं और अपडेट्स शेयर करता रहूँगा। आप सबका प्यार और आशीर्वाद बना रहे। यह फिल्म दर्शन कुमार के करियर की एक और उपलब्धि है, जहाँ वे नए एक्सपेरिमेंट्स के साथ-साथ अपने एक्टिंग ग्राफ को और ऊपर ले जा रहे हैं, और दर्शकों के लिए कुछ नया तथा कुछ अलग लेकर आ रहे हैं।

गुजराती सिनेमा को नई पहचान देने में मेरा महत्वपूर्ण योगदान : मानसी

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री मानसी पारेख अपनी आने वाली गुजराती डार्क कॉमेडी थ्रिलर शुभचिंतक को लेकर चर्चा में हैं। वह इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने रीजनल सिनेमा के बदलते स्वरूप के बारे में बात की। उनका मानना है कि उन्होंने ऐसी फिल्मों में काम किया है जो महिलाओं की मजबूत भूमिकाएं दिखाती हैं और इस तरह उन्होंने गुजराती सिनेमा का स्तर ऊंचा उठाने में योगदान दिया है। अपनी नई फिल्म शुभचिंतक में अपने किरदार को लेकर बात करते हुए मानसी ने कहा कि उन्होंने अब तक कई तरह के अलग-अलग किरदार निभाए हैं।मानसी ने कहा, कच्छ एक्सप्रेस में मैंने एक बहुत सीधी-सादी और शांत स्वभाव वाली पत्नी का किरदार निभाया था। झमकुड़ी में मैं चुड़ैल बनी थी जो गांव में डर फैलाती है। डियर फादर में मैंने एक जिद्दी बहू का किरदार निभाया था, जो अपने ससुर की बातों को नहीं मानती। लेकिन शुभचिंतक में मेरा किरदार पहले से बिल्कुल अलग है। इसमें मैं एक ऐसी लड़की बनी हूं जो अपने भाई की मौत का बदला लेने के लिए एक अमीर लड़के को प्यार के जाल में फंसाती है। मैंने अब तक जितने भी किरदार निभाए हैं, वे सब एक-दूसरे से अलग थे, लेकिन ऐसा किरदार मैंने पहले कभी नहीं किया।उन्होंने बताया कि इस फिल्म में उन्होंने कई ऐसे एक्शन सीन किए हैं जो उन्होंने पहले कभी नहीं किए थे।एक्ट्रेस ने कहा, यह किरदार मेरे लिए एक कलाकार के तौर पर नई चुनौती थी। मेघना का किरदार निभाना मेरे लिए बहुत खास और शानदार अनुभव रहा, और मैं इस मौके के लिए बहुत आभारी हूं।रीजनल सिनेमा के बदलाव को लेकर मानसी ने कहा, अब ज्यादा से ज्यादा लोग क्षेत्रीय भाषाओं की फिल्में देख रहे हैं। गुजराती सिनेमा में भी कई नई फिल्में बन रही हैं। मुझे लगता है कि मेरा योगदान ये रहा है कि मैंने ऐसी फिल्में चुनीं जिनमें महिलाएं मुख्य और मजबूत किरदार निभाएं। मैंने कोशिश की है कि औरतों को केंद्र में रखकर अच्छी कहानियां बनाई जाएं।उन्होंने आगे कहा कि पहले फिल्मों में महिलाओं को ज्यादा अच्छी भूमिकाएं नहीं मिलती थीं। आज भी कुछ दिक्कतें हैं, लेकिन वह चाहती हैं कि औरतों को मजबूत और अहम किरदार मिलें, इसलिए वह ऐसी फिल्में चुनती हैं जिनमें महिलाओं का किरदार सबसे ज्यादा मायने रखता हो।

ब्राउन कटआउट ड्रेस में सामंथा ने चढ़ाया इंटरनेट का पारा

साउथ इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार सामंथा रुथ प्रभु एक बार फिर अपने लेटेस्ट लुक को लेकर चर्चा में आ गई हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर वोग ब्यूटी अवाड्र्स 2025 के रेड कार्पेट से अपनी तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में सामंथा ब्राउन कलर की डीप कटआउट बॉडीकॉन ड्रेस में बेहद ग्लैमरस और बोल्ड नजर आ रही हैं।सामंथा ने अपने इस शानदार लुक के साथ कैप्शन में लिखा, म्र वोगब्यूटी अवाड्र्स2025 । इस ड्रेस को डिज़ाइनर क्रेशा बजाज ने डिज़ाइन किया है। सामंथा का हेयर और मेकअप भी बेहद एलिगेंट और परफेक्ट लग रहा है जिसे अवनि रम्भिया और दक्ष निधि ने स्टाइल किया है। तस्वीरें विकृतस्मृतियाँ द्वारा क्लिक की गई हैं।सामंथा के इस अवतार पर फैंस और सेलेब्स जमकर प्यार लुटा रहे हैं। कमेंट सेक्शन में लोग उनकी तारीफों के पुल बांधते नजर आ रहे हैं। किसी ने उन्हें स्टनिंग क्वीन कहा तो किसी ने हॉटनेस ओवरलोडेड बताया। कुछ ही घंटों में पोस्ट को 3 लाख से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं।सामंथा का ये बोल्ड और क्लासी लुक साबित करता है कि वो सिर्फ एक शानदार एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि ट्रेंडसेटर भी हैं। हर बार की तरह इस बार भी उनका स्टाइल स्टेटमेंट फैशन लवर्स को इंस्पायर कर रहा है। वोग ब्यूटी अवाड्र्स 2025 में उनका यह लुक न केवल इंटरनेट पर वायरल हो गया है बल्कि इसने उन्हें एक बार फिर फैशन वर्ल्ड की टॉप डीवाज की लिस्ट में शुमार कर दिया है।

कावेरी कपूर की 'डबलिन डायरीज़' ने फैंस को आयरलैंड घूमने के दिखाए ख्वाब

सिंगर, सॉन्गराइटर और अभिनेत्री कावेरी कपूर की हालिया सोशल मीडिया पोस्ट ने ट्रैवल लवर्स को ज़बरदस्त वॉन्डरलस्ट में डाल दिया है। कावेरी इन दिनों डबलिन की शांत और सुरम्य फिज़ाओं का आनंद ले रही हैं और उन्होंने अपने 'डबलिन डायरीज़' पोस्ट के ज़रिए फैन्स को जबरदस्त ट्रैवल ऋ्रचज दे दिया। उन्होंने आयरलैंड की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक जीवंतता की कुछ दिल छू लेने वाली झलकियां साझा कीं। हरी-भरी वादियों पर छाए नाटकीय बादलों से लेकर, पूरी तरह खिले हुए चेरी ब्लॉसम्स, शांत झीलों के किनारे उगते और डूबते सूरज, पहाड़ों का साफ़ पानी में प्रतिबिंब, रंग-बिरंगी गलियाँ, और आइकोनिक पिंक 'लूसीज़ विंटेज़ लाउंज'-कावेरी की यह पोस्ट मानो हमें वर्चुअल टूर पर ले गई हो।

कावेरी इन दिनों इंडस्ट्री में छाई हुई हैं। हाल ही में उन्होंने कुणाल कोहली की 'बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी' से बहुप्रतीक्षित बॉलीवुड डेब्यू किया, जिसे ओटीटी पर खूब सराहा गया। उनकी परफॉर्मेंस को भी आलोचकों और दर्शकों से भरपूर तारीफ मिली। एक्टिंग के साथ-साथ कावेरी म्यूज़िक की दुनिया में भी अपनी छाप छोड़ रही हैं। अब तक वह चार म्यूज़िक वीडियोज़ कर चुकी हैं।

अपनी डेब्यू फिल्म का गाना 'एक धागा तोड़ा मैंने' भी उन्होंने खुद गाया है, जो उनका पाँचवाँ म्यूज़िक वीडियो बन गया है। इसके अलावा, कावेरी ने अपने क्रिएटिव सफर में एक और उपलब्धि जोड़ी है। उन्होंने हाल ही में 'एक धागा' का मूल अंग्रेज़ी वर्जन 'रेमिनिस' रिलीज़ किया। यह बेहद निजी ट्रैक उनके लिए खास महत्व रखता है, क्योंकि उन्होंने इसे तब लिखा था, जब वह सिर्फ़ 15 साल की थीं।

इस गाने में उन्होंने अपनी शुरुआती गीत लेखन क्षमता और भावनात्मक परिपक्वता का प्रदर्शन किया था। इस गाने को इंडस्ट्री से काफ़ी प्रशंसा मिल रही है। कावेरी की अगली फ़िल्म मासूम 2 है, जिसमें वह सिनेमा के दिग्गज नसीरुद्दीन शाह और शबाना आज़मी के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करने के लिए तैयार हैं। इस फ़िल्म का निर्देशन उनके पिता और पद्म भूषण पुरस्कार विजेता शेखर कपूर करेंगे।

आज महेश नवमी व्रत, जानें इस व्रत का महत्व और उपाय

महेश नवमी एक प्रमुख हिंदू पर्व है, जो भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित होता है। यह पर्व ज्येष्ठ मास की शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन भक्तजन व्रत रखते हैं, पूजन करते हैं और शिव-पार्वती की कृपा पाने के लिए प्रार्थना करते हैं। यह त्योहार महेश्वरी समाज की उत्पत्ति से जुड़ा है। मान्यता है कि भगवान महेश और माता पार्वती ने 72 क्षत्रियों को शाप से मुक्त किया था। उन्होंने कहा था, आज से तुम्हारे वंश पर हमारी छाप रहेगी और तुम माहेश्वरी कहलाओगे। इसलिए, यह त्यौहार महेश्वरी समाज के लिए बहुत खास है। इस साल महेश नवमी 4 जून को है। इस दिन जो भक्त शिव-पार्वती का पूजन करके व्रत करते हैं, उन्हें जीवन के सभी संकटों से मुक्ति मिलती है और सांसारिक सुखों की प्राप्ति होती है। महेश नवमी के दिन व्रत रखने और शिव-पार्वती की पूजा करने से दांपत्य जीवन में प्रेम, सौहार्द और स्थिरता आती है। साथ ही मनोकामनाओं की पूर्ति होती है।

महेश नवमी की पूजाविधि

महेश नवमी की पूजाविधि में प्रातः स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करने के बाद पूजा स्थल को गंगाजल से शुद्ध किया जाता है। भगवान शिव और माता पार्वती की मूर्ति या चित्र को स्थापित कर उन्हें जल, दूध, पंचामृत, चंदन, फूल, बेलपत्र, धतूरा, भस्म, और अक्षत से पूजन किया जाता है। माता पार्वती को सिंदूर, चूड़ी, श्रृंगार सामग्री अर्पित की जाती है। व्रती ॐ नमः शिवाय या ॐ महेश्वराय नमः मंत्र का जप करते हुए पूजा करते हैं। पूजन के बाद महेश नवमी व्रत कथा का श्रवण किया जाता है, फिर आरती कर प्रसाद वितरित किया जाता है। अंत में ब्राह्मणों या जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र या दक्षिणा का दान देने से व्रत पूर्ण होता है।

महेश नवमी के उपाय

भगवान शिव को कच्चे चावल चढ़ाने से धन लाभ होता है।

भगवान शिव को बेला के फूल चढ़ाने से सुंदर पत्नी मिलती है।

शिवलिंग का अभिषेक गाय के घी से करने से कमजोरी दूर होती है।

महादेव की पूजा हरसिंगार के फूलों से करें तो सुख-सम्पत्ति में वृद्धि होती है ।

कनेर के फूलों से भगवान शिव की पूजा करने से नए वस्त्र मिलते हैं।

महादेव को जूही के फूल चढ़ाने से घर में कभी अन्न की कमी नहीं होती।

धतूरे के फूल से पूजा करने पर महादेव सुयोग्य पुत्र प्रदान करते हैं।

भगवान शिव को गेहूं चढ़ाने से संतान वृद्धि होती है।

शिवजी की पूजा चमेली के फूल से करने पर वाहन सुख मिलता है।

शिवलिंग पर गन्ने का रस चढ़ाने से जीवन में सभी सुख मिलते हैं।

18 को वैशाख माह की कालाष्टमी मनाई जाएगी

सनातन धर्म में कालाष्टमी पर्व का खास महत्व है। यह दिन पूर्णतया काल भैरव देव को समर्पित होता है। इस शुभ अवसर पर भगवान शिव के रौद्र रूप काल भैरव देव की पूजा की जाती है। साथ ही विशेष कामों में सफलता पाने के लिए व्रत रखा जाता है। इस व्रत को करने से साधक की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।धार्मिक मत है कि कालाष्टमी के दिन काल भैरव देव की पूजा करने से साधक को सभी प्रकार के सांसारिक कष्टों से मुक्ति मिलती है। साथ ही सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है।

कालाष्टमी शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि शुरू होगी। वहीं, 19 जून को दोपहर 11 बजकर 55 मिनट पर आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि समाप्त होगी। काल भैरव देव की निशा काल में पूजा की जाती है। इसके लिए 18 जून को वैशाख माह की कालाष्टमी मनाई जाएगी। वहीं, निशा काल में पूजा का समय देर रात 11 बजकर 59 मिनट से लेकर 12 बजकर 39 मिनट तक है।

रवि योग

ज्योतिषियों की मानें तो आषाढ़ माह की कालाष्टमी पर रवि योग का संयोग बन रहा है। रवि योग शाम 09 बजकर 36 मिनट तक है। साथ ही शिववास योग शाम 07 बजकर 59 मिनट तक है। इस दौरान देवों के देव महादेव नंदी की सवारी करेंगे। शिववास योग में काल भैरव देव की पूजा करने से साधक को दोगुना फल मिलता है। साथ ही सभी बिगड़े काम बन जाएंगे। इसके अलावा, अभिजीत मुहूर्त का संयोग भी बन रहा है।

पंचांग

सूर्योदय - सुबह 05 बजकर 51 मिनट पर

सूर्यास्त - शाम 06 बजकर 50 मिनट पर

ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 04 बजकर 22 मिनट से 05 बजकर 06 मिनट तक

विजय मुहूर्त - दोपहर 02 बजकर 30 मिनट से 03 बजकर 22 मिनट तक

गोधूलि मुहूर्त - शाम 06 बजकर 49 मिनट से 07 बजकर 11 मिनट तक

निशिता मुहूर्त - रात्रि 11 बजकर 58 मिनट से 12 बजकर 42 मिनट तक

पूजा विधि

आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर सुबह उठें। अब घर की साफ-सफाई करें। सभी कामों से निवृत्त होने के बाद स्नान-ध्यान करें और सूर्य देव को जल अर्पित करें। इसके बाद घर पर भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा करें।

पूजा के समय देवों के देव महादेव को सफेद रंग के फल, फूल और मिष्ठान अर्पित करें। पूजा समापन के बाद मंदिर जाकर काल भैरव देव के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करें। वहीं, संध्याकाल में भगवान शिव की आरती करें।

खीर भवानी मंदिर का मेला आज से प्रारंभ

जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में स्थित खीर भवानी मंदिर में खीर भवानी मेला आज से शुरू हो रहा है। ज्येष्ठ शुक्ल अष्टमी को खीर भवानी मेले की शुरुआत होती है। यह कश्मीरी पंडित समुदाय के बीच काफी लोकप्रिय मंदिर है और कश्मीर में हिंदू धर्म के अनुयायियों की आस्था का पवित्र स्थल है। खीर भवानी मंदिर को लेकर कई मान्यताएं हैं। यहां एक अद्भुत कुंड है जिसका रंग बदलता रहता है और रामायण काल से भी इस मंदिर का संबंध जोड़ा जाता है।

मां दुर्गा का रूप हैं महारज्ञा देवी

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर के पास गांदरबल के तुला मूला गांव में पवित्र झरने के ऊपर खीर भवानी मंदिर बना है। ज्येष्ठ अष्टमी पर शुरू होने वाले मेले में मां दुर्गा के रूप महारज्ञा देवी के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडित यहां आते हैं। जिन्हें रागान्या देवी के रूप में भी पूजा जाता है। मान्यता है कि मां महारज्ञा देवी लंका की देवी हैं और वह रावण की भक्ति से काफी प्रसन्न हुई थीं, लेकिन रावण की निर्दयता और क्रूर आचरण से मां रुष्ट हो गई थीं और वह हनुमानजी के सहयोग से तुला मूला गांव में आ गईं। बताया जाता है कि 1890 में स्वामी विवेकानंद जब कश्मीर आए थे तो वह खीर भवानी मंदिर भी दर्शन के लिए गए थे। तब मंदिर की जीर्णशीर्ण स्थिति देखकर वह व्यथित हो गए थे। किंवदंती है कि तब मां ने विवेकानंद से कहा था कि यह मेरी इच्छा है कि मैं ऐसे मंदिर में रहूं वरना मैं चाहूं तो क्या यहां स्वर्ण जणित मंदिर नहीं बन सकता है।

मां को लगाया जाता है खीर का भोग

हालांकि बाद में साल 1912 में महाराजा प्रताप सिंह ने इस मंदिर का निर्माण करवाया। इसके बाद महाराजा हरि सिंह ने मंदिर का नवीनीकरण करवाया। मंदिर में छह कोनों वाला एक झरना है और एक सफेद संगमरमर का छोटा सा मंदिर है, जिसमें देवी की मूर्ति स्थापित है। मां को विशेष रूप से खीर का भोग लगाया जाता है। मंदिर को लेकर एक मान्यता यह भी है कि भगवान राम ने वनवास के दौरान महारज्ञा देवी की पूजा की थी। वनवास के बाद उन्होंने देवी का स्थान जम्मू-कश्मीर के शादीप-ोरा स्थानांतरित करने की इच्छा जताई, जिसे हनुमानजी ने पूरा किया। बाद में देवी रज्ञा एक स्थानीय पंडित रुगनाथ गद्रू के स्वप्न में प्रकट हुईं और तब यह मंदिर अपने वर्तमान स्थान पर लाया गया।

मंदिर के कुंड को लेकर मान्यताएं

यह मंदिर चिनार के पेड़ों और बहते झरनों के बीच बसा हुआ है और कश्मीर के सबसे पवित्र स्थलों में से एक माना जाता है। इस मंदिर की खास बात यह है कि यहां एक कुंड है जिसमें भरे पानी का रंग अलग-अलग मौकों पर बदलता है। और यह रंग शुभ और अशुभ का संकेत देता है। जब कुंड के पानी का रंग काला हो जाता है तो इसे अनिष्ट का संकेत माना जाता है।

कुंड का काला रंग माना जाता है अशुभ

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो जब घाटी में कश्मीरी पंडितों का नरसंहार और पलायन हुआ था तब कुंड के पानी का रंग काला हो गया था।

इसी तरह कोरोना काल में भी कुंड का रंग काला हो गया था। करगिल की लड़ाई के दौरान इसका रंग लाल हो गया था और धारा 370 जब हटी थी तब इसका रंग हरा हुआ था। यही नहीं 1886 में अंग्रेज लेखक और ब्रिटिश अधिकारी वाल्टर लॉरेंस ने कुंड का रंग बैंगनी होने की सूचना दी थी। उन्होंने अपनी किताब द वैली ऑफ कश्मीर में लिखा है, यहां अजीब मान्यता है कि कुंड का पानी रंग बदलता है। जब मैंने तुला मूला में खीर भवानी के कुंड को देखा तो पानी का रंग बैंगनी था, लेकिन जब अकाल या हैजा आता है तो पानी का रंग काला हो जाता है।

सिंहाचलम मंदिर हैं भगवान नरसिंह के चमत्कारी मंदिर

भगवान विष्णु ने अपने भक्त प्रहलाद की रक्षा और असुरों के राजा हिरण्यकश्यप का वध करने के लिए भगवान विष्णु के नरसिंह अवतार धारण किया था, जो अर्ध सिंह (शेर) और अर्ध नर (मनुष्य) के रूप में था। भगवान विष्णु का यह स्वरूप काफी उग्र माना जाता है। आज हम आपको भगवान नरसिंह को समर्पित कुछ अद्भुत मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं।

इंसानों जैसी है मूर्ति की त्वचा

तेलंगाना के मल्लूर में प्राचीन नरसिम्हा मंदिर में नरसिंह देव की मूर्ति 10 फीट ऊंची स्थापित है। मान्यताओं के अनुसार, इस मंदिर में स्थापित भगवान नरसिंह की प्रतिमा को जीवित माना जाता है। इसके साथ ही प्रतिमा इतनी दिव्य लगती हैं कि नरसिंह देव की उनकी त्वचा जीवित इंसानों जैसी ही प्रतीत होती है।

ऐसा भी कहा जाता है कि इस मूर्ति की त्वचा इतनी मुलायम है कि अगर मूर्ति पर नाखून लगाया जाए, तो इससे खून निकलने लगता है। इसलिए यहां के पुजारी भगवान नरसिंह की मूर्ति पर चंदन का लेप लगाते हैं।

साल में एक बार होते हैं दर्शन

विशाखापट्टनम से करीब 16 किलोमीटर की दूरी पर सिंहाचल पर्वत पर सिंहाचलम मंदिर स्थापित है। भगवान नरसिंह को समर्पित इस मंदिर को लेकर भी कई मान्यताएं प्रचलित हैं। इस मंदिर में नरसिंह भगवान मां लक्ष्मी के साथ विराजमान हैं।

इस मंदिर में भगवान नरसिंह की मूर्ति पर मोटे चंदन की परत लगाई जाती है, जिसे लेकर यह मान्यता है कि इससे उनका उग्र स्वरूप शांत बना रहता है। यह परत साल में केवल एक बार यानी अक्षय तृतीया के दिन हटाई जाती है। इसी दिन पर भक्त मूर्ति का दर्शन कर पाते हैं।

दर्शन से दूर होते हैं सभी संकट

नरसिंह भगवान को समर्पित एक मंदिर उत्तराखंड जोशीमठ में स्थित है, जिसे नृसिंह बदरी के नाम से भी जाना जाता है। यह मंदिर बद्रीनाथ धाम के रास्ते में स्थित है, जिसके दर्शन किए बिना बदरीनाथ धाम की यात्रा अधूरी मानी जाती है।इस मंदिर का इतिहास करीब 1 हजार साल से ज्यादा पुराना माना जाता है। भक्तों की इस मंदिर पर अटूट आस्था है। ऐसा मान्यता है कि यहां दर्शन करने से भक्तों के सभी संकट दूर हो जाते हैं और भगवान नृसिंह की कृपा से हर मनोकामना पूरी होती है।

मिथुन सहित अन्य राशियों को होगा चौतरफा धन लाभ, मां दुर्गा लगाएंगी बेड़ा पार

आज यानी 4 जून बुधवार है और चंद्रमा का गोचर कन्या राशि में होगा, जिसके स्वामी ग्रह बुध हैं। और आज बुधवार होने की वजह से पूरे दिन बुध ग्रह का प्रभाव रहेगा। आज वृषभ राशि में मौजूद सूर्य के साथ बुध युति संबंध बनाएंगे जिससे बुधादित्य योग का शुभ संयोग बनेगा। इसके साथ ही आज चंद्रमा और गुरु एक-दूसरे से केंद्र स्थान में रहते हुए गोचर करेंगे जिससे आज के दिन गजकेसरी योग का उत्तम संयोग बनेगा। सोने पर सुहागा यह है कि आज उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र में सिद्धि योग बनेगा जिससे आज के दिन का महत्व और बढ़ जाएगा। वैदिक पंचांग के अनुसार देखें तो आज ज्येष्ठ शुक्ल नवमी तिथि है जिससे तिथि के अनुसार आज का दिन मां दुर्गा को समर्पित रहेगा। ऐसे में आज बुधवार का दिन गजकेसरी योग और मां दुर्गा की कृपा से मिथुन सहित 5 राशियों के जीवन में शुभता और सौभाग्य लेकर आएगा। आज इन राशि के जातकों को नौकरी से लेकर कारोबार तक में आर्ज स्रोतों से धन लाभ होगा। इसके साथ ही मां दुर्गा इनके बिगड़े हुए काम भी बनाएंगी। ऐसे में आइये जानते हैं आज 4 जून बुधवार का दिन इन 5 राशि के जातकों के लिए किन किन मामलों में भाग्यशाली रहेगा और साथ ही जानिए आज बुधवार के उपाय भी।

मेष राशि – आज बुधवार को मेष राशि के जातकों को आज मेहनत का पूरा लाभ मिलेगा। आज आपकी योजनाएं फलीभूत होंगी और कारोबार में विस्तार के लिए प्रयास कर रहे जातकों को लोन आदि मिलने में आसानी होगी। इसके साथ ही आज नौकरी-पेशा जातकों को भी उम्मीद से बढ़कर परिणाम कार्यक्षेत्र में मिलेंगे। खासकर आपकी अपने वरिष्ठ अधिकारियों से जमेगी। आपकी उन्नति से ईर्ष्या करने वाले लोग चाहकर भी आपका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे। विरोधी परास्त होंगे और आप आगे बढ़ते जाएंगे। कोर्ट कचहरी के मामलों में फंसे जातकों को आज के दिन कुछ राहत मिल सकती है। अगर किसी कार्य विशेष को पूरा करने के लिए जूझ रहे थे तो आज आपको उसमें सफलता प्राप्त हो सकती है। आर्थिक मामलों के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहेगा। परिवार में सुख शांति रहेगी। दांपत्य जीवन सुखमय रहेगा।

उपाय : आज मां दुर्गा के नामों का जप करें और खीर का भोग लगाएं। इसके बाद इसे परिवार के सभी लोगों में बांट दें। परिवार में सकारात्मक ऊर्जा का वास रहेगा।

मिथुन राशि– मिथुन राशि के जातकों के लिए आज बुधवार का दिन भाग्यशाली रहने वाला है। आज आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा, यह आपके निर्णयों और कार्यों में भी झलकेगा। मानसिक रूप से आप मजबूत महसूस करेंगे। किसी के बहकावे में नहीं आएंगे, बल्कि आप अपनी बातों से सीनियर लोगों को भी प्रभावित करने में कामयाब रहेंगे। आज आपके हाथ कोई बड़ा सौदा लग सकता है। प्रॉपर्टी आदि का काम करने वालों के लिए आज का दिन विशेष रूप से लाभदायक रहने वाला है। करीबी मित्रों या रिश्तेदारों की मदद से आपको धन लाभ का कोई अवसर प्राप्त हो सकता है। परिवार में आज माहौल अनुकूल रहेगा। आपको मां का स्नेह और सहयोग दोनों मिलेगा। अगर जीवनसाथी के साथ अनबन चल रही है तो मां आपके बीच पुल का काम करेंगी। संबंध सामान्य होंगे। इसके साथ ही आज आपको वाहन सुख की प्राप्ति हो सकती है।

उपाय : आज मां दुर्गा को गुड़हल के फूल की माला चढ़ाएं और सिद्ध कुंजिका स्तोत्र का पाठ करें। इससे आपके कार्य सफल होंगे।

कन्या राशि – कन्या राशि के जातकों के लिए आज बुधवार का दिन अत्यंत शुभ रहने वाला है। आज करियर से लेकर कारोबार तक में आपको सफलता मिलेगा। मां दुर्गा की कृपा से आपके बिगड़े हुए काम बनते चले जाएंगे जिससे आपका मन प्रसन्न होगा। सबसे अच्छी बात यह है कि आज आपके व्यक्तित्व का प्रभाव दिखेगा। आज आपके निर्णयों में मजबूती और लचीलापन दोनों दिखाई देगा। इसके साथ ही आज सामाजिक और राजनीतिक कार्यों से जुड़े जातकों के मान सम्मान में बढ़ोतरी होगी। आपके सामाजिक दायरे में इजाफा होगा। इसके साथ ही आप अपनी सुख सुविधाओं पर खर्च करेंगे। आर्थिक रूप से आज का दिन अच्छा रहने वाला है। इसके साथ ही आज आप अपनी बुद्धिमत्ता से कोई लाभ का सौदा पाने में सफल रहेंगे। आज परिवार में जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। आपके बीच के संबंध प्रगाढ़ होंगे।

उपाय : आज माता दुर्गा को शहद और दूध मिश्रित करके चढ़ाएं। इसके बाद एक माला ऊं ह्रीं दुं दुर्गायै नमः मंत्र का जप करें। इससे मां दुर्गा की विशेष कृपा प्राप्त होगी।

तुला राशि –तुला राशि के जातकों के लिए आज बुधवार का दिन शुभ रहने वाला है। आज आपके खर्चों पर नियंत्रण होगा और संचित धन में बढ़ोतरी होगी। इसके साथ ही आज विदेश से जुडे.कार्यों में आपको असीम सफलता मिल सकती है। धन प्राप्ति के उपाय सफल होंगे और विदेश में पढ़ाई के लिए प्रयास करने वालों को कामयाबी मिल सकती है। आज फॉरेन ट्रैवल, वीजा, कंसल्टेंसी आदि के काम से जुड़े जातक विशेष लाभ अर्जित करेंगे। इसके साथ ही आज के दिन की सबसे अच्छी बात यह है कि आपका चंचल मन आज काबू में रहेगा और भगवान की भक्ति में लीन रहेगा। इससे आपको मानसिक शांति और दृढ़ता दोनों का अनुभव होगा। अगर सेहत को लेकर आप परेशान हो रहे थे तो आज आपको कुछ आराम मिलेगा। परिवार में आज माहौल मस्तीभरा रहने वाला है। बच्चों के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। जीवनसाथी के साथ प्रेम बना रहेगा।

उपाय : आज मां दुर्गा को गुलाब का फूल चढ़ाएं और 108 बार ऊं ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डाये विच्चै मंत्र का जप करें। इससे आपके कार्यों में आ रहीं बाधाएं दूर होंगी।

कुंभ राशि –कुंभ राशि वालों के लिए आज बुधवार का दिन बड़े बदलावों का साक्षी रहने वाला है। अगर आप नौकरी में बदलाव के लिए प्रयास कर रहे थे तो आज आपके खुशखबरी मिल सकती है। इसके अलावा आज के दिन कारोबार से जुड़े बड़े परिवर्तन भी आप देख सकते हैं। आप इन्हें जितनी सकारात्मकता के साथ लेंगे, आप उतने ही अच्छे से इनका फायदा उठा पाएंगे। आज टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइंस आदि के सेक्टरों से जुड़े जातकों को अतिरिक्त लाभ मिल सकता है। आज के दिन की सबसे अच्छी बात यह है कि आपके अंदर आत्मविश्वास कूट कूट कर भरा होगा जिससे आप जोखिम लेने से भी नहीं कतराएंगे। सोची समझी रणनीति के अनुसार लिए गए जोखिम आपको लाभ दिलाएंगे। इसके साथ ही आज परिवार से भी आपको विरासत में कोई कीमती चीज मिल सकती है। जिससे आपके अंदर सम्मान, जिम्मेदारी और खुशी तीनों तरह के भाव होंगे। वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा।

उपाय : आज सुबह स्नान ध्यान के बाद मां दुर्गा के मंदिर में जाकर घी का दीया जलाएं और दुर्गा सप्तशती का पाठ करें। इसके साथ ही मां को लाल चुनरी और शृंगार पिटारी चढ़ाएं। इससे आपके मनोरथ पूरे होंगे।

संपादकीय

मेहमाननवाजी का नया दौर

मेहनत को मार्केटिंग के जरिए सुधारने की एक और कोशिश हिमाचल पर्यटन विकास निगम ने शुरू की है। निगम ने पहले होटल बुकिंग को प्रोफेशनल आधार देने के लिए निजी कंपनी से अनुबंध किया और अब सार्वजनिक उपक्रमों के साथ पैकेज डील का करार किया है। दरअसल पहली बार निगम ने अपनी रणनीति में व्यापारिक उद्देश्य जोड़ते हुए निजी क्षेत्र के सलीके सीखे हैं। ओएनजीसी, दिल्ली मैट्रो, सेल, गेल और दिल्ली हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जैसी संस्थाओं के साथ एमओयू करके निगम ने मेहमाननवाजी का दायरा बड़ा और चुस्त-दुरुस्त किया है। हिमाचल के पर्यटन संदर्भों में खुद को रेखांकित करने की इच्छा शक्ति का कमाल है कि सरकारी उपक्रम ने उन्हीं राहों में नई मंजिलें खोज लीं। अपनी हैसियत में पर्यटन के कुनबे को प्रतिष्ठित करने की कोशिश पहली बार शुरू हुई है, तो निगम के प्रबंध निदेशक डा. राजीव कुमार के नेतृत्व की प्रशंसा करनी होगी। ये दायरे आगे चलकर और बड़े तथा सशक्त हो सकते हैं। भ्रमण की बदलती जरूरतों तथा सुकून की नई तलाश के बीच पर्यटन विकास निगम की संपत्तियों का एक स्थायी जलवा तो है, लेकिन इसका विस्तार करते हुए सैलानियों के रुकने के ठौर बढ़ाने के लिए पैकेज के भागीदार भी जोड़ने होंगे। मसलन ईको टूरिज्म की साइट्स अगर लीज पर जा रही हैं, तो पर्यटन निगम को इसमें भागीदारी जोड़ते हुए अपनी प्रोफेशनल चमत्कारी दिखानी होगी। पर्यटन निगम को एचआरटीसी के अलावा प्रदेश में आ रही पड़ोसी राज्यों के परिवहन उपक्रमों के साथ मिलकर यात्रा विस्तार की योजनाएं बनानी चाहिएं। अमृतसर, आनंदपुर साहिब, हरिद्वार और ऐसे अनेक धार्मिक स्थलों से आ रहे पर्यटकों को हिमाचल में लाने व ठहराने के लिए सभी राज्यों के परिवहन उपक्रमों के साथ पैकेज बनाए जाएं, तो पर्यटन की एक साझी विरासत बनेगी। उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, जे एंड के या राजस्थान परिवहन के साथ हिमाचल यात्रा का अनुबंध, एक पैकेज डील की तरह हो सकता है, जहां आने-जाने के टिकट के साथ कुछ डिस्काउंट पर सरकारी होटलों की बुकिंग तथा साइट सीईंग का पूरा पैकेज नत्थी हो। निजी वोल्वो बसें दरअसल हिमाचली पर्यटन की ब्रांड हैं, लेकिन इस तथ्य से अनभिज्ञ सरकारी होटल, कमाई का एक बड़ा स्रोत गंवा रहे हैं। अगर निजी वोल्वो बसों के संचालन, पार्किंग तथा बोर्डिंग के स्थल पर्यटन विकास निगम अपनी देखरेख या अपने परिसरों से अनुमोदित करे, तो यात्री सुविधाओं के स्थायी पते के कारण ये संपत्तियां बेहतर ढंग से इस्तेमाल होंगी। कुछ मॉल, पेट्रोल पंप व होटल इकाइयां निजी वोल्वो बसों के आगमन तथा प्रस्थान के कारण पर्यटकों की पसंद बन गए हैं। ऐसे में पर्यटन निगम धर्मशाला जैसे स्थान पर पर्यटक वाहनों व निजी वोल्वो बसों के आगमन तथा प्रस्थान के लिए परिसर बना कर, हर दिन सैकड़ों पर्यटकों के ठहराव तथा टूअर प्रोग्राम की मेजबानी कर सकता है। पर्यटन विकास निगम को अपनी मार्किटिंग के पार्टनर खोजते हुए एचआरटीसी, राज्यों के परिवहन उपक्रमों के अलावा रेलवे तथा एयरलाइंस के साथ आगमन-प्रस्थान के अलावा राज्य में विश्राम, मनोरंजन व सुकून के पैकेज शेयर करने चाहिएं। मसलन अंब-अंदौरा तथा पठानकोट तक वंदे भारत ट्रेनों से आ रहे पर्यटकों को प्रमुख पर्यटक केंद्रों तक पहुंचाने, ठहराने तथा घुमाने की जिम्मेदारी का विस्तार तथा अनुबंध करना होगा। इसी तरह हवाई उड़ानों के साथ हिमाचल टूअर के अलग-अलग पैकेज बनाकर राज्य के पूर्ण पर्यटन की मार्किटिंग शुरू करनी चाहिए। पर्यटक को राज्य के उपक्रमों के साथ जोडक़र सुरक्षा, ईमानदारी व बेहतर मेहमाननवाजी का एहसास कराने से पर्यटन का नया दौर शुरू हो सकता है।

> भ्रमण की बदलती जरूरतों तथा सुकून की नई तलाश के बीच पर्यटन विकास निगम की संपत्तियों का एक स्थायी जलवा तो है, लेकिन इसका विस्तार करते हुए सैलानियों के रुकने के ठौर बढ़ाने के लिए पैकेज के भागीदार भी जोड़ने होंगे। मसलन ईको टूरिज्म की साइट्स अगर लीज पर जा रही हैं, तो पर्यटन निगम को इसमें भागीदारी जोड़ते हुए अपनी प्रोफेशनल चमत्कारी दिखानी होगी। पर्यटन निगम को एचआरटीसी के अलावा प्रदेश में आ रही पड़ोसी राज्यों के परिवहन उपक्रमों के साथ मिलकर यात्रा विस्तार की योजनाएं बनानी चाहिएं। अमृतसर, आनंदपुर साहिब, हरिद्वार और ऐसे अनेक धार्मिक स्थलों से आ रहे पर्यटकों को हिमाचल में लाने व ठहराने के लिए सभी राज्यों के परिवहन उपक्रमों के साथ पैकेज बनाए जाएं, तो पर्यटन की एक साझी विरासत बनेगी।

आप का नजरिया

यह वक्त एकजुटता का है

1947-48 के भारत-पाक युद्ध में हमारे करीब 6000 जवान 'शहीद' हुए थे। 1965 के युद्ध में यह संख्या 3500 के करीब रही और 1971 के भारत-पाक युद्ध में भी करीब 3000 सैनिक शहीद हुए। 1999 के कारगिल युद्ध में भी यह संख्या 527 तक पहुंच गई। देश के अनुभवी रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, विभिन्न युद्धों, संघर्षों या किसी अन्य ऑपरेशन के दौरान 15,000 से अधिक सैनिक शहीद हो चुके हैं। क्या देश को यह एहसास है कि कितने परिवार अनाथ हुए होंगे? क्या कांग्रेस ये तमाम आंकड़े जानती है, क्योंकि इन युद्धों के कालखंड में अधिकतर वह ही सत्तारूढ़ थी? क्या कांग्रेस देश को बताएगी कि इन शहीद सैनिकों को लेकर संसद के कितने विशेष सत्र बुलाए गए? शहादत के आंकड़े किसी संसदीय रिकॉर्ड में दर्ज हैं? कितने जांबाज जवान घायल हुए होंगे और अपाहिज हो गए होंगे? क्या देश को यह भयानक यथार्थ किसी ने बताया है? लोकतंत्र और सरकार की गतिविधियों, कार्रवाइयों को जानने का अधिकार इतना शिथिल और संकीर्ण नहीं हो सकता। युद्ध और सामान्य, सार्वजनिक मुद्दों के बीच गहरे अंतर होते हैं। सवाल है कि कांग्रेस यह जान कर कौन-सा राजनीतिक लक्ष्य हासिल कर लेगी कि भारत-पाक के हालिया संघर्ष के दौरान हमारे कितने लड़ाकू विमान धराशायी हुए? हमारी वायुसेना ने आतंकियों के 9 बड़े ठिकाने मिट्टी में मिला दिए, करीब 170 आतंकियों को ढेर भी किया, पाकिस्तान के महत्वपूर्ण एयरबेस, रडार सिस्टम और वायु रक्षा प्रणालियां इस कदर तबाह कर दी गईं कि 4-5 साल तक पाकिस्तान युद्ध की सोच भी नहीं सकता। क्या कांग्रेस खुश नहीं है कि हमारी सेनाओं ने तय लक्ष्य हासिल किए और दुनिया के विशेषज्ञ भारत की निर्णायक जीत के विश्लेषण कर रहे हैं? अब चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) की आड़ में छिप कर कांग्रेस मोदी सरकार और सेना को निशाना बनाने पर आमादा है। बेशक सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने एक साक्षात्कार में स्वीकार किया है कि हालिया संघर्ष में शुरुआत के दो दिनों में हमें हवाई नुकसान उठाना पड़ा। नंबर अहम नहीं हैं, लेकिन हमने गलतियां सुधारीं और अपने टारगेट पर हमला बोल कर उसे तबाह कर दिया। डीजीएमओ (एयर ऑपरेशन) एयर मार्शल एके भारती ने भी लगभग यही बात कही थी कि जंग में नुकसान अपरिहार्य है, लेकिन सीडीएस ने पाकिस्तान के दुष्प्रचार, 5 राफेल विमान गिराने के दावे को सिरे से खारिज कर दिया। कांग्रेस सीडीएस के बयान का एक छोर पकड़ कर सवाल करते हुए संदेह जताने पर क्यों तुली है? उसकी संसद के विशेष सत्र बुलाने में क्या दिलचस्पी है? हम पहले भी कह चुके हैं कि यदि सामूहिक विपक्ष संसद सत्र की मांग कर रहा है, तो सरकार को मॉनसून सत्र कुछ पहले ही बुला लेना चाहिए, लेकिन अब कांग्रेस चाहती है कि प्रधानमंत्री मोदी सीडीएस के बयान पर संसद में स्पष्टीकरण दें। कांग्रेस को पता होगा कि अभी 'ऑपरेशन सिंदूर' स्थगित है, खत्म नहीं हुआ है। युद्ध की रणनीति अति गोपनीय विषय है, उसे संसद के मंच पर भी सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। सीडीएस ने रणनीति की ओर संकेत किया है। क्या प्रधानमंत्री के स्पष्टीकरण के जरिए कांग्रेस उस रणनीति का खुलासा करवा देना चाहती है, जो पाकिस्तान के लिए फायदेमंद हो सकती है। पाकिस्तान हमारी सैन्य रणनीति जानने के बाद अपनी रणनीति दोबारा बना सकता है। हमारा सवाल है कि क्या कांग्रेस का अस्तित्व भारत के अस्तित्व से भिन्न है? उसने कारगिल युद्ध के बाद विशेषज्ञ समिति की तर्ज पर नई समीक्षा-समिति बनाने की भी मांग की है। इस संदर्भ में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर बातचीत कर सकते हैं। सार्वजनिक मंच पर शोर मचाने और प्रधानमंत्री पर देश को गुमराह करने जैसे आरोप लगाने से हासिल क्या होगा? दुश्मन ही खिल्ली उड़ाएगा। यह युद्ध-सा माहौल है, लिहाजा कांग्रेस को ऐसा गैर-जरूरी रवैया नहीं अपनाना चाहिए। देश और सेना उसकी भी है।

लाख खामियों के बावजूद आधुनिक दुनिया अपने आप को लोकतांत्रिक व्यवस्था कहलवाना पसंद करती है

वैश्विक विस्मृति के शिकार तियानमेन चौक के शहीद

राकेश सैन

> चीन की जनता ने आज से चार दशक पहले लोकतंत्र के पक्ष में आवाज उठाई तो उसे टैंकों ने रौंद दिया और आज लोकतांत्रिक वैश्विक समाज उस घटना को लगभग भूल सा गया लगता है। दरअसल 4 जून, 1989 में चीन के बीजिंग का तियानमेन चौक बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों का केन्द्र बना, जिसे चीन के कम्युनिस्ट शासकों ने बुरी तरह कुचल दिया। इसकी पृष्ठभूमि में जाएं तो पता चलता है कि 1980 के दशक में चीन बड़े बदलावों से गुजर रहा था। सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने कुछ निजी कंपनियों और विदेशी निवेश को अनुमति देना शुरू कर दिया। चीनी नेता डेंग जियाओपिंग को इससे अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलने और लोगों का जीवन स्तर ऊपर उठने की आशा थी। इस कदम से राजनीतिक खुलेपन की उम्मीद भी जगी, लेकिन उस समय कम्युनिस्ट पार्टी दो भागों में बंट गई।

वर्तमान युग लोकतंत्र का है, इस प्रणाली की लाख खामियों के बावजूद आधुनिक दुनिया अपने आप को लोकतांत्रिक व्यवस्था कहलवाना पसंद करती है। यहां तक कि मजहबी राजनीतिक व्यवस्था वाले देश भी अपने नाम में किसी न किसी तरह लोकतंत्र शब्द को शामिल करके स्वयं को प्रगतिशील साबित करने का प्रयास करते हैं। पर आश्चर्य की बात है कि लोहावरणवादी कम्युनिस्ट व्यवस्था को जबरन ढो रही चीन की जनता ने आज से चार दशक पहले लोकतंत्र के पक्ष में आवाज उठाई तो उसे टैंकों ने रौंद दिया और आज लोकतांत्रिक वैश्विक समाज उस घटना को लगभग भूल सा गया लगता है। दरअसल 4 जून, 1989 में चीन के बीजिंग का तियानमेन चौक बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों का केन्द्र बना, जिसे चीन के कम्युनिस्ट शासकों ने बुरी तरह कुचल दिया। इसकी पृष्ठभूमि में जाएं तो पता चलता है कि 1980 के दशक में चीन बड़े बदलावों से गुजर रहा था। सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने कुछ निजी कंपनियों और विदेशी निवेश को अनुमति देना शुरू कर दिया। चीनी नेता डेंग जियाओपिंग को इससे अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलने और लोगों का जीवन स्तर ऊपर उठने की आशा थी। इस कदम से राजनीतिक खुलेपन की उम्मीद भी जगी, लेकिन उस समय कम्युनिस्ट पार्टी दो भागों में बंट गई। एक वर्ग वो जो तीव्र परिवर्तन की मांग कर रहा था, तथा दूसरा वो कठोर राज्य नियंत्रण बनाए रखना चाहता था। इस दौरान छात्रों के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन शुरू हुए। इसमें भाग लेने वालों में वे लोग शामिल थे जो विदेश में रह चुके थे और नए विचारों तथा उच्च जीवन स्तर से परिचित थे। 1989 में अधिक राजनीतिक स्वतंत्रता की मांग के साथ विरोध प्रदर्शन बढ़ गये। प्रदर्शनकारियों को एक प्रमुख राजनीतिज्ञ हू याओबांग से प्रोत्साहन मिला, जिन्होंने कुछ आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तनों की देखरेख की। दो वर्ष पहले राजनीतिक विरोधियों ने उन्हें पार्टी के शीर्ष पद से हटा दिया था। अप्रैल में हू की मौत हो गई, उनके अंतिम संस्कार के दिन हजारों लोग एकत्रित हुए और उन्होंने अधिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा कम सेंसरशिप की मांग की। अगले सप्ताहों में, प्रदर्शनकारी तियानमेन चौक पर एकत्र हुए, जिनकी अनुमानित संख्या दस लाख तक थी। तत्कालीक कम्युनिस्ट व्यवस्था ने इस दौरान न केवल हजारों निर्दोष नागरिकों, विशेषकर छात्रों और श्रमिकों का निर्मम दमन किया गया, बल्कि करोड़ों चीनी नागरिकों के मौलिक संवैधानिक अधिकारों को भी रौंद दिया। 3-4 जून की रात, चीन की जनमुक्ति सेना ने बख्तरबंद टैंकों और हथियारों से छात्रों पर हमला किया। हजारों की संख्या में निर्दोष लोगों की हत्या कर दी गई। यह भयावह घटना इतिहास में चार जून की घटना या तियानमेन नरसंहार के नाम से दर्ज है जो आज भी चीन में एक वर्जित विषय बना हुआ है। घटना वाले दिन बीजिंग की सडक़ों पर वह भयावह मंजर शुरू हुआ। चीनी सेना ने राजधानी में प्रवेश कर

गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार 35-36 लोग मारे गए। लेकिन यह तो केवल शुरुआत थी। 4 जून की सुबह करीब 4 बजे, जब तियानमेन चौक पर हजारों की संख्या में निहत्थे छात्र, नागरिक, बच्चे और बुजुर्ग शांतिपूर्वक लोकतंत्र और पारदर्शिता की मांग को लेकर एकत्र थे, तब कम्युनिस्ट सरकार ने क्रूरतम रूप का प्रदर्शन किया। सरकार ने न सिर्फ टैंक और हथियारबंद जवानों को तियानमेन चौक पर भेजा, बल्कि लड़ाकू विमानों तक की तैनाती की। बिना किसी चेतावनी के गोलियां बरसाई गईं। निर्दोष लोगों को कुचला गया, दौड़ते बच्चों को निशाना बनाया गया, और चौक को रक्तरंजित कर दिया गया। यह कार्रवाई सिर्फ एक नरसंहार नहीं बल्कि लोकतंत्र, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और मानवाधिकारों की भावना पर एक संगठित, राज्य-प्रायोजित प्रहार था। बीजिंग की सडक़ों पर मानव रक्त की नदियाँ बह रही थीं। यह कोई युद्ध का मैदान नहीं था, बल्कि एक शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक प्रदर्शन के खिलाफ राज्य द्वारा चलाया गया सुनियोजित नरसंहार था। चीन की कम्युनिस्ट सरकार ने छात्रों और नागरिकों की शांतिपूर्ण मांगों का उत्तर टैंकों और गोलियों से दिया। रात के अंधेरे में बीजिंग की सडक़ों पर टैंक गर्जना करने लगे और कुछ ही घंटों में लगभग 10,000 निर्दोष लोगों की जानें चली गईं। चीनी सरकार अनुसार, दो सौ लोग मरे और तीन हजार घायल हुए। तियानमेन नरसंहार को लेकर वर्षों तक चीन सरकार ने मृत्यु संख्या को लेकर पूर्ण गोपनीयता बनाए रखी, लेकिन समय के साथ कुछ अंतर्राष्ट्रीय दस्तावेज सामने आए, जिन्होंने इस भयावह घटना की असली तस्वीर उजागर की। चीन में तत्कालीन ब्रिटिश राजदूत एलन डॉनल्ड ने 1989 में लंदन भेजे अपने एक गोपनीय टेलीग्राम में स्पष्ट रूप से कहा था कि इस सैन्य कार्रवाई में कम से कम 10,000 लोगों की मृत्यु हुई। यह टेलीग्राम घटना के 28 वर्षों बाद सार्वजनिक हुआ। हांगकांग बैप्टिस्ट विश्वविद्यालय में चीनी इतिहास, भाषा और संस्कृति के विशेषज्ञ ज्यां पिए कबेस्टन ने भी इस टेलीग्राम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि 'ब्रिटिश राजनयिकों द्वारा भेजे गए आँकड़े हैं और इन्हें खारिज नहीं किया जा सकता।' प्रसिद्ध चीनी लेखक और सामाजिक आलोचक लियाओ इयवु ने तियानमेन नरसंहार को लेकर अपनी लेखनी के माध्यम से चीनी सत्ता की क्रूरता को बेनकाब किया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि चीन अब पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर खतरा बन चुका है। 'बॉल्स ऑफ ओपियम' नामक अपनी पुस्तक में, जो विशेष रूप से तियानमेन चौक की घटना पर आधारित है, उन्होंने लिखा, 'लोकतंत्र की स्थापना के लिए संघर्ष कर रहे हजारों लोगों को सेना ने निर्ममता से कुचल दिया।' यह पुस्तक न केवल चीन में प्रतिबंधित कर दी गई, बल्कि लियाओ को इस विचारधारा के खिलाफ बोलने के कारण जेल, गुप्त निगरानी और अंततः निर्वासन तक का सामना करना पड़ा। इस घटना के बाद भी चीनी सरकार ने दमनात्मक रवैया छोड़ा नहीं बल्कि अत्याचारों की सारी सीमाएं लांघ दी। 6 जून नरसंहार के तुरंत बाद चीन में स्थित विदेशी दूतावासों ने अपने-अपने नागरिकों को सुरक्षा कारणों से देश छोडऩे के निर्देश जारी किए ताकि इस घटना पर पर्दा डाला जा सके। 16 जून को आंदोलन का नेतृत्व करने वाले छात्र नेताओं की व्यापक गिरफ्तारी शुरू हुई। विभिन्न विश्वविद्यालयों से जुड़े 1000 से अधिक छात्र नेताओं को चिन्हित कर हिरासत में लिया गया। अगले दिन 17 जून बीजिंग में 8 नागरिकों को मृत्युदंड दिया गया। 20 जून को चीन ने सभी ट्रैवल वीजा पर रोक लगा दी। यह निर्णय इसलिए लिया गया ताकि कोई भी आंदोलनकारी देश छोडक़र अंतर्राष्ट्रीय समर्थन न प्राप्त कर सके, और विरोध की आवाज को सीमा के भीतर ही दबा दिया जाए। वैसे तियानमेन नरसंहार वामपंथी विचारधारा के चरित्र का कोई अपवाद नहीं, बल्कि उसकी सतत अमानवीय प्रवृत्तियों की ही एक कड़ी है। इतिहास के पन्ने पलटने पर स्पष्ट होता है कि वामपंथी अधिनायकवाद का पूरा इतिहास ऐसे ही संविधान-विरोधी अत्याचारों और दमन की घटनाओं से अटा पड़ा है। लेनिन के नेतृत्व में 'बोल्शेविक क्रांति' के बाद लाखों विरोधियों का दमन, स्टालिन के 'ग्रेट पर्ज' के दौरान अनुमानित दो करोड़ से अधिक लोगों की हत्या, और माओत्से तुंग के 'ग्रेट लीप फारवर्ड' और 'कल्चरल रेवेल्यूशन' में करोड़ों लोगों की मौतें, यह दिखाती हैं कि वामपंथी शासन अक्सर आलोचना और विरोध को कुचलने के लिए नरसंहार और दमन को ही नीति का रूप दे देता है। यह तथ्य भी उल्लेखनीय है कि भारत के वामपंथी विचारक और संगठन भी उन्हीं वैश्विक व्यक्तित्वों लेनिन, माओ और स्टालिन से वैचारिक प्रेरणा लेते रहे हैं, जिनकी नीतियाँ अत्याचार, दमन और हिंसा से जुड़ी रही हैं। चाहे वह बंगाल और केरल की वामशासित सरकारों में राजनीतिक हिंसा का इतिहास हो, या फिर नक्सलवाद और अर्बन नक्सलिज्म के माध्यम से राज्यविरोधी हिंसक गतिविधियाँ, इन सबमें वामपंथी विचारधारा की भूमिका बार-बार सामने आती रही है। भारत-चीन युद्ध के दौरान जैसे भारत के कम्युनिस्टों ने दुश्मन देश का समर्थन कर अपने चरित्र का प्रमाण दिया उसी तरह तियानमेन चौक नरसंहार पर भी उन्होंने चीन को मूक समर्थन दिया।

देश दुनिया से

विकास के विनाशकारी प्रभाव

मानव समाज ज्यों ज्यों विकसित होता जा रहा है त्यों त्यों प्रकृति प्रदत्त जीवनदायी तत्वों का विनाश बढ़ता ही जा रहा है। हालांकि प्रकृति मित्र विकास के मॉडल विकसित करने के दावे और प्रयास किए जा रहे हैं, किन्तु जिस गति से प्रकृति का विनाश किया जा रहा है, उसकी भरपाई करना असंभव होता जा रहा है। हवा, पानी और भोजन जीवन की सबसे मूल जरूरतें हैं। हवा प्रदूषण इस हद तक बढ़ गया है कि विश्व के अनेक क्षेत्र गैस चैंबर बनते जा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के चलते धरती पर पानी के भंडार खतरे में पड़ गए हैं। हिमनदों के पिघलने की गति बढ़ती जा रही है जिसके चलते आने वाले 40-50 वर्षों में ग्लेशियर समाप्त होने के कगार पर होंगे। अमरीका के रौकिज से लेकर यूरोप की ऐल्प्स, काकेशस, और भारत की हिमालय पर्वत श्रृंखलाएं हिमनद विहीन होने वाली हैं। विज्ञान पत्रिका 'साइंस' के मुताबिक यदि हम वैश्विक तापमान वृद्धि को औद्योगिक क्रांति के बाद से 2 डिग्री सेंटी ग्रेड के भीतर नहीं रोक सके तो विश्व के ग्लेशियरों में सदी के अंत तक 10-15 फीसदी ही बर्फ बची रहेगी। इससे पानी की आपूर्ति करने वाली सदानीरा नदियां मौसमी बन कर रह जाएंगी जिनमें बारिश होने पर ही पानी होगा, या थोड़ा बहुत वनों द्वारा संरक्षित जल पर ही आबादी को निर्भर रहना पड़ेगा। भूजल की स्थिति भी अच्छी नहीं है। भारत में 45 फीसदी क्षेत्र भूजल के अधिक दोहन के कारण लाल सूची में आ गए हैं। हिमनदों के जल्दी पिघलने के कारण हिमालयी क्षेत्रों में हिमनद जनित झीलें बन रही हैं। हिमनदों की बर्फ कच्चे मलबे के साथ टूट कर पर्वतीय संकरी घाटियों में गिर कर बर्फीले मलबे के बांध बना देती है, जिसमें हिमनदों का पानी जमा होता रहता है और जब पानी की मात्रा बांध की दीवार की झेलने की शक्ति से ज्यादा हो जाती है, तब ये हिमनद बांध टूट कर निचले क्षेत्रों में बाढ़ लाकर भारी तबाही का कारण बनते हैं। हिमाचल में 90 के दशक में पाच्छू से आई बाढ़ और उत्तराखंड में विष्णुगाड़ बाढ़ ताजा उदाहरण हैं। हिमालय में इस समय 28000 के करीब हिमनद झीलें बन चुकी हैं जिनमें से बहुत सी खतरनाक साबित हो सकती हैं। उपजाऊ जमीनें अत्यधिक उपज लेने के चक्कर में रासायनिक खादों और कीटनाशक और खरपतवार नाशक दवाइयों के प्रयोग के कारण अपनी शक्ति खोती जा रही हैं। यानी

जिंदा रहने के लिए सबसे जरूरी तीनों तत्व खतरे की चपेट में हैं। और जलवायु परिवर्तन के कारण प्राकृतिक आपदाओं का क्रम भी बढ़ता जा रहा है। अति वृष्टि और अनावृष्टि का क्रम आम हो गया है। इस वर्ष हिमाचल में मार्च में औसत से कम बारिश हुई है। जब बारिश होती है तो बहुत भारी बारिश होती है। हिमाचल और उत्तराखंड में पिछले दो वर्षों से बरसात में भारी तबाही हो रही है। गत वर्ष हिमाचल में 450 के लगभग लोग अकाल मृत्यु का ग्रास बन गए थे। इस वर्ष मई महीने में ही कुल्लू और चंबा जिलों में बादल फटने की घटनाएं हो चुकी हैं, जिससे जन-धन की हानि हुई है। भारतीय ऊर्जा, पर्यावरण एवं जल परिषद ने इस वर्ष देश के 57 फीसदी जिलों को जिनमें 76 फीसदी आबादी का निवास है, अत्यंत भीषण गर्मी की चपेट में आने की चेतावनी दी है। 1993 से 2022 के बीच मौसम खतरा सूचकांक 2025 के अनुसार मौसम की भारी मार झेलने वाले देशों में भारत छठे स्थान पर है। 2024 की रिपोर्ट के अनुसार 2012-22 के बीच 55 फीसदी तहसीलों में बारिश में भारी वृद्धि दर्ज की गई। वैश्विक तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि के कारण ही यह स्थिति बनी है। तापमान में वृद्धि ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में वृद्धि के कारण हुई है। इन गैसों के उत्सर्जन में वृद्धि अंधाधुंध निर्माण कार्यों में वृद्धि के कारण हुई है। अत्यधिक ऊर्जा की मांग के कारण जीवाश्म ईंधनों के प्रयोग में वृद्धि हो रही है। निर्माण कार्यों के कारण ग्रीन हाउस गैसों को प्रचूषित करके नियंत्रण करने वाले वनों का भी बहुत कटान हो रहा है। भारतवर्ष चीन और अमरीका के बाद सबसे ज्यादा कार्बन उत्सर्जन करने वाला देश बन गया है। गत वर्षों में भारत कोयले के खनन को लगभग 5 फीसदी बढ़ा चुका है। जरूरत तो इसे कम करते जाने की है। हालांकि स्वच्छ ऊर्जा के लिए सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए अच्छे प्रयास हुए हैं। 2015 में सौर ऊर्जा का कुल ऊर्जा उत्पादन में योगदान 0.5 से बढ़ कर 5.8 फीसदी हो गया है। इस समय भारत की स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता 73 गीगावाट है, जो विश्व स्तर पर छठे स्थान पर है। किन्तु 70 फीसदी ऊर्जा जरूरतें अभी भी कोयले से पूरी की जा रही हैं। इसे लगातार कम करने की जरूरत है। अत्यधिक बनावटी मांग पैदा करना एक बड़ी समस्या बनती जा रही है। पूरा मीडिया इसी काम में लगा रहता है। उत्पादन प्रक्रिया का फलसफा अमरीकी फलसफे पर आधारित होता जा रहा है, जिसमें 'यूज एंड थ्रो' का सिद्धांत सर्वोपरि है। पुराने समय में उत्पाद ऐसे होते थे जिनकी मरम्मत करके सालों साल प्रयोग किया जा सकता था। मरम्मत करने वाले लोगों की एक बड़ी फौज को रोजगार भी मिलता था। अब तो ऐसी वस्तुएं बनने लगी हैं जिनको एक बार प्रयोग करके फैंकना ही पड़ता है। इससे एक तो संसाधनों का अत्यधिक दोहन और खनन करना पड़ता है और दूसरे, इतना ज्यादा कचरा पैदा हो रहा है जिसके निपटारे की समस्या नियंत्रण से बाहर हो रही है। इस सबके लिए अतिरिक्त ऊर्जा की जरूरत पड़ती है। टिकाऊ उत्पाद बनाने से इस फिजूलखर्ची से बचा जा सकता है।

कुछ अलग

डिले करप्शन...

आजकल वह गुस्से में हैं। बेहद गुस्से में। उनकी आंखें ठीक उसी तरह लाल हैं जिस तरह चीन को देखते ही प्रधानमंत्री की हो जाती हैं। लेकिन चीन को लाल आंखें दिखाने के बावजूद प्रधानमंत्री के मुंह से चीन का च तक नहीं निकल पाता। ख़ुद लाखों का विदेशी चश्मा, पेन, जूते और कपड़े पहनने के बावजूद ऑपरेशन सिंदूर के नाम पर देशवासियों से विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करने का आवाह्न करते हुए वह सिर्फ छोटी आंखों वाली गणेश की मूर्ति का हवाला देकर, चीन का नाम लिए बिना पतली गली से निकल गए। पर इधर सभी सरकारी योजनाओं के मार्फत सुख बांटने वाले अपने मुख्यमंत्री आजकल बेहद गुस्से में हैं। उनका कहना है कि 'डिले करप्शन' के आरोपी अफसरों पर कार्रवाई की गाज गिरेगी। करप्शन में डिले करने वाले अफसरों को सरकार भारमुक्त करके ही मानेगी। अफसरों की इतनी मजाल कि उन्होंने डिले करप्शन किया। करप्शन को बिना किसी डिले के तुरंत पूरा किया जाना चाहिए था। उन्होंने एक साक्षात्कार में बाकायदा ऐलान किया है कि डिले करप्शन के आरोपी बख्शे नहीं जाएंगे। मुख्यमंत्री कहना है कि किसी काम को डिले करना भी एक करप्शन है। लेकिन साक्षात्कारकर्ता ने उनके हवाले से कहा है कि डिले करप्शन के आरोपी अफसरों को राज्य सरकार भारमुक्त करेगी। मुख्यमंत्री के इस साक्षात्कार के बाद सरकार के एक आला अधिकारी झुन्नू लाल जी इस दुविधा में हैं कि किस तरह के अधिकारियों को भारमुक्त किया जाएगा? काम में डिले करने वाले अधिकारियों को या करप्शन में डिले करने वालों को? उन्हें सरकार की मंशा पर रत्ती भर भी संदेह नहीं। पर उनका मानना है कि अगर सरकार काम को डिले करने वाले कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए सचमुच संजीदा होती तो अब तक आधे से ज़्यादा कर्मी निपट लिए होते। पर उससे पहले न जाने देश में कितनी सरकारें निपट गई होतीं। अभी एक दिन पहले भारतीय वायु सेना प्रमुख ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में रक्षा मंत्री के सामने कहा कि कई रक्षा अधिग्रहण परियोजनाओं और सैन्य प्लेटफार्मों की आपूर्ति के लिए वितरण कार्यक्रम का पालन करने में डिले हो रहा है। समय सीमा का पालन एक बड़ी समस्या है। इसी समस्या को लेकर हमारे मुख्यमंत्री भी परेशान हैं। लेकिन उनके साक्षात्कार में यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि वह काम में डिले की वजह से परेशान हैं या डिले करप्शन की वजह से। पता नहीं साक्षात्कार लेने वाले पत्रकार बंधु का हाथ अंग्रेजी में तंग है या मुख्यमंत्री का या फिर दोनों का। पर इतना तो तय है कि इन दोनों महानुभावों के अलावा शायद ही किसी तीसरे आदमी को पता चल पाया हो कि यह दोनों कहना क्या चाहते हैं। कई बार इस तरह की अंग्रेजी हमारे वैश्विक प्रधानमंत्री भी बोलते हैं। प्रधानमंत्री की एंटायर पॉलिटिक्स साईंस के बाद यह उनकी एंटायर इंग्लिश का ही कमाल था कि उन्होंने मधुबनी में आयोजित चुनावी रैली में पाकिस्तान को उग्रवाद के खिलाफ अंग्रेजी में चेताया। पर शुक्र है कि उन्होंने पाकिस्तानियों को शांति से रोटी खाने की सलाह अंग्रेजी में नहीं दी।

दृष्टि कोण

रक्षा निर्यात में ताकत बनकर उभरेगा भारत

पाकिस्तान की आतंकवादी गतिविधियों के खिलाफ भारत द्वारा छेड़े गए युद्ध के केवल चार दिनों के बाद, हालांकि युद्धविराम ने इस आतंकवादी राष्ट्र को और अधिक नुकसान से बचा लिया है, लेकिन इस छोटी सी अवधि में पाकिस्तान को निश्चित रूप से भारी नुकसान उठाना पड़ा है। और अगर हम संघर्ष के इन चार दिनों को देखें, तो भारत निश्चित रूप से अपनी रक्षा क्षमताओं, विशेष रूप से स्वदेशी रक्षा उपकरणों को वैश्विक स्तर पर अपने संबंधित श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ के बराबर या उससे भी बेहतर प्रदर्शित करने में सक्षम रहा है। भारत सरकार के प्रेस सूचना ब्यूरो के अनुसार, 'ऑपरेशन सिंदूर ने भारतीय प्रणालियों द्वारा शत्रु की प्रौद्योगिकियों को बेअसर करने के ठोस सबूत भी पेश किए- चीनी पीएल-15 हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों, तुर्की मूल के यूएवी, लंबी दूरी के रॉकेट, क्वाडकॉप्टर और वाणिज्यिक ड्रोन के टुकड़े बरामद किए गए।' पीआईबी आगे कहता है, 'जिन्हें बरामद किया गया और उनकी पहचान की गई, जिससे पता चलता है कि पाकिस्तान द्वारा विदेशों से आपूर्ति किए गए उन्नत हथियारों का फायदा उठाने के प्रयासों के बावजूद, भारत का स्वदेशी वायु रक्षा और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध नेटवर्क बेहतर बना हुआ है।' गौरतलब है कि भारत का रक्षा निर्यात 2013-14 में 686 करोड़ रुपए से बढक़र 2023-24 में 21083 करोड़ रुपए हो गया, और 2024-25 में यह 23622 करोड़ रुपए हो गया। अगले वर्ष के लिए इसका लक्ष्य 35000 करोड़ रुपए के रक्षा उपकरण निर्यात करना है। भारत अब इटली, मालदीव, रूस, श्रीलंका, यूएई, फिलीपींस, सऊदी अरब, पोलैंड, मिस्र, इजरायल, स्पेन और चिली सहित 85 से अधिक देशों को निर्यात करता है। भारत द्वारा निर्यात किए जाने वाले प्रमुख रक्षा उपकरणों में शामिल हैं- आकाश-सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली, जिसे आर्मेनिया जैसे देशों को निर्यात किया गया है और सूडान में प्रदर्शित किया गया। ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, जिसे फिलीपींस को निर्यात किया जा रहा है और अन्य दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों ने भी इसमें रुचि दिखाई है (सौदों पर हस्ताक्षर किए जा रहे हैं)। पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लांचर, जिसे आर्मेनिया को निर्यात किया गया, 155 मिमी आर्टिलरी गन, जिसे आर्मेनिया को निर्यात किया गया, जो उन्नत आर्टिलरी प्रणालियों में भारत की क्षमताओं को उजागर करता है। डोर्नियर-228 विमान, जिसे परिवहन और निगरानी भूमिकाओं के लिए विभिन्न देशों को निर्यात किया गया। हालांकि, इन रक्षा वस्तुओं की विभिन्न देशों में पहले से ही मांग है, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बाद परिदृश्य भारत के रक्षा निर्यात के पक्ष में और भी बदल गया है। भारत अब अधिक रक्षा सामान बेचने की बेहतर स्थिति में है। इस ऑपरेशन ने न केवल भारत की सैन्य साख को बढ़ाया है, बल्कि स्वदेशी रूप से विकसित रक्षा प्रणालियों की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता का जीवंत प्रदर्शन भी किया है। कैसा रहा प्रदर्शन? पीएम नरेंद्र मोदी ने भी कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे मेड इन इंडिया हथियारों की प्रामाणिकता साबित हुई है। आज दुनिया देख रही है कि 21वीं सदी के युद्ध में मेड इन इंडिया रक्षा उपकरणों का समय आ गया है। भारत ने अपनी क्षमताओं का शानदार प्रदर्शन किया है और नए युग के युद्ध में अपनी श्रेष्ठता साबित की है। इसने भारत को स्वदेशी हथियारों और रक्षा प्रणालियों को कार्रवाई में प्रदर्शित करने का एक दुर्लभ अवसर प्रदान किया है। वास्तव में, हम युद्ध के मैदान में भारत के वर्तमान कार्य को दुनिया में भारत निर्मित हथियारों के प्रदर्शन को प्रदर्शित करने वाला एक प्रचार अभ्यास कह सकते हैं, क्योंकि हम कह सकते हैं कि वे परीक्षण केवल मैदान में नहीं बल्कि चीन और तुर्की जैसी प्रमुख सैन्य शक्तियों द्वारा समर्थित वास्तविक युद्ध जैसी स्थिति में सिद्ध हुए हैं। आकाश मिसाइल सिस्टम पर इकोनॉमिक टाइम्स लिखता है कि भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच, आकाश मिसाइल ने अपनी 'अग्नि परीक्षा' पास कर ली है। उल्लेखनीय है कि आकाश मिसाइल रक्षा प्रणाली भारत की स्वदेशी प्रणाली है, जिसने हाल ही में भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान अपनी प्रभावशीलता का प्रदर्शन किया है।

रेशनलाइजेशन कमीशन ने सीएम सैनी को 18 रिपोर्टों का पहला सेट सौंपा

चंडीगढ़, 03 जून (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को आज यहां आयोजित एक बैठक के दौरान रेशनलाइजेशन कमीशन, हरियाणा के अध्यक्ष राजन गुप्ता, आईएएस (सेवानिवृत्त) द्वारा 18 रिपोर्टों का पहला सेट प्रस्तुत किया गया। इन रिपोर्टों का मुख्य उद्देश्य सरकारी निकायों की दक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ाना है, ताकि जनता को बेहतर सेवाएं प्रदान की जा सकें। राज्य सरकार ने विभिन्न सरकारी विभागों, बोर्डों और निगमों के पुनर्गठन की सिफारिश करने के लिए रेशनलाइजेशन कमीशन का गठन किया था। कमीशन द्वारा प्रस्तुत रिपोर्टों को स्वीकार करते हुए, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मुख्य सचिव और अन्य अधिकारियों को इन रिपोर्टों के कार्यान्वयन के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि इन रिपोर्टों के समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए पांच विभागों को पायलट आधार पर लिया जाएगा। इन विभागों में हरियाणा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, सिंचाई, खान एवं भूविज्ञान, बागवानी और शहरी स्थानीय निकाय शामिल हैं।

कमीशन द्वारा प्रस्तुत रिपोर्टों में 16 विभाग-विशिष्ट रिपोर्ट और दो सामान्य रिपोर्ट शामिल हैं। 16 रिपोर्ट में सभी इंजीनियरिंग विभागों के साथ-साथ परिवहन, शहरी स्थानीय निकाय, कृषि, उच्च शिक्षा और अन्य विभाग शामिल हैं। राजन गुप्ता ने मुख्यमंत्री को बताया कि 5 रिपोर्टों का एक और सेट लगभग पूरा हो चुका है और कुछ दिनों के भीतर प्रस्तुत कर दिया जाएगा।

अन्य 23 विभागों के संबंध में पुनर्गठन की कवायद अंतिम चरण में है। पदों की संख्या में वृद्धि, नए विभागों का प्रस्ताव: कमीशन ने अपनी रिपोर्ट में 88 नगर निगमों, परिषदों और समितियों के साथ-साथ 179 सरकारी कॉलेजों में से प्रत्येक के लिए संशोधित संरचना की संस्तुति की है। इसमें मौजूदा सिंचाई विभाग को दो अलग-अलग इकाइयों में विभाजित करके बाढ़ नियंत्रण के लिए एक स्वतंत्र जल निकासी और भूजल पुनर्भरण विभाग के निर्माण का भी प्रस्ताव किया गया है।

इसके अतिरिक्त, रिपोर्ट में कई विभागों में नए संस्थानों की स्थापना और अनावश्यक संस्थानों को बंद करने का सुझाव दिया गया है। दो या तीन विभागों को छोड़कर, लगभग सभी अन्य विभागों में पदों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। राज्य सरकार की मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, कमीशन ने उक्त 21 विभागों में मौजूदा 1,04,980 पदों के मुकाबले 1,05,832 पदों के सृजन की संस्तुति की है।

रेशनलाइजेशन कमीशन के अध्यक्ष राजन गुप्ता ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि आयोग की रिपोर्ट का उद्देश्य उन विभागों के निम्नतम स्तर को पूर्ण रूप से सशक्त बनाकर विभागीय दक्षता में सुधार करना है, जो सीधे जनता से संवाद करते हैं, ताकि वे अधिक उत्तरदायी और जवाबदेह बन सकें। कमीशन ने निम्नतम स्तर के कार्यालयों से लेकर विभाग प्रमुख के कार्यालय तक सभी विभागों का पुनर्गठन किया है। इसने प्रत्येक कार्यालय स्तर की आवश्यकताओं के अनुसार उनके कर्तव्यों की प्रकृति के आधार पर आईटी और अन्य तकनीकी कर्मचारियों सहित उपयुक्त जनशक्ति की सिफारिश की है। रिपोर्ट में प्रत्येक स्तर पर अतिरिक्त क्षमता के प्रावधान शामिल हैं, ताकि विभाग अतिरिक्त कार्यभार को प्रभावी ढंग से प्रबंधित कर सकें। आधुनिक तकनीकी उपकरणों के व्यापक उपयोग को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रत्येक स्तर पर उपयुक्त आईटी कर्मियों की नियुक्ति पर भी जोर दिया गया है। उन्होंने बताया कि कमीशन ने मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली से संबंधित अपनी रिपोर्ट में इस प्लेटफॉर्म के पूर्ण पुनर्गठन की सिफारिश की है, जिसमें एचआरएमएस में विभागों के भीतर प्रत्येक कार्यात्मक और स्थापना कार्यालय के लिए स्वीकृत पद शामिल होने चाहिए। इससे कर्मचारियों की प्रभावी नियुक्ति सहित मानव संसाधन के सुचारू प्रबंधन में सुविधा होगी।

नायब सिंह सैनी से मिले रामबिलास शर्मा

चंडीगढ़, 03 जून (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से आज चंडीगढ़ स्थित उनके संत कबीर कुटीर आवास पर हरियाणा के पूर्व कैबिनेट मंत्री रामबिलास शर्मा ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान अटेली विधानसभा क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। भेंटवार्ता के दौरान, रामबिलास शर्मा ने मुख्यमंत्री की जनहितैषी नीतियों की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से अटेली विधानसभा क्षेत्र के समग्र विकास से संबंधित अपने महत्वपूर्ण सुझाव मुख्यमंत्री के सामने प्रस्तुत किए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सभी सुझावों को गंभीरता से सुना और उनके शीघ्र क्रियान्वयन का आश्वासन दिया, जिससे क्षेत्र के विकास को गति मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री का आभार प्रकट करते हुए शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश की प्रगति के लिए किए जा रहे प्रयास अत्यंत सराहनीय हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश के विकास में अपना हरसंभव योगदान देने की प्रतिबद्धता भी जताई। यह भेंट दोनों नेताओं के बीच सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई और अटेली क्षेत्र के विकास को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई।

हरियाणा सीएमओ में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

राज नेहरू को मिली बड़ी जिम्मेदारी

चंडीगढ़, 03 जून (एजेंसियां)।

हरियाणा के प्रशासनिक ढांचे में सोमवार को एक बड़ा बदलाव देखने को मिला। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी की अगुवाई में मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) में अहम प्रशासनिक पुनर्गठन किया गया। इस बदलाव का सबसे प्रमुख चेहरा राज नेहरू बनकर उभरे, जिन्हें मुख्यमंत्री कार्यालय में नए विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) नियुक्त किया गया है।

अब मुख्यमंत्री कार्यालय में दो ओएसडी कार्यरत होंगे। राज नेहरू को फ्यूचर डिपार्टमेंट, हायर एजुकेशन और यूथ इम्पावरमेंट तथा आंत्रप्रन्योरशिप जैसे तीन अत्यंत महत्वपूर्ण विभागों का प्रभार सौंपा गया है।राज नेहरू कोई नया नाम नहीं हैं। वह प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के बेहद करीबी माने जाते हैं। साल 2016 में श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में नियुक्त हुए थे। कौशल विकास के क्षेत्र में उनका व्यापक अनुभव रहा है। इस पुनर्गठन में एक और अहम बदलाव हुआ है। चीफ प्रिंसिपल सेक्रेटरी राजेश खुल्लर, जो वर्षों से मुख्यमंत्री कार्यालय में सबसे ताकतवर नौकरशाह माने जाते रहे हैं, उनके अधीन विभागों की संख्या में कटौती की गई है। अब उनके पास पहले के 21 की जगह 16 विभाग ही रहेंगे। खुल्लर पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के समय से इस पद पर बने हुए हैं और नायब सैनी के मुख्यमंत्री बनने के बाद भी उन्होंने अपना स्थान बरकरार रखा है।

एचसीएस अधिकारी विवेक कालिया को जनसंवाद और सीएम विंडो जैसे जनसंपर्क और शिकायत निवारण से जुड़े अहम दायित्व सौंपे गए हैं। इसके अलावा, आईएएस अधिकारी अरुण कुमार गुप्ता को 11 विभाग मिले हैं, जिनमें सिविल एविएशन, जेल, ट्रांसपोर्ट, पर्यावरण और मुख्यमंत्री घोषणाओं की क्रियान्वयन इकाई शामिल है। आईएएस साकेत कुमार को नौ विभागों की जिम्मेदारी दी गई है, जिनमें कृषि, पशुपालन, महिला एवं बाल विकास जैसे विभाग शामिल हैं। आईएएस यशपाल को आठ विभाग सौंपे गए हैं, जिनमें स्कूल शिक्षा, खेल और पर्यटन शामिल हैं। सुधांशु गौतम को छह विभाग मिले हैं, जबकि राकेश संधु को सीएम विंडो और शिकायत निवारण जैसे जिम्मेदारी वाले कार्य दिए गए हैं।

56 करोड़ के परियोजनाओं को मंजूरी
स्वास्थ्य और बिजली क्षेत्र में होगा सुधार

चंडीगढ़, 03 जून (एजेंसियां)।

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज की अगुवाई में अंबाला छावनी में विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। इसी कड़ी में, मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई हाई पावर परचेज कमेटी की बैठक में अंबाला छावनी के विकास के लिए लगभग 56 करोड़ की राशि को मंजूरी प्रदान की गई है। इस राशि का उपयोग बिजली के क्षेत्र में ढांचागत सुदृढ़ीकरण और स्वास्थ्य सेवाओं के बुनियादी ढांचे के निर्माण कार्यों के लिए किया जाएगा। अनिल विज ने बताया कि अंबाला छावनी में 100 बिस्तरों के एक आधुनिक अस्पताल का निर्माण किया जा रहा है। इस कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए क्ष्झझउ बैठक में 17 करोड़ की राशि को मंजूरी मिली है। इस अस्पताल का उद्देश्य अंबाला छावनी के निवासियों को अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

यह अस्पताल कुल 7 मंजिलों का होगा, जिसमें एक ग्राउंड फ्लोर, दो बेसमेंट और चार मंजिलें ऊपर होंगी। इसमें एक क्रिटिकल केयर यूनिट (उउण) और एक आपातकालीन वार्ड होगा, जहाँ मरीजों को तत्काल उपचार मिलेगा। अपर बेसमेंट में एमपीजीएस प्लांट रूम होगा। ग्राउंड फ्लोर पर केयर लैब, एक्सरे रूम, केंद्रीकृत नर्सिंग क्षेत्र और नर्सिंग स्टेशन जैसी सुविधाएं होंगी।

अस्पताल के प्रथम तल पर बड़े वार्ड में नर्सिंग स्टेशन केंद्र, डॉक्टर कक्ष, नर्स कक्ष, प्रक्रिया कक्ष और एएचयू के साथ वार्ड होंगे। द्वितीय तल पर आइसोलेशन कक्ष

(नेगेटिव दबाव वाले), एक छोटा नर्सिंग स्टेशन, सुपरस्पेशलिटी वार्ड और बर्न वार्ड (सकारात्मक दबाव वाले कमरे के साथ) की सुविधा होगी। तीसरे तल पर आईसीयू/एचडीयू, डायलिसिस की व्यवस्था (दो बेड पर आरओ पॉइंट के साथ), उपकरण भंडार, उपचार कक्ष, नर्स ड्यूटी रूम, प्रतीक्षा क्षेत्र और काउंसलिंग के लिए केबिन जैसी सुविधाएं होंगी। चौथे तल पर सुपरस्पेशलिटी ओटी कॉम्प्लेक्स और स्टाफ के लिए चेंजिंग रूम की व्यवस्था होगी।

ऊर्जा मंत्री ने यह भी बताया कि अंबाला छावनी को सुचारू रूप से 24 घंटे उच्च गुणवत्ता वाली बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए क्ष्झझउ में 38.78 करोड़ की मंजूरी दी गई है। इस राशि से संशोधित वितरण क्षेत्र योजना के अंतर्गत अंबाला कैंट में बिजली के बुनियादी ढांचे का सुदृढ़ीकरण किया जाएगा।

जयपुर कोर्ट ने शकूर खान को 7 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा
आईएसआई के लिए जासूसी का आरोप

जयपुर, 03 जून (एजेंसियां)।

पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किए गए शकूर खान को जयपुर कोर्ट ने 7 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। शकूर को जासूसी के आरोप में पुलिस ने कुछ दिन पहले ही हिरासत में लिया था।

दरअसल, शकूर खान को मंगलवार को जयपुर कोर्ट में पेश किया गया, जहां कोर्ट ने उसे 7 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया। पूछताछ में पता चला कि वह दानिश के साथ नियमित संपर्क में था और पाकिस्तान में कई नंबरों पर व्हाट्सएप कॉल के जरिए आईएसआई के लोगों से बात कर रहा था। बता दें कि खुफिया विभाग ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में शकूर खान को बीते 28 मई को हिरासत में लिया था। वह जैसलमेर जिला रोजगार कार्यालय में क्लर्क के तौर पर काम कर रहा था।ङ्गएक अधिकारी ने बताया कि जिला रोजगार कार्यालय में काम करने वाले शकूर खान के डिवाइस में पाकिस्तान से जुड़े फोन नंबर स्टोर पाए गए। शकूर खान के बारे में ऐसी सूचनाएं थीं कि वह पाकिस्तान के लिए जासूसी कर सकता है। सूचनाओं के आधार पर उस पर निगरानी रखी जा रही थी और फिर उसे हिरासत में लिया गया।

शकूर खान से जैसलमेर में पूछताछ की गई, जिसके बाद खुफिया विभाग की टीम खान को लेकर जयपुर रवाना हो गई थी। सूत्रों के अनुसार, 'जासूस' शकूर खान राजस्थान की पिछली कांग्रेस सरकार में पूर्व मंत्री सालेह मोहम्मद के निजी सहायक के तौर पर काम कर रहा था।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने किया ऋण आवेदन पोर्टल का शुभारम्भ

जयपुर, 03 जून (एजेंसियां)।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने मंगलवार को राजस्थान अनुसूचित जाति जनजाति वित्त एवं विकास सहकारी निगम लि. के ऋण आवेदन पोर्टल का शुभारम्भ किया। गहलोत ने सचिवालय स्थित अपने कक्ष में पोर्टल शुभारंभ के मौके पर कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की दूरदर्शी और प्रगतिशील सोच के परिणामस्वरूप अनुजा निगम के ऋण पोर्टल में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सफाई कर्मचारी, दिव्यांगजन एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के आवेदक स्वरोजगार के ऋण के लिए अब ऑनलाईन आवेदन कर सकेंगे।

गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा वंचित वर्ग के व्यक्तियों के स्वरोजगार के लिए इन निगमों को पहली बार राज्य सरकार की तरफ़ से ऋण उपलब्ध करवाया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार वंचित तबके के उत्थान और कल्याण के लिए पूरी तरह संकल्पबद्ध है।सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने कहा कि इन वर्गों के आवेदक 31 अगस्त, 2025 तक ऋण के लिए ऑनलाईन आवेदन कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पारदर्शी और सुशासन की मंशा के चलते विभाग ने यह नवाचार किया है।

मुख्य सचिव ने की राइजिंग राजस्थान 2024 के दौरान एमओयू क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक

जयपुर, 03 जून (एजेंसियां)।

प्रदेश के मुख्य सचिव सुधांश पंत ने 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के दौरान हस्ताक्षरित एमओयू के क्रियान्वयन की प्रगति की द्वि-साप्ताहिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में उन्होंने तीव्र भूमि आवंटन की प्रक्रिया को एमओयू क्रियान्वयन में तेजी लाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया और जिला कलेक्टरों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने जिलों में भूमि बैंकों के निर्माण प्रक्रिया को तेज करें। पंत ने पर्यटन विभाग को निर्देश दिया कि वह उदयपुर, जैसलमेर, पुष्कर (अजमेर) आदि प्रमुख जिलों में सरकारी भूमि की नीलामी एवं आवंटन के लिए उपयुक्त प्रावधान तैयार करे। उन्होंने कहा कि भूमि की उपलब्धता के साथ-साथ विभागों को एमओयू के शीघ्र क्रियान्वयन को प्रोत्साहित

करने तथा विभिन्न क्षेत्रों में नियामक ढांचे को सरल बनाने की दिशा में भी कार्य करना चाहिए। एमओयू क्रियान्वयन पर द्वि-साप्ताहिक समीक्षा बैठक के अतिरिक्त, पंत ने भारत सरकार द्वारा निर्देशित अनुपालन में कमी और विनियमन शिथिलीकरण अभ्यास की प्रगति की समीक्षा बैठक की भी अध्यक्षता की। विभागीय सचिवों ने पंत को केंद्रीय मंत्रिमंडल सचिवालय द्वारा निर्धारित प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु उठाए गए प्रमुख कदमों से अवगत कराया।

मुख्य सचिव ने राजस्थान कारखाना एवं बॉयलर विभाग, श्रम विभाग, रीको, बीआईपी, राजस्व विभाग, शहरी विकास एवं आवास विभाग (यूडीएच), राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (आरएसपीसीबी) सहित विभिन्न विभागों द्वारा उठाए गए कदमों की समीक्षा की। जिन प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर कार्य किया जा रहा है, उनमें उद्योगों के लिए जीआईएस-आधारित भूमि बैंक का विकास, भवन विनियमों में संशोधन, सिंगल विंडो अप्रूवल प्रणाली, लघु अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करना, कुछ वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को डी-लाइसेंस करना, महिलाओं को रात्रि शिफ्ट में और कुछ खतरनाक उद्योगों में कार्य की अनुमति देना आदि शामिल हैं।

मुख्य सचिव ने यह भी निर्देश दिया कि राज्य सरकार के विशिष्ट व्यापारिक सुधारों को भारत सरकार के ऑनलाइन पोर्टल पर 'बेस्ट प्रैक्टिस' के रूप में अपलोड किया जाए और अन्य राज्यों द्वारा अपनाए गए सुधारों से भी सीख ली जाए।यह उल्लेखनीय है कि 9 से 11 दिसंबर 2024 को आयोजित निवेश सम्मेलन के दौरान सरकार ने 35 लाख करोड़ के रिकॉर्ड निवेश प्रस्तावों पर हस्ताक्षर किए थे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने वज़न पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा खाने से बचें। आज आपसे कोई पैसे उधार मांग सकता है पिता का तल्ख़ बर्ताव आपको नाराज़ कर सकता है। लेकिन हालात को नियंत्रण में रखने के लिए शांत रहें। इससे आपको फ़ायदा होगा। आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा नहीं रहेगा क्योंकि कई मामलों में आपसी असहमति रह सकती है; और इससे आपके रिश्ते कमजोर होंगे। आपकी बातें आज आपके करीबियों को समझ नहीं आएंगी जिसकी वजह से आप परेशानी महसूस करेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकान और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन-शैली में बदलाव लाने का सही समय है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। अगर आज आप ख़रीदारी के लिए निकलेंगे अपने जीवनसाथी के साथ सहीं भाषा में बात करना चाहिए । छोटे भाई के साथ आप के रिश्तों में प्रगाढ़ता आएगी। भगवती को गुलाब का फूल अर्पित करें जिससे दिन भर की दिक़्क़तें और मुश्किल से मुश्किल हालात भी आसानी से सुलझते हुई दिखाई देंगें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपकी शाम कई जज़्बातों से घिरी रहेगी और इसलिए तनाव भी दे सकती है। लेकिन ज़्यादा चिंता करने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि आपकी ख़ुशी आपकी निराशाओं के मुक़ाबले आपको ज़्यादा आनंद देगी। निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। आज का दिन ख़ुशियों से भरा रहेगा, किसी कन्या को मिठाई खिलाए आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। आप के घर में आज शाम के वक्त स्वादिष्ट भोजन बन सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

शारीरिक बीमारी के सही होनी की काफ़ी संभावनाएँ हैं और इसके चलते आप शीघ्र ही खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख़्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। आप बच्चों के साथ में कहीं घूमने-फिरने जा सकते हैं जिससे जीवन में नयी ऊर्जा का संचार होगा आप के व्यक्तित्व मे ऐसा बदलाव देखकर परिवार मे आप का प्रभाव और भी बढ जाएगा ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

लाभ लेने के लिए बड़ों को अपनी अतिरिक्त ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग करना चाहिए। जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। किसी भी चीज़ को अंतिम रूप देने से पहले अपने परिवार की राय लीजिए। महज़ आपका अपना फ़ैसला कुछ दिक़्क़त खड़ी कर सकता है। बेहतर परिणाम पाने के लिए परिवार में तालमेल पैदा करें। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर पर अपना खाली समय बिता सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है. परिवार और बच्चों के साथ बिताया समय आपको फिर ऊर्जा से लबरेज़ कर देगा। आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है। खाली समय में आज आप कोई खेल-खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं। काम की अधिकता आज आपको मानसिक रुप से परेशान कर सकती है। हालांकि शाम के वक्त थोड़ी देर ध्यान करके आप अपनी ऊर्जा वापस पा सकते हैं।

तुला – र,री,रु,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका सबसे बड़ा सपना हक़ीक़त में बदल सकता है। लेकिन अपने उत्साह को क़ाबू में रखें, क्योंकि ज़्यादा ख़ुशी भी परेशानी का सबब बन सकती है। जो लोग शेयर बाजार में पैसा लगाते हैं आज उनका पैसा डूब सकता है। वक्त रहते सचेत हो जाएं तो आपके लिए बेहतर रहेगा। बच्चे की तबियत परेशानी का कारण बन सकती है। जीवनसाथी के ख़राब व्यवहार का नकारात्मक असर आपके ऊपर पड़ सकता है। किसी दोस्त की सहायता करके आज आप अच्छा महसूस कर सकते हैं। मंदिर मे नारियल का भोग अर्पित करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए अपना समय बर्बाद करने से बचे । बाहरी लोगों का हस्तक्षेप आपके वैवाहिक जीवन में परेशानी उत्पन्न कर सकता है। कहीं से उधार वापस मिल सकता है जिससे आपकी कुछ आर्थिक समस्याएं दूर हो जाएंगी। बंदरों को केला और चना डालें रुका हुआ पैसा आने लगेगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने काम के लिए दूसरों पर दबाव न डालें। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा-खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। किसी दूर के रिश्तेदार से अचानक मिली ख़बर आपका दिन बना सकती है। आपने बीते दिनों कार्यक्षेत्र में कई काम अधूरे छोड़े हैं जिसका भुगतान आज आपको करना पड़ सकता है। आज आपका खाली वक्त भी ऑफिस के काम को पूरा करने में ही लगेगा। आज आपका आत्मविश्वास कमजोर रह सकता है। इसका कारण आपकी खराब दिनचर्या है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

कई लोग आज आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। एक लम्बा दौर जो काफ़ी समय से आपको दबोचे हुए था, ख़त्म हो चुका है । लेकिन आज जब आपके वैवाहिक जीवन से जुड़ी कई प्यारी चीज़ें आपके सामने आएंगी, तो आप भावुक हुए बिना नहीं रह सकेंगे। आज अचानक तबीयत खराब हो सकती है जिससे आप सारे दिन भर परेशान रह सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

सेहत अच्छी रहेगी। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। आज ही लंबे वक़्त से चले आ रहे झगड़ों को सुलझा लें, क्योंकि हो सकता है कि कल बहुत देर हो जाए। दिन अच्छा है दूसरों के साथ-साथ आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाएंगे। जीवनसाथी की ख़राब सेहत के चलते आप चिंताग्रस्त हो सकते हैं। आपकी तंदरुस्ती आज आपके घर वालों को खुशी देगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

ख़ुद को शारीरिक व्यायाम का मज़ा लेने दें आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। कुछ लोगों के लिए- परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा। अगर आप जल्दबाज़ी में निष्कर्ष निकालेंगे और ग़ैर-ज़रूरी काम करेंगे, तो आज का दिन काफ़ी निराशाजनक हो सकता है। ख़ुद तनावग्रस्त होने की झल्लाहट आप बेवजह अपने जीवनसाथी पर निकाल सकते हैं। आपके बच्चे शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा कर सकते हैं यदि आप उनका सहयोग करें तो।

आज का पंचांग

दिनांक : 04 जून 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी रात्रि 11:56 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी रात्रि 03:36 तक
योग : वज्र प्रातः 08:27 तक
करण : बालव प्रातः 10:53 तक
चन्द्र राशि : सिंह प्रातः 07:35 तक
सूर्योदय : 05:40 , सूर्यास्त 06:48 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:43 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:43 , सूर्यास्त 06:37 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:33 , सूर्यास्त 06:37 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : दुर्गा नवमी, महेश नवमी

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

यूपी-स्वान 3.0 के जरिए ई-गवर्नेंस के नए-युग में होगी यूपी की इंट्री

लखनऊ, 03 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार प्रदेश में ई-गवर्नेंस प्रक्रिया के आधुनिकीकरण व सुदृढ़ीकरण पर फोकस कर रही है। सीएम योगी का विजन है कि प्रदेश में ई-गवर्नेंस प्रक्रिया में शामिल विभिन्न प्रणालियों को न केवल धरातल पर उतारा जाए, बल्कि आधुनिकता का समावेश करते हुए उसे भविष्य की जरूरतों अनुरूप अपग्रेड किया जाए। इससे न केवल सरकारी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बढ़ेगी बल्कि गुड गवर्नेंस का मार्ग भी प्रशस्त होता है। इसी कड़ी में एक बड़े प्रयास के तौर पर जल्द ही प्रदेश में उत्तर प्रदेश स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क (यूपी-स्वान 3.0) को लागू करने की प्रक्रिया शरू की जाएगी। उल्लेखनीय है कि यूपी-स्वान 3.0 प्रदेश में पहले से लागू यूपी-स्वान 2.0 का आधुनिक वर्जन है जो कि राज्य में ई-गवर्नेंस के लिए आधारभूत संचार अवसंरचना के रूप में कार्य करता है।

राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना (एनईजीपी) के तहत शुरू किया गया यूपी-स्वान पूरे राज्य में शासकीय स्तर पर सरकारी कार्यालयों को संचार से जोड़ने में सहायक रहा है। वहीं, यूपी-स्वान 3.0 के जरिए बेहतर सुरक्षा प्रणाली समेत कई खूबियों से लैस करने की तैयारी है जिससे कनेक्टिविटी, मॉनिटरिंग व पारदर्शिता बढ़ाने में मदद मिलेगी। इसे लागू करने के लिए आईटी व इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस क्रम में, उत्तर प्रदेश डेवलपमेंट सिस्टम्स कारप-ोरेशन लिमिटेड (यूपीडेस्को) को नोडल एजेंसी नियुक्त करते हुए प्रदेश भर में इंप्लीमेंटेशन का जिम्मा सौंपा गया है।

प्रदेश में यूपी-स्वान 3.0 के जरिए शासकीय स्तरों पर सरकारी कार्यालयों को उन्नत इंटरफेस, बेहतर सिक्योरिटी व उत्तम कनेक्टिविटी से जोड़ने की तैयारी है। इस कड़ी में, यूपीडेस्को द्वारा एक कार्ययोजना तैयार की गई है। इसके अनुसार, पूरे राज्य में यूपी-स्वान 2.0 से जुड़ने से वंचित रह गए कार्यालयों को जोड़ने की तैयारी है। प्रदेश में स्टेट हेड क्वार्टर, कमिश्नर ऑफिस व जिला मुख्यालय पहले ही जोड़े जा चुके हैं। जबकि, प्रदेश के 351 तहसील मुख्यालयों में से 235 तथा 828 ब्लॉक मुख्यालयों में से 574 को जोड़ने में सफलता मिली है। ऐसे में, यूपी-स्वान 3.0 के जरिए 116 तहसील मुख्यालयों, 254 ब्लॉक मुख्यालयों तथा 75 विकास भवनों को जोड़ने की तैयारी है।

यूपी-स्वान 3.0 का उद्देश्य शासन में आईटी सॉल्यूशंस के व्यापक उपयोग को बढ़ावा देकर विभागों में डिजिटल विभाजन को कम करना है। यह इंडस्ट्री स्टैंडर्ड्स को लागू करने के साथ ही उन्नत तकनीकों को प्रभावी बनाकर एक स्केलेबल, कॉन्फ़िगर करने योग्य व भविष्य की जरूरतों के अनुसार बुनियादी ढांचा प्रदान करेगा। यह स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क तकनीक को एकीकृत करेगा ताकि मल्टीप्रोटोकॉल स्विचिंग और इंटरनेट लीज्ड लाइन्स में डायनामिक ट्रैफिक रूटिंग सुनिश्चित की जा सकेगी। इससे वर्तमान और भविष्य की दोनों मांगों को पूरा करने का फ्रेमवर्क तैयार होगा। यह सेंट्रलाइज्ड मैनेजमेंट, ऑटोमेशन, रेगुलर मॉनिटरिंग, ईजी टू डिप्लॉय व एंड प्वॉइंट डिटेक्शन एंड रिस्पॉन्स (ईडीआर) से युक्त होगा।

यूपी-स्वान 3.0 का उन्नत नेटवर्क फ्रेमवर्क उत्तर प्रदेश राज्य डेटा सेंटर (यूपीएसडीसी) में होस्ट किए गए महत्वपूर्ण सरकारी अनुप्रयोगों को कनेक्टिविटी प्रदान करेगा, जो ई-ऑफिस और अन्य मिशन-महत्वपूर्ण ई-गवर्नेंस प्रणालियों जैसी आवश्यक सेव-ाओं का समर्थन करेगा। यह सरकारी संचालन और नागरिक सेवाओं दोनों की बदलती जरूरतों के अनुकूल होगा। इसके जरिए इनक्रिप्टेड कम्युनिकेशन, एंड टू एंड डाटा एनक्रिप्शन, नेक्स्ट जेनरेशन फायरवॉल्स (एनजीएफडब्ल्यू), इंट्रूजन डिटेक्शन प्रिवेंशन सिस्टम (आईएस-आईपीएस) तथा एडवांस्ड परसिस्टेंट थ्रेट (एपीटी) प्रोटेक्शन जैसी साइबर रक्षण प्रणालियां लागू हो सकेंगी। यह नई सुविधाओं को जोड़ने, एकीकृत करने, हाइब्रिड कनेक्टिविटी ऑप्शंस को बढ़ावा देने, स्टैंडर्ड प्रोटोकॉल्स का इस्तेमाल करने और नेटवर्क ऑपरेशंस के सरलीकरण को बढ़ावा देकर ईजी एक्सेस को प्रमोट करेगा।

पर्यावरण दिवस 5 जून को

प्लास्टिक खारिज करने का संकल्प लेंगे यूपी के बच्चे

लखनऊ, 03 जून (एजेंसियां)। 5 जून को पर्यावरण दिवस है। उत्तर प्रदेश सरकार ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर बड़ी पहल शुरू की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आह्वान पर स्कूली बच्चों से लेकर युवा तक, सभी एंडिंग प्लास्टिक ग्लोबली का संकल्प लेकर पर्यावरण की रक्षा करेंगे। इसके तहत नुक्कड़ नाटक, भाषण, चित्रकला प्रतियोगिताओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाया जाएगा। पर्यावरण निदेशालय ने इसकी तैयारी भी शुरू कर दी है। पर्यावरण निदेशक की तरफ से इसके लिए समस्त जिलाधिकारियों को पत्र भी भेजा गया है। विभाग की तरफ से रीजनल साइंस सेंटर, अलीगंज लखनऊ में मुख्य आयोजन होगा। विश्व पर्यावरण दिवस इस वर्ष प्ला-स्टिक प्रदूषण को समाप्त करने, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने व प्लास्टिक से बने सामानों का उपयोग न्यूनतम करने के उद्देश्य से मनाया जाएगा। उपनिदेशक श्रुति शुक्ला ने बताया कि पूरे प्रदेश में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। एंडिंग प्लास्टिक ग्लोबली थीम पर नुक्कड़ नाटक, भाषण व चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन होगा। कार्यक्रमों में स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ इस क्षेत्र में कार्य करने वाले विशेषज्ञ भी प्रतिभाग करेंगे। इस मुहिम का यंग फेस स्कूली बच्चों को बनाया जाएगा। उनके लिए प्रकृति को लेकर विभिन्न विषयों पर नुक्कड़ नाटक होंगे। नुक्कड़ नाटकों में दिखाया जाएगा कि प्लास्टिक का कचरा कैसे नदियों को मार रहा है और पर्यावरण पर प्रतिकूल असर दिखा रहा है। भाषण प्रतियोगिता में बच्चे बताएंगे कि प्लास्टिक का उपयोग कैसे न्यूनतम किया जाए। चित्रकला प्रतियोगिता में पर्यावरण से संबंधित अपने मनोभाव को पेंटिंग के जरिए उकरेंगे। पर्यावरण निदेशक सुशांत शर्मा ने कहा, प्रदेश सरकार के निर्देशन में युवाओं, बच्चों व जन-जन को सिंगल यूज प्लास्टिक के खतरों को बताने के साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाएगा। एंडिंग प्लास्टिक ग्लोबली थीम पर स्कूलों बच्चों के मध्य जागरूकता कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक, भाषण, चित्रकला आदि प्रतियोगिता भी होगी। साथ ही पौधे लगाने और उन्हें संरक्षित के लिए भी बच्चों का आह्वान किया जाएगा।

यूपी में निवेश क्रांति के नायक बन रहे उद्यमी मित्र

हैवल्स, शारदा ग्रुप, जेके सीमेंट, अमूल के निवेश से बदली तस्वीर

लखनऊ, 03 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में उत्तर प्रदेश ने जिस रफ्तार से औद्योगिक विकास की दिशा में कदम बढ़ाए हैं, उसमें उद्यमी मित्र एक महत्वपूर्ण कड़ी बनकर उभरे हैं। इन प्रशिक्षित उद्यमी मित्रों ने न केवल प्रदेश में निवेश को गति दी है, बल्कि निवेशकों की समस्याओं का समाधान कर उन्हें विश्वास और सुविधा का माहौल भी दिया है।

उल्लेखनीय है कि योगी सरकार के एक जिला, एक उत्पाद से लेकर ग्लोबल इन्-वेस्टर्स समिट जैसी पहल तभी जमीन पर सफल हो पाई जब उद्यमी मित्रों ने अपनी भूमिका को पूरी निष्ठा, संकल्प और कार्यकुशलता से निभाया। आज यूपी में हो रहे रिकॉर्ड निवेश इसी भरोसे का परिणाम है, जहां सरकार और निवेशक के बीच सेतु का कार्य उद्यमी मित्र बखूबी निभा रहे हैं।

हैवल्स इंडिया लिमिटेड ने नोएडा में 879 करोड़ रुपए के आरएंडडी सेंटर के लिए निवेश किया, जो अब 2026 तक क्रियाशील होगा। यह तभी संभव हो पाया जब उद्यमी मित्रों ने समयबद्ध ढंग से प्रक्रियागत अड़चनों को दूर किया। इसी तरह, शारदा ग्रुप द्वारा आगरा में 600 करोड़ की लागत से विकसित हो रही हेल्थ सिटी परियोजना को भी नियामक स्वीकृतियों के माध्यम से सुचारू रूप से आगे बढ़ाया गया। प्रयागराज में जेके सीमेंट की 400 करोड़ की सीमेंट परियोजना भूमि म्यूटेशन और सड़क मार्ग से जुड़ी बाधाओं से जूझ रही थी, लेकिन उद्यमी मित्रों के त्वरित हस्तक्षेप से यह चुनौती भी पार हो गई। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड की फतेहपुर परियोजना में 11 केवी की लाइन देरी का कारण बनी थी, जिसे उद्यमी मित्रों ने तत्परता से हल कर परियोजना को शुरू कराया। वहीं, बाराबंकी में डॉ. रमेश चंद्रा की 50 करोड़ की विनमैक्स एग्रो इंडस्ट्रीज और वाराणसी में अमूल के बोर्डिंग हाउस प्रोजेक्ट को भी उद्यमी मित्रों ने स्पष्टता और त्वरित अनुमोदनों के साथ आगे बढ़ाया।

इन्वेस्ट यूपी के तहत उद्यमी मित्रों ने जीबीसी-4 की परियोजनाओं का डेटा सटीक रूप से अपडेट किया है। इसके अतिरिक्त जीबीसी 5 के लिए एमओयू को टैग करने और व्यवस्थित करने का कार्य भी तेज़ी से जारी है। वहीं, निवेशकों की समस्याएं प्राथमिकता के आधार पर सुनी, सुलझाई और आवश्यकता अनुसार उच्च अधिकारियों तक पहुंचाई जा रही हैं। उद्योग बंधु की बैठकें नियमित रूप से आयोजित कर निवेशकों से संवाद कायम किया जा रहा है। इसके साथ ही टीम ने इंडस्ट्री पायलट सर्वे, ईवी स्टेशन सर्वे और लैंड साइट विजिट्स जैसे कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरे किए हैं। प्रदेश सरकार ने उद्यमी मित्र योजना की शुरुआत ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से पूर्व की थी, ताकि निवेशकों को सरकारी प्रक्रियाओं, अनुमतियों और समस्याओं के समाधान में एक समर्पित प्रतिनिधि मिल सके। ये मित्र विशेष रूप से प्रशिक्षित होते हैं और उन्हें विभिन्न जिलों व विभागों में नियुक्त किया गया है, ताकि वे निवेश संबंधी अड़चनों को दूर कर निवेशकों का मार्गदर्शन कर सकें। उद्यमी मित्र योजना ने उत्तर प्रदेश को निवेश के लिए एक भरोसेमंद और सक्षम राज्य के रूप में स्थापित करने में केंद्रीय भूमिका निभाई है।

यह पहल न केवल निवेशकों की सुविधा सुनिश्चित करती है, बल्कि प्रदेश सरकार के न्यू यूपी के विजन को धरातल पर उतारने का सशक्त माध्यम भी बन रही है।

वन्यजीवों को रोकने के लिए लग रही चेनलिंक और सोलर फेंसिंग

लखनऊ, 03 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में वन एवं वन्यजीव विभाग ने मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए व्यापक और प्रभावी कदम उठाए हैं।

इन प्रयासों में विशेष रूप से वर्ष 2023-24 से लेकर 2024-25 में लगभग 231 किलोमीटर चेन लिंक फेंसिंग और लगभग 41 किलोमीटर सोलर फेंसिंग के कार्य किए गए हैं।

जिससे न केवल वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है, साथ ही वन क्षेत्रों के आसपास रहने वाले ग्रामीणों और उनके पालतू जानवरों को भी सुरक्षा प्रदान की जा रही है। साथ ही विभाग द्वारा प्रशिक्षित किए गए बाघ मित्र, मानव वन्य जीव संघर्ष कम करने में उल्लेखनीय भूमिका निभा रहे हैं। साथ ही ट्रैकिंग डिवाइस, ड्रोन कैमरे, जीप-ीएस जैसी आधुनिक तकनीकी का प्रयोग कर वन क्षेत्रों की निगरानी और पेट्रोलिंग का कार्य भी मानव एवं वन्य जीव संघर्ष को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रहा है।

वन एवं वन्य जीव विभाग ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप वन्य जीव संरक्षण के साथ वन क्षेत्रों के समीप रहने वाले ग्रामीणों के जीवन और आजीविका को सुरक्षित करने के उद्देश्य से कई नवाचार अपनाये हैं। जिसमें से सबसे प्रभावी कदम प्रदेश के वन क्षेत्रों के चारों ओर बड़े पैमाने पर चेनलिंक फेंसिंग का निर्माण है।

इस क्रम में वर्ष 2023-24 में लगभग 125 किलोमीटर चेनलिंक फेंसिंग और 21 किलोमीटर सोलर फेंसिंग का निर्माण किया गया, जबकि 2024-25 में 106 किलोमीटर चेनलिंक फेंसिंग और 20 किलोमीटर सोलर फेंसिंग स्थापित की गई। ये फेंसिंग वन्यजीवों को ग्रामीण क्षेत्रों में प्रवेश करने से रोकने में कारगर सिद्ध हो रही हैं, जिससे फसलों और मानव जीवन को होने वाले नुकसान में कमी आई है। साथ ही इस फेंसिंग से ग्रामीण पालतू पशुओं के वन क्षेत्रों में प्रवेश और उनको शिकार से बचाने के लिए होने वाले मानव वन्यजीव संघर्ष में भी उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है।

मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए वन एवं वन्य जीव विभाग का प्रभावी कदम बाघ मित्र का चयन और प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाना साबित हुआ है।

ये बाघ मित्र स्थानीय ग्रामीणों को जागरूक करने और वन्यजीवों के साथ सुरक्षित सह-अस्तित्व को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इनके माध्यम से ग्रामवासियों के साथ नियमित बैठकें और संवाद आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें वन्यजीवों से बचाव के उपाय, उनकी गतिविधियों की जानकारी और आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई जैसे विषय शामिल हैं।

बाघ मित्रों का चयन विशेष रूप से टाइगर रिजर्व के निकटवर्ती ग्रामों के लिये किया गया है, इसके साथ ही इटावा के लायन सफारी के लिए भी बाघ मित्रों का चयन किया गया है। यह पहल न केवल जागरूकता बढ़ाने का काम रही है, साथ ही स्थानीय समुदायों और वन एवं वन्य जीव विभाग के बीच विश्वास बढ़ाने का कार्य भी कर रही है।

प्रदेश के वन प्रभागों में मानव-वन्यजीव संघर्ष रोकथाम के लिए राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि से प्राप्त धनराशि का उपयोग विभिन्न उपकरणों की खरीद में किया गया है। इन उपकरणों में निगरानी उपकरण, ट्रैकिंग डिवाइस और अन्य तकनीकी संसाधन शामिल हैं, जो वन्यजीवों की गतिविधियों पर नजर रखने में सहायक हैं।

इसके अतिरिक्त, वन क्षेत्रों और सीमावर्ती इलाकों में सघन गश्त की जा रही है, ताकि वन्य जीवों के मानव बस्तियों में प्रवेश को रोका जा सके। वन क्षेत्र के बाहर विचरण करने वाले वन्यजीवों की नियमित ट्रैकिंग के लिए आधुनिक तकनीकों ड्रोन, जीपीएस ट्रैकिंग और कैमरा ट्रैप का उपयोग किया जा रहा है।

इस ट्रैकिंग के माध्यम से न केवल वन्यजीवों की गतिविधियों पर नजर रखी जाती है, बल्कि आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई में भी की जाती है। वन एवं वन्य जीव विभाग के इन कदमों से न केवल जैव-विविधता संरक्षित हो रही है, बल्कि ग्रामीण समुदायों को सुरक्षा और आजीविका भी मिल रही है।

गांव-गांव बनेंगे समृद्ध, क्लस्टर मॉडल से बदलेगी किसानों की तकदीर

लखनऊ, 03 जून (एजेंसियां)। योगी सरकार किसानों की आय बढ़ाने और उनके जीवन को समृद्ध बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाने जा रही है। अब प्रदेश में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग को व्यापक स्तर पर लागू किया जाएगा। इसके तहत एक ग्राम पंचायत एक क्लस्टर अभियान चलाया जाएगा, जिससे किसानों की आमदनी ही नहीं, बल्कि उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति में भी बड़ा परिवर्तन आएगा।

हर क्लस्टर 50 हेक्टेयर भूमि में फैला होगा, जिसमें कम से कम 125 किसानों को शामिल किया जाएगा। पहले साल 7.16 लाख रुपए और दूसरे साल 6.83 लाख रुपए का अनुदान दिया जाएगा, जो प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने में मददगार होगा। किसान फार्मर्स प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन (एफपीओ) से भी जुड़ेंगे, जिससे उन्हें फार्म मशीनरी बैंक, कस्टम हायरिंग सेंटर, वेयरहाउस, कोल्ड स्टोरेज और मार्केटिंग की अत्याधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। प्रदेश सरकार की योजना है कि वर्ष 2025-26 तक बड़ी संख्या में क्लस्टर विकसित कर लाखों किसानों को

इससे जोड़ दिया जाए। जिससे न केवल खेती की लागत घटेगी, बल्कि उत्पादकता और आय दोनों में वृद्धि होगी।

प्राकृतिक खेती से जुड़कर किसान न केवल जैविक उत्पाद उगाएंगे, बल्कि उन्हें बाजार में अच्छे दाम भी मिलेंगे। इससे ग्राम पंचायतें आर्थिक रूप से सक्षम होंगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार का यह अभियान किसानों के लिए वरदान साबित होगा। क्लस्टर आधारित नेचुरल फार्मिंग मॉडल से जहां खेती लाभकारी बनेगी, वहीं ग्राम पंचायतें कृषि नवाचार का केंद्र बनेंगी। यह योजना न केवल खेतों की सेहत सुधारेगी, बल्कि किसानों के चेहरों पर भी मुस्कान लाएगी।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को भव्य बनाने की तैयारी

चाह हजार स्थानों पर होगा योगाभ्यास कार्यक्रम

लखनऊ, 03 जून (एजेंसियां)। योगी सरकार योग के माध्यम से जनमानस में स्वास्थ्य और सशक्त जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय कदम उठा रही है। इसी के तहत प्रदेश भर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 15 जून से 21 जून तक योग सप्ताह मनाया जाएगा। इस दौरान जनपद, तहसील, ब्लॉक और ग्राम पंचायत स्तर पर सामूहिक योग कार्यक्रम, सेमिनार, कार्यशाला, संगोष्ठी, भाषण प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, निबंध लेखन एवं स्लोगन प्रतियोगिता सहित कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

प्रमुख सचिव आयुष रंजन कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर योग के प्रचार-प्रसार के लिए 5000 प्रशिक्षित योग ट्रेनर तैयार किए गए हैं, जो प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में योगाभ्यास करवाएंगे। योग प्रशिक्षकों और आयुष महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों, प्रबंधकों द्वारा विभिन्न समितियों का गठन कर योग सप्ताह की व्यापक तैयारी की गई है। इन समितियों के माध्यम से चिकित्सा शिक्षा महाविद्यालय, व्यवसायिक शिक्षा महाविद्यालय एवं अन्य महाविद्यालयों में विद्यार्थियों के बीच योग से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य आयोजन में देश के 1,00,000 स्थानों पर सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन होगा, जिसमें प्रदेश के 4,075 स्थानों पर कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुसार 21 जून को सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम होंगे।

इस मौके पर पूरे प्रदेश में एक साथ वृहद स्तर पर योगाभ्यास प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही यह आयोजन देश के प्रत्येक जिले में कवर करते हुए अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के 10 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में विशेष योग संगम कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है।

सीएम योगी की मंशा के अनुरूप प्रदेश में योग को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय निकायों के माध्यम से देश भर में 1,000 योग पार्क स्थापित किए जाएंगे। मंडल मुख्यालय वाले जनपदों में 3 और अन्य जनपदों में 2-2 योग पार्क चिन्हित किए गए हैं, जिन्हें नगर विकास विभाग के समन्वय से विकसित किया जाएगा। इन योग पार्कों में पालिकाओं और पंचायतों का सहयोग लिया जाएगा ताकि क्षेत्र के अधिक से अधिक लोग योगाभ्यास कर सकें। योग के सिद्धांतों को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए एक नई पहल भी शुरू की गई है। इसमें प्राकृतिक स्थानों पर योगाभ्यास के साथ-साथ वृक्षारोपण और सफाई अभियानों को भी जोड़ा जाएगा। इस योजना के तहत अमृत जलाशयों के किनारे योग सत्र आयोजित किए जाएंगे और पौधरोपण का कार्यक्रम भी होगा। प्रदेश की प्रमुख नदियों, झीलों और पार्कों में योग सत्र के साथ-साथ स्वच्छता कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में आयुष विभाग की बैठक में कहा कि योग सिर्फ एक व्यायाम नहीं, बल्कि यह जीवन का एक तरीका है जो शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि योग के माध्यम से हम अपनी जीवनशैली में सुधार कर सकते हैं, बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ा सकते हैं और समाज में समरसता एवं शांति स्थापित कर सकते हैं। ऐसे में योगी सरकार ने प्रदेश के हर जिले तक योग की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारी की है और इसके लिए प्रशिक्षित योग प्रशिक्षकों की भी व्यवस्था की गई है। योग सप्ताह के अंतिम दिन 21 जून को पुरस्कार वितरण एवं प्रमाणपत्र वितरण समारोह भी आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा 1 जून से आयुष चिकित्सकों एवं योग विशेषज्ञों द्वारा टीवी और दूरदर्शन पर जागरूकता कार्यक्रम भी प्रसारित किए जाएंगे, जिनमें विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के लक्षण और प्रबंधन पर जागरूकता बढ़ाई जाएगी। साथ ही लोगों को व्यक्तिगत एवं सामूहिक योगाभ्यास की फोटो भारत सरकार के पूर्सी पोर्टल पर प्रतिदिन अपलोड करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

पीयूष गोयल ने सिंगापुर के साथ भारतीय शिपिंग क्षेत्र में अवसरों पर चर्चा की

नई दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां)।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गायल ने मंगलवार को सिंगापुर के उप-प्रधानमंत्री गान किम योंग के साथ मुलाकात की। उन्होंने आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने तथा भारतीय शिपिंग क्षेत्र में व्यापक अवसरों पर चर्चा की। इस दौरान द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ाने पर चर्चा की गई। इसके साथ ही उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों, विशेष रूप से शिपिंग क्षेत्र में भारत की ओर से प्रदान किए जाने वाले जबरदस्त अवसरों पर प्रकाश डाला।

इससे पहले गोयल ने तीन दिवसीय फ्रांस की आधिकारिक यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए फ्रांसीसी नेताओं और कारोबारियों से मुलाकात की थी। वाणिज्य मंत्री ने देर रात पेरिस में शीर्ष फ्रांसीसी मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के साथ कई उच्च स्तरीय बैठकें कीं। इसके अलवा गोयल ने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के कार्यकारी निदेशक के डॉ. फतिह बिरोल से भी मुलाकात की। वाणिज्य मंत्री ने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के ईडी फतिह बिरोल, नाइजीरिया के व्यापार मंत्री जुमोके ओडुवोले, फ्रांस के अर्थव्यवस्था और वित्त मंत्री एरिक लोम्बार्ड, ऑटोमोटिव आपूर्तिकर्ता कंपनी वेलियो ग्रुप के सीईओ क्रिस्टोफ पेरिलाट और लोरियल ग्रुप के सीईओ निकोलस हिरोनिमस सहित शीर्ष सीईओ और मंत्रियों के साथ कई बैठकें की हैं और भारत में निवेश के विशाल अवसरों पर प्रकाश डाला है। पेरिस में हुई बैठक में अक्षय ऊर्जा, ऑटोमोबाइल विनिर्माण, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और उपभोक्ता उत्पादों जैसे प्रमुख क्षेत्रों में भारत के विकास के लिए नए अवसरों का पता लगाया गया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के कार्यकारी निदेशक के डॉ. फतिह बिरोल से भी मुलाकात की। उन्होंने बताया कि बिरोल से मिलकर खुशी हुई। इस दौरान समग्र वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य और भारत और आईईए के बीच गहरी होती साझेदारी पर अच्छी चर्चा हुई।

न्यूज ब्रीफ

प्रोस्टार्म इन्फो सिस्टम्स का शेयर 19 प्रतिशत बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। एकीकृत बिजली समाधान कंपनी प्रोस्टार्म इन्फो सिस्टम्स लिमिटेड के शेयर ने मंगलवार को अपने निर्गम मूल्य 105 रुपये से 19 प्रतिशत की बढ़त के साथ बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध हो गया है। बीएसई पर शेयर का मूल्य 19 प्रतिशत चढ़कर 125 रुपये पर आया, जो बाद में 23.80 प्रतिशत की बढ़त के साथ 130 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर भी समान रूप से शेयर ने 14.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 120 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी ने 168 करोड़ रुपये के इस आईपीओ के लिए 95-105 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया था। आईपीओ से हासिल धन का उपयोग कंपनी ने 72.50 करोड़ रुपये के लिए पूंजीगत जरूरतों के लिए, 17.95 करोड़ रुपये के कर्ज भुगतान के लिए और शेष की अमाउंट को अन्य रणनीतिक कार्यों में निवेश करने के लिए किया है।

एईकस ने आईपीओ के लिए जमा किए दस्तावेज

नई दिल्ली। एईकस नामक विनिर्माण कंपनी ने एक गोपनीय मार्ग चुनकर भारतीय बाजार नियामक सेबी के समक्ष अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए प्राथमिक दस्तावेज दाखिल किए हैं। यह विनिर्माण कंपनी करीब 20 करोड़ डॉलर जुटाने का लक्ष्य रख रही है। इस आईपीओ में कंपनी ने काई बिक्री पेशकश (ओएफएस) घटक को शामिल नहीं किया है। एईकस कंपनी ने मंगलवार को एक सार्वजनिक घोषणा में बताया कि उन्होंने सेबी और शेयर बाजारों के सामक्ष गोपनीय मार्ग के जरिये आईपीओ के लिए दस्तावेज दाखिल किए हैं। इस आईपीओ में कंपनी ने पूरी तरह से नए निर्गम पर आधारित है। एईकस कंपनी की इस कदम से उम्मीद है कि वे विशेष उत्पादों और सेवाओं के साथ उद्योग में अपनी जगह बना सकेंगे।

पिछले महीने 12,327 लोगों ने 5 लाख 70 हजार में खरीद डाली 7-सीटर कार

नई दिल्ली। 7-सीटर कारों की मांग लगातर बढ़ रही है लेकिन, महंगी होने के कारण कई लोग नहीं खरीद पाते हैं। इस समस्या का समाधान मारुति सुजुकी ने किया है। यही वजह है कि पिछले माह मई में मारुति सुजुकी की ईको 7 सीटर कार 12 हजार 3 सौ 27 लोगों ने 5 लाख 70 हजार में खरीद डाली। इससे मारुति सुजुकी इंडिया एक बार फिर गाड़ी बेचने के मामले में देश की नंबर-1 कंपनी बनकर सामने आई है। मारुति ने पिछले महीने यानी मई में कुल 180,077 गाड़ियां बेचीं। जबकि मई 2024 में उसने 174,551 गाड़ियां बेची थीं। यानी सालाना आधार पर कंपनी को 3 प्रतिशत की ग्रोथ मिली। कंपनी की सेल्स में वैन सेगमेंट की ईको का अहम रोल रहा। ये देश की सबसे सस्ती 7-सीटर कार भी है। पिछले महीने इसकी 12,327 यूनिट बिकीं। जबकि सालभर पहले ये आंकड़ा 10,960 यूनिट का था। इस यूटिलिटी वैन को 5, 6 और 7 सीटर फॉर्मेट में खरीद सकते हैं। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 5.70 लाख रुपए है। मारुति ईको की सेल्स की बात करें तो ये हर महीने शानदार प्रदर्शन कर रही है। वहीं, मई में पिछले 7 महीने का सबसे शानदार प्रदर्शन किया है। नवंबर 2024 में इसकी 10,589 यूनिट, दिसंबर 2024 में इसकी 11,678 यूनिट, जनवरी 2025 में इसकी 11,250 यूनिट, फरवरी 2025 में इसकी 11,493 यूनिट, मार्च 2025 में इसकी 10,409 यूनिट, अप्रैल 2025 में इसकी 11,438 यूनिट और मई 2025 में इसकी 12,327 यूनिट बिकीं। ईको में 11 सेफ्टी फीचर्स मिलते हैं, जो सेफ्टी से जुड़े सभी मौजूदा और कुछ आने वाले नियमों को पूरा करती है। इनमें रिवर्स पार्किंग सेंसर, इंजन इमोबिलाइजर, दरवाजों के लिए चाइल्ड लॉक, सीट बेल्ट रिमाइंडर, ईबीडी के साथ एबीएस, 6 एयरबैग शामिल हैं। ईको को अब एक नया स्टीयरिंग व्हील और एक डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर मिलता है। दोनों यूनिट कंपनी ने अपनी एस-प्रेसो और सेलेरियो से ली हैं।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशियाई बाजार में खरीदारी का रुख

नई दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजारों में आमतौर पर तेजी का माहौल बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान निचले स्तर से अच्छी खरीदारी हुई, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,935.94 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 128.85 अंक यानी 0.67 प्रतिशत उछल कर 19,242.61 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 126.28 अंक यानी 0.30 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 42,179.20 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 8,774.26 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,737.20 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स 0.28 प्रतिशत फिसल कर 23,930.67 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आमतौर पर खरीदारी का माहौल बना हुआ है। एशिया के नौ बाजारों में से पांच के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। दक्षिण कोरिया और थाईलैंड के स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से कोस्पी इंडेक्स और सेट कंपोजिट इंडेक्स में कोई हलचल नहीं है। एशियाई बाजारों में गिफ्ट निफ्टी फिलहाल 0.21 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,717.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.09 प्रतिशत टूट कर 3,887.04 अंक के स्तर पर आ गया है।

ओर, निक्केई इंडेक्स 104.23 अंक यानी 0.28 प्रतिशत की तेजी के साथ 37,574.90 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.48 प्रतिशत उछलकर 3,363.48 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। हैंग सेंग इंडेक्स ने मजबूत छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 252.73 अंक यानी 1.09 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,410.70 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 161.23 अंक यानी 0.77 प्रतिशत की बढ़त के साथ 21,163.94 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.08 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 7,070.51 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

टोरेंट पावर ने बीपी सिंगापुर से बिक्री समझौते पर किए हस्ताक्षर

अहमदाबाद। टोरेंट पावर लिमिटेड (टीपीएल) ने वैश्विक एकीकृत ऊर्जा कंपनी बीपी की सहायक कंपनी बीपी सिंगापुर पीटीई लिमिटेड से 2027 से 2036 तक 0.41 एमएमटीपीए तक एलएनजी की आपूर्ति के लिए दीर्घकालिक खरीद और बिक्री समझौते (एसपीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। टीपीएल की ओर से बताया गया कि इस समझौते के तहत टीपीएल द्वारा खरीदी गई एलएनजी का देश की बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने के लिए रणनीतिक रूप से उपयोग किया जाएगा। साथ ही पीक डिमांड अवधि में पर्याप्त पावर सप्लाय करने और नवीकरणीय ऊर्जा को संतुलित करने के लिए 2,730 मेगावाट के संयुक्त चक्र गैस-फायर पावर प्लांट (जीबीपीपी) का संचालन भी टीपीएल द्वारा किया जाएगा। यह समझौता टोरेंट ग्रुप की सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) इकाई - टोरेंट गैस लिमिटेड (टीजीएल) को एलपीजी की बढ़ती माँग को पूरा करने में मदद करेगा, जिससे कंपनी की घरेलू, वाणिज्यिक और औद्योगिक ग्राहकों के साथ-साथ सीएनजी वाहनों को गैस की आपूर्ति सुनिश्चित कर पाएगी।

ईवी उत्पादन में विदेशी निवेश को बढ़ावा: सरकार ने घटाया आयात कर

नई दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार ने कहा है कि वह घरेलू ईवी उत्पादन में निवेश करने वाले विदेशी वाहन निर्माताओं के लिए आयात कर में भारी कमी करने जा रही है। योजना के तहत योग्यता और लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदक के पास ऑटोमोटिव विनिर्माण से न्यूनतम 10,000 करोड़ रुपये का वैश्विक समूह राजस्व होना आवश्यक है।

नई नीति के तहत आवेदन दाखिल करते समय वार्षिक वित्तीय विवरणों के आधार पर किसी कंपनी या उसके समूह की कंपनियों का अचल संपत्तियों में वैश्विक निवेश कम से कम 3,000 करोड़ रुपये होना चाहिए। नए संयंत्र, मशीनरी, उपकरण और इंजीनियरिंग अनुसंधान और विकास पर किया गया खर्च इस योजना के अंतर्गत निवेश से संबंधित लाभ लेने के लिए पात्र होगा। जमीन पर किए गए खर्च

10000 करोड़ के वैश्विक राजस्व वाली कंपनियां होंगी पात्र

पर विचार नहीं होगा। हालांकि, मुख्य संयंत्र और उपयोगिताओं की नई इमारतों को निवेश का हिस्सा माना जाएगा, बशर्ते यह प्रतिबद्ध निवेश के 10 फीसदी से अधिक न हो।

योजना के तहत आवेदकों के लिए अनुमोदन पत्र जारी करने की तिथि से तीन वर्षों के भीतर न्यूनतम 25 फीसदी घरेलू मूल्य संवर्धन (डीवीए) प्राप्त करना होगा। पांच वर्षों के भीतर न्यूनतम 50 फीसदी डीवीए प्राप्त करना होगा। चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर पर किया गया खर्च प्रतिबद्ध निवेश का 5 फीसदी तक माना जाएगा। आवेदन आमंत्रित करने वाले नोटिस के जरिये आवेदन पाने की अवधि 120 दिन या अधिक की होगी। भारी उद्योग मंत्रालय को 15 मार्च, 2026 तक आवश्यकतानुसार आवेदन विंडो खोलने का अधिकार होगा। आवेदन पत्र दाखिल करते समय आवेदक को पांच लाख रुपये आवेदन शुल्क देना होगा, जो वापस नहीं होगा।

एलन मस्क के पिता ने इलेक्ट्रिक वाहनों में नए निवेश की सराहना की

एलन मस्क के पिता और घरेलू सर्वोटेक रिन्यूएबल पावर सिस्टम लिमिटेड के वैश्विक सलाहकार एरोल मस्क ने भारत की यात्रा के दौरान भारत को ई-वाहनों के लिए ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की दूरदर्शी योजना की सराहना की। एरोल ने 35,000 डॉलर के न्यूनतम सीआईएफ पर इलेक्ट्रिक चार पहिया वाहनों पर 15 प्रतिशत का कम सीमा शुल्क को अच्छा विचार बताया। उन्होंने कहा कि यह एक बहुत अच्छा विचार है। साथ ही यह ईवी क्षेत्र में काम कर रहे लोगों के लिए कई चीजों को आसान बनाएगा। दक्षिण अफ्रीकी व्यवसायी ने कहा कि हाई-टेक इलेक्ट्रिक व्हीकल को स्टेट-ऑफ-द-आर्ट टेक्नोलॉजी के साथ बनाना कठिन है। उन्होंने ईवी निर्माताओं की मदद के लिए हर संभव अवसर देने की मांग की।नई योजना के तहत, कंपनियों को 4,150 करोड़ रुपए का निवेश करना होगा एरोल भारत की ग्रीन टेक्नोलॉजी और ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट में तेजी लाने पर केंद्रित यात्रा के लिए भारत पहुंचे हैं। नई योजना के तहत, कंपनियों को 4,150 करोड़ रुपए का निवेश करना होगा। इसके बाद उन्हें 15 प्रतिशत के कम आयात शुल्क पर सालाना 8,000 इलेक्ट्रिक चार पहिया वाहन इंपोर्ट करने की अनुमति होगी।

पूर्वोत्तर में पहला क्षेत्रीय परिसर स्थापित करेगा आईआईसीए कॉर्पोरेट प्रशासन और विकास को आगे बढ़ाएगा

नई दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां)।

समावेशी राष्ट्रीय विकास और क्षेत्रीय क्षमता निर्माण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए पूर्वोत्तर में कॉर्पोरेट प्रशासन उत्कृष्टता और सतत विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय कॉर्पोरेट मामले संस्थान (आईआईसीए) ने क्षेत्र में अपना पहला क्षेत्रीय परिसर स्थापित करने की घोषणा की है। कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय ने मंगलवार को जारी बयान में बताया कि कॉर्पोरेट प्रबंधन और विकास को बढ़ावा देते हुए आईआईसीए पूर्वोत्तर में पहला क्षेत्रीय परिसर खोलेगा। आईआईसीए शिलांग परिसर प्रमुख क्षेत्रों में विशेष प्रशिक्षण, अनुसंधान और नीति सलाह के लिए क्षेत्रीय केंद्र के रूप में काम करेगा। इसमें प्रधानमंत्री पूर्वोत्तर विकास पहल (पीएम-डेवआईएनई) के तहत निवेश होगा।

मंत्रालय के मुताबिक प्रधानमंत्री की पूर्वोत्तर विकास पहल (पीएम-डेविने) के तहत 100.95 करोड़ रुपये के निवेश से समर्थित, शिलांग परिसर प्रमुख क्षेत्रों में विशेष प्रशिक्षण, अनुसंधान और नीति सलाह के लिए एक क्षेत्रीय केंद्र के रूप में काम करेगा। आईआईसीए ने अपने पहले क्षेत्रीय परिसर के लिए मेघालय के न्यू शिलांग टाउनशिप में पांच एकड़ भूमि का औपचारिक अधिग्रहण किया है। भूमि हस्तांतरण और अधिग्रहण का कार्य मेघालय सरकार की ओर से योजना विभाग के संयुक्त सचिव के. हिनीवता और भारत सरकार की ओर से उप-सचिव शेखर श्रीवास्तव ने किया।

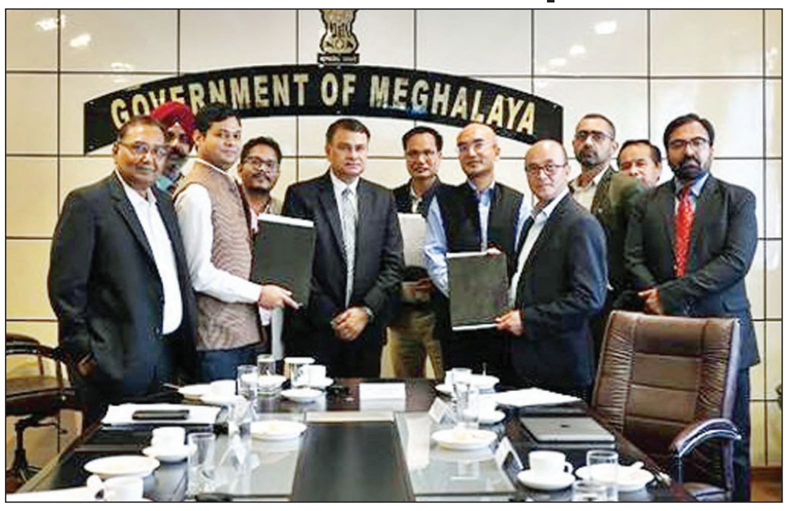

कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय ने बताया कि भूमि हस्तांतरण समारोह की अध्यक्षता मेघालय सरकार के मुख्य सचिव डोनाल्ड फिलिप्स वाहलांग और कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय की सचिव दीप्ति गौर मुखर्जी ने की। इस अवसर पर आईआईसीए के महानिदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ज्ञानेश्वर कुमार सिंह, कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव इंद्रदीप सिंह धारीवाल, योजना विभाग के आयुक्त और सचिव सीवीडी डिएंगदोह, आईआईसीए के (कर्नल) अमनदीप सिंह पुरी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

मादक पदार्थ का नेटवर्क खत्म करने के लिए एआई-संचालित तरीका अपनाए डीआरआई: सीतारमण

नई दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां)।

केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) से तस्करी, मादक पदार्थों और अवैध व्यापार से निपटने के लिए एक समग्र और प्रौद्योगिकी-संचालित दृष्टिकोण अपनाने की अपील की। सीतारमण ने कहा कि एजेंसियों को वैश्विक व्यापार और सुरक्षा खतरों की बढ़ती जटिलता के अनुरूप विकसित होना चाहिए।

सीतारमण ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के वसंत कुंज क्षेत्र स्थित केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के तहत डीआरआई के नए मुख्यालय भवन के उद्घाटन के

अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही। वित्त मंत्री ने कहा कि प्रवर्तन एजेंसियों को वैश्विक व्यापार और सुरक्षा खतरों की बढ़ती जटिलता के अनुरूप विकसित होना चाहिए। इसके दृश्यमान और अंतिम परिणाम सामने आने चाहिए। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शब्दों को दोहराते हुए कहा कि सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन -यही वह भावना है जिसके साथ हमें आगे बढ़ते रहना है।

वित्त मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि डीआरआई उन चुनिंदा भारतीय एजेंसियों में से एक है जो भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र की रक्षा करती है। हम सोना के बारे में जितना बोलते हैं, नारकोटिक्स सबसे बड़ा खतरा है जो हर राज्य और यहां तक कि छोटे शहरों में भी घुसपैठ कर चुका है। स्कूल और कॉलेज इसके पहले शिकार हैं। डीआरआई को इसे रोकना होगा और फिर राज्य पुलिस के साथ समन्वय करना होगा। हमें खतरे के आकार और दायरे के बारे में बेहतर समन्वय और बेहतर समझ की आवश्यकता है।

उन्होंने प्रवर्तन अधिकारियों से कहा, बड़ी तस्वीर को ध्यान में रखते हुए समग्र रूप से जांच करें। आपको गहरे प्रणालीगत जोखिमों और खतरों को उजागर करने के लिए अव्यक्त बिंदुओं को जोड़ना होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तस्करी के पूरे नेटवर्क को खत्म करना ही किसी भी जांच का अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल छोटी-छोटी जब्तियों या गिरफ्तारियों तक ही सीमित न रहें।

वित्त मंत्री ने कहा, अगर आप छोटी मछलियों को पकड़ते हैं तो यह अच्छा नहीं है। बड़ी तस्करी श्रृंखला का पता लगाना होगा और उस पर कार्रवाई करनी होगी। ठोस नतीजे सामने आएं और उन्हें तार्किक निष्कर्ष पर पहुंचाया जाए।

इससे पहले निर्मला सीतारमण ने वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के साथ डीआरआई मुख्यालय के नए भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राजस्व सचिव अरविंद श्रीवास्तव, सीबीआईसी के अध्यक्ष संजय अग्रवाल और वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

डी. गुकेश ने नॉर्वे शतरंज के 7वें राउंड में अर्जुन एरिगैसी को हराकर दूसरी जीत दर्ज की

स्टावेंगर,03 जून (एजेंसियां)।

नॉर्वे शतरंज 2025 के सातवें राउंड में सभी बोर्ड्स पर रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। इस दौर की सबसे चर्चित भिड़ंत मौजूदा विश्व चैम्पियन डी गुकेश और भारत के ही ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी के बीच हुई।

दोनों खिलाड़ियों के बीच तेज़ मुकाबला हुआ, जहां गुकेश ने धैर्य बनाए रखते हुए कड़ी मेहनत के बाद इस टूर्नामेंट में दूसरी जीत हासिल की। इससे पहले छठे राउंड में डी गुकेश ने और वर्ल्ड नंबर 1 मैग्नस कार्लसन के बीच मुकाबले में शानदार जीत दर्ज की थी।

अर्जुन ने ओपनिंग में शानदार शुरुआत करते हुए तेज आक्रामक चालों से गुकेश पर दबाव बनाया, लेकिन गुकेश ने जबरदस्त डिफेंसिव कौशल दिखाते हुए खेल को जटिल एंडगेम तक पहुंचाया। समय की कमी में दोनों खिलाड़ियों के बीच तेज़ मुकाबला हुआ, जहां गुकेश ने धैर्य बनाए रखते हुए कड़ी मेहनत के बाद जीत हासिल की। अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फबियानो कारुआना ने चीनी ग्रैंडमास्टर और बर्थडे बॉय वे यी के खिलाफ शुरुआती बढ़त बनाई और लंबे एंडगेम में शानदार जीत दर्ज की।

दिन का आखिरी मुकाबला विश्व नंबर 1 मैग्नस कार्लसन और हिकारु नाकामुरा के बीच खेला गया, जो क्लासिकल गेम में जल्दी ड्रॉ हो गया। हालांकि, अर्मागेडन गेम में कार्लसन ने जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक हासिल किए।

नॉर्वे विमेंस शतरंजः जु वेनजुन टॉप पर

विश्व महिला शतरंज चैम्पियन जु वेनजुन ने सारा खादेम के खिलाफ क्लासिकल गेम में शानदार एंडगेम खेलते हुए जीत दर्ज की। दिन की दूसरी क्लासिकल जीत चीन की तिंगजी लेई को मिली, जिन्होंने वाइट पीसेज़ से भारत की वैशाली रमेशबाबू को मात दी। भारत की हम्पी कोनेरू और अन्ना मुझिचुक के बीच मुकाबला शांति से ड्रॉ रहा, जिसमें काफी पीस एक्सचेंज हुए।

न्यूज ब्रीफ

पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतने पर महिला कांस्टेबल पुष्पा चाहर सम्मानित

मुरादाबाद। मुरादाबाद पुलिस लाइन में तैनात महिला कांस्टेबल पुष्पा चाहर पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में 410 किलोग्राम भार उठाकर अव्वल आने पर आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अधिकारियों के साथ सम्मानित किया। पुष्पा चाहर ने बदायूं में आयोजित बदायूं में आयोजित पावर लिफ्टिंग में 410 किलोग्राम भार उठाकर प्रथम स्थान हासिल कर गोल्ड मेडल जीता। इसके अलावा उन्होंने मेरठ में भी पावर लिफ्टिंग में गोल्ड जीता है। पुष्पा चाहर ने स्ट्रांग वूमन का खिलाफ भी जीता। सोमवार को एसएसपी सतपाल अंतिल ने उन्हें अपने दफ्तर में सम्मानित किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक देहात कुंवर आकाश सिंह, सदर कोतवाली की क्षेत्राधिकारी सुनीता दहिया भी मौजूद रहीं।

नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 टूर्नामेंट अब 5 जुलाई को बेंगलुरु में

नई दिल्ली। नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 प्रतियोगिता का आयोजन अब 5 जुलाई को बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। पहले यह इवेंट 24 मई को होना तय था, लेकिन सुरक्षा कारणों और देश के प्रति एकजुटता के भाव के चलते इसे पुनः निर्धारित किया गया है। जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स ने मंगलवार को जानकारी दी कि यह भारत का पहला अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक टूर्नामेंट होगा, जो नीरज चोपड़ा, जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स, एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) और वर्ल्ड एथलेटिक्स (डब्ल्यूए) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। यह भारत में अब तक का सबसे उच्च स्तर का अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स मुकाबला होगा। प्रतियोगिता की अगुवाई ओलंपिक चैंपियन और मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन नीरज चोपड़ा करेंगे। नीरज चोपड़ा क्लासिक टूर्नामेंट का उद्देश्य दुनिया भर की शीर्ष प्रतिभाओं को भारत में लाना और देश के नए एथलीट्स को प्रेरणा देना है। उनके साथ भाला फेंक की दुनिया के ये दिग्गज भी मैदान में उतरेंगे। एंडरसन पीटर्स (ग्रेनेडा) – दो बार के वर्ल्ड चैंपियन, थॉमस रोहलर (जर्मनी) – रियो 2016 ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट , जूलियस येगो (केन्या) – 2015 के वर्ल्ड चैंपियन , किशोर जेना – एशियन गेम्स के रजत पदक विजेता और भारत के उभरते सितारे।

केन विलियमसन ने फिर से न्यूजीलैंड क्रिकेट का सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट ठुकराया

वेलिंगटन। पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने फिर से न्यूजीलैंड क्रिकेट का सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट ठुकरा दिया है

और संभावना है कि वे अगले महीने जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज में नहीं खेलेंगे। विलियमसन ने पिछले साल भी सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट स्वीकार नहीं किया था ताकि वे दुनिया भर में टी20 और अन्य लीग में खेलने के लिए स्वतंत्र रहें। इसके बजाय उन्होंने पिछले साल एक कैजुअल कॉन्ट्रैक्ट किया था और 2024 में न्यूजीलैंड के 13 टेस्ट में से नौ में खेलते हुए 1,000 से ज्यादा रन बनाए। न्यूजीलैंड क्रिकेट की ओर से मंगलवार को जारी 20 खिलाड़ियों की कॉन्ट्रैक्ट सूची में विलियमसन का नाम नहीं था। इसके साथ ही डेवोन कॉनवे, फिन एलन, टिम सिफर्ट और लॉकि फर्ग्यूसन भी शामिल नहीं थे क्योंकि ये खिलाड़ी भी विदेशी टी20 लीग में हिस्सा ले रहे हैं। विलियमसन के फिर से कैजुअल कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर करने की संभावना है। टिम साउथी के रिटायर होने के बाद आलराउंडर मोहम्मद अब्बास और जैक फोल्क्स, विकेटकीपर मिच हे और स्पिनर आदि अशोक को पहली बार सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट मिला है। इसके अलावा ईश सोढी, एजाज पटेल और जोश क्लार्कसन भी टीम में शामिल हैं। विलियमसन फिलहाल इंग्लिश काउंटी चैम्पियनशिप और टी20 ब्लास्ट में मिडलसेक्स के लिए खेल रहे हैं और द हंड्रेड में लंदन स्पिरिट का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। जुलाई के अंत और अगस्त की शुरुआत में न्यूजीलैंड के जिम्बाब्वे दौरे के दौरान उनकी काउंटी प्रतिबद्धताएं जारी रहने की संभावना है। लंदन में पिछले महीने एक प्रेस

18 साल का इंतजार खत्म, पंजाब को रौंदकर आरसीबी बनी नई चैंपियन

अहमदाबाद, 03 जून (एजेंसियां)।

18 साल का इंतजार खत्म हुआ और 18 नंबर की जर्सी वाले विराट कोहली का सपना आखिरकार पूरा हुआ। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को रौंदकर अपने करोड़ों चाहने वालों बड़ा गिफ्ट दे दिया। खिताबी मुकाबले में विराट कोहली की टीम ने 190 रन बनाए थे, जबकि पंजाब की टीम अच्छी शुरुआत के बावजूद लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी। वह जीत से सिर्फ 6 रन दूर रह गई, जबकि शशांक सिंह की 30 गेंदों में 3 चौके और 6 छक्के की मदद से खेली गई नाबाद 61 रनों की पारी बेकार गई। जीत की सुगंध तभी मिल गई थी जब श्रेयस अय्यर एक रन पर आउट हुए। उस समय विराट का आक्रामक जश्न पूरी कहानी बयां कर रहा था।

जब आखिरी ओवर में लगा कि अब जीत से कोई रोक नहीं सकता तो विराट कोहली की आंखों में आंसू थे। वह रो पड़े थे। भावनाओं का गुबार रोकते नहीं रुक रहा था। दूसरी ओर, पंजाब के चाहने वाले निराशा में डूब चुके थे।

पंजाब किंग्स की पारी का रोमांच

191 रनों के पहाड़ सरीखे लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स की टीम को अनकैप्ड प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने अच्छी शुरुआत दी। इन दोनों ने पहले विकेट के लिए 5 ओवरों में 43 रन जोड़े। इसी स्कोर पर प्रियांश को जोश हेजलवुड ने अपनी रणनीति के अनुसार की गई गेंद पर शिकार बनाया। डीप स्क्वेयर लेग बाउंड्री पर फिल साल्ट ने कमाल का कैच लपका।

उन्होंने पहले गेंद को पकड़ा, लेकिन जब बाउंड्री से बाहर जाने लगे तो गेंद को अंदर की ओर उछालकर वापस लपक लिया। इस तरह से प्रियांश आर्य की पारी 24 रनों पर खत्म हो गई। उन्होंने 19 गेंदों का सामना किया, जबकि 4 चौके लगाए।

श्रेयस अय्यर का बल्ला दे गया धोखा

प्रभसिमरन सिंह 26 रन पर चलते बने। उन्हें क्रुणाल पंड्या ने पवेलियन भेजा। इसके बाद कप्तान श्रेयस अय्यर को रोमारियो शेफर्ड ने जितेश शर्मा के हाथों सिर्फ एक रन पर कैच कराया तो पूरे स्टेडियम में फैले आरसीबी के चाहने वाले

सपना पूरा हुआ तो रोने लगे विराट कोहली

खुशी में झूम उठे। विराट कोहली का आक्रामक जश्न देखते बन रहा था। अय्यर मुंबई इंडियंस के खिलाफ क्वालिफायर-2 के हीरो थे। हर किसी को पता था कि वह क्या कर सकते हैं। जब आउट हुए तो पंजाब के खेमे में सन्नाटा पसर गया। इस तरह से 72 रनों पर दूसरा, जबकि 79 रनों पर तीसरा विकेट गिरा। इसके बाद बल्लेबाज आते रहे और अपना विकेट गंवाकर जाते रहे। हालांकि, शशांक सिंह ने जरूर हाफ सेंचुरी जड़ी, लेकिन टीम जीत से सिर्फ 6 रन दूर रह गई। उसने 7 विकेट पर 184 रन बनाए, जबकि भुवनेश्वर कुमार और क्रुणाल पंड्या ने 2-2 विकेट झटके।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 190 रन बनाए। एक समय मजबूत स्थिति में होने के बावजूद अंतिम ओवरों में उनकी पारी लड़खड़ा गई। आखिरी के 19 रन बनाने में टीम ने 4 विकेट गंवाए, जबकि आखिरी ओवर में अर्शदीप ने सिर्फ 3 रन दिए, जबकि 3 विकेट गिरे। विराट कोहली ने 35 गेंदों में 43 रन बनाए। कोहली ने इस मैच में आईपीएल इतिहास में सबसे अधिक चौके लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया, शिखर धवन के 768 चौकों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए 769 चौके पूरे किए।खचाखच भरे नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पंजाब किंग्स के गेंदबाजों ने शुरुआत से ही विकेट निकालने का सिलसिला बनाए रखा और आरसीबी के बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। विराट कोहली आरसीबी के शीर्ष स्कोरर रहे, लेकिन उन्होंने धीमी बल्लेबाजी की। कोहली ने 35 गेंदों में 3 चौकों की मदद से 43 रन बनाए। हालांकि, उनकी पारी अपेक्षाकृत थोड़ी स्लो रह गई। जितेश शर्मा ही एकमात्र बल्लेबाज रहे, जिन्होंने 200 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। उन्होंने 10 गेंदों में 24 रन बनाए, जिसमें 2 चौके और 2 छक्के शामिल थे।

मयंक अग्रवाल (18 गेंदों में 24 रन), लियाम लिविंगस्टोन (15 गेंदों में 25 रन), रजत पाटीदार (16 गेंदों में 26 रन) और रोमारियो शेफर्ड (9 गेंदों में 17 रन) ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन उसे बड़ी पारी में नहीं बदल सके। अर्शदीप के अलावा काइल जैमीसन ने भी 3 विकेट झटके। अजमतुल्ला ओमरजई, विजयकुमार वैशाक और युजवेंद्र चहल ने भी एक-एक विकेट अपने नाम किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

जमानत नहीं दी तो...

उन्होंने याचिका में कहा है कि इस महिला सुधार गृह में न सही से साफ-सफाई होती है, न ही यहां पीने का साफ पानी दिया जाता है। शर्मिष्ठा ने यह भी बताया कि उन्हें बीमारियां भी हैं और इस महिला सुधार गृह में उन्हें इलाज या दवा की कोई भी सुविधा नहीं मिल रही है। शर्मिष्ठा ने सुरक्षा दिए जाने की मांग की है। लेकिन विडंबना है कि इस जरूरी मुद्दे पर सुनवाई के लिए अलीपुर कोर्ट को फुर्सत नहीं है। बेशर्म पश्चिम बंगाल सरकार ने शर्मिष्ठा को राहत देने की मांग का पुरजोर विरोध किया है। पश्चिम बंगाल सरकार ने यह भी प्रयास किया था कि शर्मिष्ठा की जमानत अर्जी पर सुनवाई कलकत्ता हाईकोर्ट में गर्मी की छुट्टियों के बाद हो, ताकि उसे पूरे गर्मी की छुट्टी के दरम्यान जेल में ही रहना पड़े। कलकत्ता हाईकोर्ट में अब गुरुवार 5 जून को सुनवाई होनी है।

उधर, मां कामाख्या पर गंदी टिप्पणी करने वाले वजाहत खान को जैसे ही असम पुलिस ने मांगा, वैसे ही उसे बचाने के लिए बंगाल पुलिस ने भी उस पर एफआईआर कर दिया, ताकि असम पुलिस वजाहत को बंगाल से न ले जा सके। वजाहत फरार है, लेकिन बंगाल की अदालतें निश्चिंत हैं। मां कामाख्या पर गंदी टिप्पणी करने वाले वजाहत खान को लेकर असम पुलिस जैसे ही सतर्क हुई, कलकत्ता पुलिस ने उसके खिलाफ गार्डन रीच थाने में 2 जून को झटपट एफआईआर दर्ज कर दी।

उसी इस्लामी कट्टरपंथी वजाहत खान ने इस्लाम के कथित अपमान पर शर्मिष्ठा पर एफआईआर कराई थी। वजाहत के पाकिस्तान से सीधे लिंक पकड़े गए हैं। लेकिन मुस्लिम तुष्टिकरण में अंधी हो चुकी ममता सरकार को इससे कोई लेना देना नहीं। यह सामने आ चुका है कि वजाहत ने मां कामाख्या, भगवान कृष्ण समेत तमाम हिंदू देवी-देवताओं पर लगातार अपमानजनक टिप्पणियां कर रहा था।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा, वजाहत खान के खिलाफ मां कामाख्या पर अपमानजनक टिप्पणियां करने के मामले में एक केस दर्ज किया गया है। अब असम पुलिस पश्चिम बंगाल जाएगी और आगे की कार्रवाई करेगी। हम पश्चिम बंगाल पुलिस से इस मामले में सहयोग मांगेंगे ताकि आरोपी को असम में कार्रवाई के लिए लाया जा सके।

युद्ध-विराम में...

सांसदों से मुलाकात की। इस दौरान वहां के नेताओं ने ब्राजील को भारत का सदाबहार मित्र करार दिया। तेजस्वी सूर्या ने ब्राजील की यात्रा को सफल बताया। वहां के नेताओं ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से बातचीत के दौरान कहा कि उनका देश हमारा हर मौसम में सहयोगी और हर मौसम का दोस्त है। सूर्या ने यह भी कहा कि ब्राजील के अलावा गुयाना, पनामा और कोलंबिया से भी हमें पूरा समर्थन हासिल हुआ है। यह उपलब्धि भारतीय प्रतिनिधिमंडल के लिए बहुत अहम है। खास तौर पर लैटिन अमेरिका में और सामान्य रूप से पूरे विश्व में ब्राजील एक जरूरी और महत्वपूर्ण आवाज है। वहां गए भारतीय प्रतिनिधिमंडल में शशि थरूर, सरफराज अहमद, गंटी हरीश मधुर, शशांक मणि त्रिपाठी, भुवनेश्वर कलिता, तेजस्वी सूर्या और पूर्व राजदूत तरनजीत सिंह संधू शामिल हैं।

अब तक शरणार्थी ...

चरागाह और तालाब पर भी बसे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन्हें अन्यत्र जमीन देने या फिर उसी जमीन पर स्वामित्व अधिकार देने के लिए कानून में बदलाव करने पर विचार करना होगा।

उत्तर प्रदेश में बसे पाकिस्तानी शरणार्थियों को अब जमीन का मालिकाना हक मिलने की दिशा में इसे एक अहम कदम बताया जा रहा है। मुरादाबाद के मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह की अध्यक्षता में गठित कमेटी ने इस संबंध में पूरी जांच करने के बाद अपनी रिपोर्ट शासन को सौंपी है। रिपोर्ट में उत्तराखंड मॉडल की तर्ज पर शरणार्थियों को संक्रमणीय भूमिधर अधिकार देने की सिफारिश की गई है।

दुनिया शिव की...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बेस्ट लीडर।

एरोल मस्क ने भारत को वैश्विक नेता बताया और कहा कि यह चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत इसके बावजूद विनम्र है। एरोल मस्क ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भी बात की और भारत का समर्थन किया। उन्होंने कहा, पाकिस्तान भारत के लोगों का जीवन कठिन नहीं बना सकता। अगर पाकिस्तानी परेशानियां पैदा कर रहा है, तो इस पर एक्शन लिया जाना चाहिए।

परमाणु ब्लैकमेल ...

गुवाहाटी जैसे असम के मैदानों में प्रवाह मानसून के समय 15,000-20,000 घन मीटर/सेकंड है। ब्रह्मपुत्र भारत में प्रवेश के बाद सशक्त होती है। यह एक भारतीय, वर्षा-पोषित नदी प्रणाली है, न कि किसी एक स्रोत पर निर्भर है। पाकिस्तान के लिए वह सच्चाई जो उसे जाननी चाहिए, अगर चीन कभी ब्रह्मपुत्र के जल को कम भी कर दे (जो कि अब तक किसी भी मंच पर न कहा गया है, न संकेत दिया गया है), तो वह भारत के लिए मददगार हो सकता है, क्योंकि हर वर्ष असम में आने वाली भीषण बाढ़ लाखों को विस्थापित करती है और भारी तबाही लाती है।

पाकिस्तान, जिसने 74 वर्षों तक सिंधु जल संधि से असमान लाभ उठाया, अब घबरा रहा है क्योंकि, भारत अपने जल अधिकारों पर संप्रभु निर्णय ले रहा है।

इस संबंध में पाकिस्तान को कुछ याद दिलाना जरूरी है जैसे, ब्रह्मपुत्र एक ही स्रोत पर आधारित नहीं है। यह हमारे भूगोल, हमारे मानसून और हमारी सभ्यतागत शक्ति से पोषित है। मुख्यमंत्री सरमा ने तथ्यों के आधार पर पाकिस्तान की डर वाली रणनीति की जहां हवा निकाल दी, वहीं चीन को भी एक तरह से उत्तर दिया है कि, ब्रह्मपुत्र को लेकर वह भारत को ब्लैकमेल नहीं कर सकता है।

ब्रह्मपुत्र नदी चीन से भले ही आती हो, लेकिन इसका ज्यादातर पानी भारत में ही बनता है। चीन ब्रह्मपुत्र के कुल पानी में सिर्फ 30-35 प्रतिशत का योगदान देता है, और वह भी ज्यादातर पिघलते ग्लेशियरों से आता है। बाकी 65-70 प्रतिशत पानी तो भारत के भीतर ही बनता है, खासकर अरुणाचल प्रदेश, असम, नागालैंड और मेघालय में होने वाली भारी मानसूनी बारिश से। सिंधु जल समझौता स्थगित होने के बाद पाकिस्तान भारत के खिलाफ अलग-अलग पैंतरे चल रहा है।

उसने हाल ही में ब्रह्मपुत्र नदी पर प्रलाप चालू किया है। इस बार उसने यह डर फैलाने की कोशिश की है कि अगर चीन ब्रह्मपुत्र का पानी रोक दे तो क्या होगा? उसके इस प्रोपेगेंडा का जवाब असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने दिया है।

मुख्यमंत्री हिमंत ने साफ किया कि ब्रह्मपुत्र नदी चीन से भले ही आती हो, लेकिन इसका ज्यादातर पानी भारत में ही बनता है। चीन ब्रह्मपुत्र के कुल पानी में सिर्फ 30-35 प्रतिशत का योगदान देता है, और वह भी ज्यादातर पिघलते ग्लेशियरों से आता है।

उन्होंने बताया कि बाकी 65-70 प्रतिशत पानी तो भारत के भीतर ही बनता है, खासकर अरुणाचल प्रदेश, असम, नागालैंड और मेघालय में होने वाली भारी मानसूनी बारिश से। इसके अलावा, सुबनसिरी, लोहित, कामेंग, मानस, धनसिरी, जिया-भरली, कोपिली जैसी कई बड़ी सहायक नदियां भी हैं जो ब्रह्मपुत्र में पानी डालती हैं। सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि मेघालय की खासी, गारो और जयंतिया पहाड़ियों से भी कृष्णाई, दिगारू, कुलसी जैसी नदियों के जरिए ब्रह्मपुत्र में खूब पानी आता है और भारत-चीन सीमा पर (तूतिंग में) ब्रह्मपुत्र का प्रवाह लगभग 2,000-3,000 घन मीटर/सेकंड होता है। उन्होंने कहा कि असम के मैदानी इलाकों में (जैसे गुवाहाटी में), मानसून के दौरान यह प्रवाह बढ़कर 15,000-20,000 घन मीटर/सेकंड हो जाता है। इसका मतलब है कि ब्रह्मपुत्र भारत में आने के बाद और भी बड़ी और शक्तिशाली हो जाती है। यह एक भारतीय, बारिश से पोषित नदी प्रणाली है, जो किसी एक स्रोत पर निर्भर नहीं है।

कुख्यात बाटला...

में न तो पार्टी बनाया और न ही अपना पक्ष रखने का मौका दिया। बाटला हाउस में अवैध तरीके से कब्जा करके पिछले कई सालों से रह रहे लोगों को दिल्ली विकास प्राधिकरण ने एक नोटिस भेजा था।

इसमें प्राधिकरण ने कब्जाधारियों को 27 मई 2025 को 15 दिन का समय दिया और कहा कि तय समय के अंदर वे अतिक्रमण हटा लें, उसके बाद प्रशासन अवैध निर्माण को ध्वस्त करेगा। फिर क्या था बाटला हाउस की मालकिन सुल्ताना शाहीन समेत 39 अन्य लोगों ने वकील आदिल अहमद के जरिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर दी। 2 जून को इस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने फौरी राहत देने से इंकार कर दिया।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 04 जून, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अ.भा. अग्रवाल सम्मेलन तेलंगाना की कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 03 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन तेलंगाना की कार्यकारिणी बैठक हिमायतनगर बीकानेरवाला में सम्पन्न हुई।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में सर्वप्रथम गुलज़ार हाउस अग्निदुर्घटना में मारे गए अग्रजनो के प्रति 2 मिनिट का मौन धारण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। तत्पश्यात अध्यक्ष योगेश जैन ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि हम सभी के सफल प्रयास से आद्यलक्ष्मी रथ यात्रा तेलंगाना में सफल रही, जिस की चर्चा पूरे देश में हो रही है। उन्होंने बताया कि पूरे देश के अग्रवाल भाइयों से हमें फोन बधाई एवं शुभकामनाएं दे रहे हैं।

मंत्री विनय जैन ने आद्य लक्ष्मी रथ यात्रा की रिपोर्ट पेश की और अग्रोहाधाम में निर्माणाधीन महालक्ष्मी जी के भव्य मंदिर के

आजीवन ट्रस्टी, ट्रस्टी, आवास ग्रह में कमरे के सहयोगियों का आभार प्रकट किया।

कोषाध्यक्ष विनोद जैन ने अब तक का लेखा जोखा प्रस्तुति किया। जिसे सभी ने स्वीकृति प्रदान की।

रथ यात्रा के प्रधान संयोजक महावीरप्रसाद अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम के सफल आयोजन होने में सभी पदाधिकारी, कार्यकारिणी एवं सदस्यों का पूरा सहयोग संस्था को प्राप्त हुआ है। कई दानदाताओं ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए दिल खोल कर सहयोग दिया जिसके लिए वे सभी के आभारी है। साथ ही उनको आभास के राष्ट्रीय सह संघटन मंत्री के पद्भार धारण करने पर सभी ने बधाई दी।

इस अवसर पर राष्ट्रीय संघटन मंत्री शशिकांत अग्रवाल ने बताया कि नरेश बंसल, आभास राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य एवं भाजपा राज्यसभा सदस्य का 5 जून को नगरागमन हो रहा है और वह 8 जून तक हैदराबाद में रहेंगे। सभी से विचार-विमर्श करने के बाद निर्णय लिया गया के उनके सम्मान एवं स्वागत में एक कार्यक्रम का आयोजन रखा जाए। बांसलजी से बात करने के बाद समय और तिथि निशित करने के लिए शशिकांत अग्रवाल को जिम्मेदारी दी गई और उसी के अनुसार कार्यक्रम तय किया जाएगा।

राष्ट्रीय प्रवक्ता अशोक बंसल ने सभा को अवगत कराया कि कई पदाधिकारी और कार्यकारिणी सदस्य संस्था की बैठकों में उपस्थित नहीं हो रहे हैं। जिस पर यह निर्णय लिया गया के जो पदाधिकारी या सदस्य किसी निजी कारणों से अपना समय नहीं दे पा रहे हैं वे ग्रुप में अपनी स्वेच्छा से पद से और ग्रुप से त्याग दे सकते हैं।

बैठक का समापन सह मंत्री शिव कुमार भलवाले के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। सभा में राष्ट्रीय संघटन मंत्री शशिकांत अग्रवाल, सह संघटन मंत्री महावीर प्रसाद अग्रवाल, राष्ट्रीय प्रवक्ता अशोक बंसल, अध्यक्ष योगेश जैन, मंत्री विनय जैन, कोषाध्यक्ष विनोद जैन, सह मंत्री शिव कुमार भालवाले, युवा अध्यक्ष तरुण तुलसियान, मंत्री रिंकू अग्रवाल, महिला अध्यक्ष निर्मला संघी, मंत्री रेखा गुप्ता, कोषाध्यक्ष रजनी बंसल, ऋतु जैन, बरखा संघी, बजरंग लाल भालवाले, डी पी अग्रवाल, नवल बंसल, शंकरलाल अग्रवाल, सुमीत अग्रवाल, पंकज मित्तल, कमल गर्ग, अभिषेक अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत मंगलवार को नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

नि:शुल्क आयुर्वेदिक अस्थमा चिकित्सा शिविर 8 को, करपत्र विमोचित

हैदराबाद, 03 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
रविवार, 8 जून को गाँधी ज्ञान मंदिर कोठी में प्रातः 11.00 बजे से शाम 6.00 बजे तक नि:शुल्क आयुर्वेदिक अस्थमा चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में विप्र फाउंडेशन के मंत्री रामदेव नागला ने बताया कि आयुर्वेदिक अस्थमा चिकित्सा शिविर के सन्दर्भ में मंगलवार को एक बैठक का आयोजन डॉ एम. पी. शर्मा के नेतृत्व में कुत्बीगुडा में सम्पन्न हुई। जिसमे कार्यक्रम में सहयोगी संस्था विप्र फाउंडेशनजोन -16 तेलंगाना एवं विप्र फाउंडेशन हैदराबाद चैप्टर के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भाग लिया। बैठक का संचालन डॉ. राजेंद्र दाधीच ने किया। विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में अध्यक्षीय

सम्बोधन के पश्चात् विप्र फाउंडेशन जोन 16 के अध्यक्ष हरिकिशन ओझा एवं हैदराबाद चैप्टर के अध्यक्ष भरत चांडा द्वारा चिकित्सा शिविर के करपत्र पोस्टर का विमोचन किया गया। साथ ही प्रदीप खंडेलवाल को कार्यक्रम का संयोजक बनाया गया। तत्पशचात कार्यक्रम की तैयानियों की समीक्षा की गई। नि:शुल्क आयुर्वेदिक अस्थमा चिकित्सा शिविर पिछले 39 वर्षों से आयोजित किया जा रहा। जिसमें सम्पूर्ण भारत वर्ष से हजारों की संख्या में अस्थमा रोगी भाग लेकर इसका लाभ उठाते हैं। इस वर्ष 40वां नि:शुल्क अस्थमा आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर का आयोजन आयुर्वेदा सर्विसेस से डॉ एम. पी. शर्मा एवं डॉ राजेन्द्र दाधीच के कुशल नेतृत्व में किया जा रहा है। इसमें शुद्ध शाकाहारी दवा दी जाती है एवं इसमें सभी अस्थमा रोगी भाग लेकर निशुल्क लाभ उठा सकते हैं। बैठक में भगवान व्यास, डॉ. महावीर प्रसाद शर्मा, डॉ राजेंद्र दाधीच, हरिकिशन ओझा, रामदेव नागला, भरत चांडा, प्रदीप खंडेलवाल, महेश अवस्थी, अर्जुन थानवी वेरिश मुंडेल, रमेश भाई पटेल, रमेश अग्रवाल, पदन कुमार दाधीच, दीपक दाधीच, विपुल दाधीच, मोहिनी अग्रवाल, लक्ष्मीकांत व्यास एवं अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। महेश अवस्थी के ध्यानवाद ज्ञापन के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

हिंदी सेवासदन द्वारा नि:शुल्क ऑनलाइन परीक्षा कल

हैदराबाद, 03 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
हिंदी सेवासदन की ओर से गुरुवार दि. 5 जून को दोपहर 2.30 से सायंकाल 5.00 बजे तक आंध्र प्रदेश राज्य में एक ही समय में हिंदी सेवासदन ऐप में नि:शुल्क डी.एस.सी हिंदी नमूना परीक्षा आयोजित की जाएगी। हिंदी सेवासदन के संस्थापक प्रधान सचिव एवं हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के प्रधान मंत्री एस. गैबुवली ने बताया कि आंध्र प्रदेश राज्य में पाठशाला सहायक हिंदी, टी.जी.टी हिंदी, पी.जी.टी हिंदी सरकारी अध्यापक बनने के लिए परीक्षा लिखने वाले छात्र ऑनलाईन परीक्षा से परीक्षा लिखने की पद्धति, सिलेबस अनुसार प्रश्नों नमूना एवं समय पालन से अवगत होंगे । इस मौके को आंध्र प्रदेश राज्य के गैरसरकारी हिंदी प्रशिक्षणार्थी एवं डी.एस.सी लिखने जा रहे छात्र हिंदी सेवासदन एप्प को प्ले स्टोर से डाऊनलौड करके सदुपयोग कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए सेल 9581386150, 9553677119, 9848783787 नंबरों को संपर्क कर सकते हैं।

अग्रवाल समाज पैराडाइज शाखा के चुनाव सम्पन्न

हैदराबाद, 03 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज पैराडाइज शाखा के चुनाव 31 मई 2025 को ऑनलाइन माध्यम से सम्पन्न हुए। चुनाव अधिकारी धीरेंद्र बंसल एवं सेंट्रल से डॉ. मोहन गुप्ता ने चुनाव सम्पन्न करवाये। जिसमें 60 सदस्यों ने भाग लिया। उसमें से 48 सदस्यों ने चुने हुए टीम का समर्थन किया और 12 सदस्यों ने उनके विरोध में वोट दिशस। तत्पश्चात चुनाव अधिकारी ने चुनी हुई टीम की घोषणा की। हर्ष का विषय यह रहा कि उक्त चुनाव में दोनों पैनल के सदस्यों ने भाग लिया और उन्होंने अपनी सहमति दी। सभी को धन्यवाद दिया गया।शाखा की नवनियुक्त कार्यकारिणी में अध्यक्ष के रूप में धीरज खेतान, उपाध्यक्ष श्यामलाल गोयनका, मंत्री प्रमोद तुलस्यान, सह मंत्री महेंद्र गोयल, कोषाध्यक्ष पवन अजीतसरिया, केंद्रीय समिति सदस्य संदीप मित्तल एवं दीपक अग्रवाल को चयनित हुए।

वीर क्षत्रिय राजपूत समिति द्वारा वीर श्री शिरोमणि महाराणा प्रताप जी का 485वां जन्मोत्सव महाराणा प्रताप फंक्शन हॉल में मनाया गया। इस अवसर पर वीकेआरएस द्वारा सभी राजपूत संगठनों को सम्मनित किया गया।

अग्रवाल समाज तुरुप बाजार शाखा की वार्षिक साधारण सभा एवं चुनाव सम्पन्न

हैदराबाद, 3 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रवाल समाज तुरूप बाजार शाखा की वार्षिक साधारण सभा एवं चुनाव में नई कार्यकारिणी का चयन किया गया।

शाखा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शाखा की एजीएम प्रफुल्लचंद अग्रवाल के निवास पर आयोजित की गई। सर्वप्रथम गुलजार हौज में हुए अग्निकांड में मारे गये मोदी परिवार के सदस्यों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण किया गया। अध्यक्ष प्रफुल्लचंद्र अग्रवाल ने सभी का स्वागत किया। मानद मंत्री ने पिछले दो वर्ष के कार्यों पर प्रकाश डाला। सभा में आगामी वर्ष में भी आयोजनों के विषय पर प्रकाश डाला गया। पिछले वर्ष का लेखा जोखा मंजू लता गुप्ता ने पेश किया, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। किशोर कुमार गुप्ता ने सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया। सदस्यों की संख्या बढ़ाने के लिए किशोर गुप्ता, रमेश कुमार दोचानिया, प्रफुल्लचंद को नियुक्त किया गया। सभा के पश्चात चुनाव अधिकारी उमेश गुप्ता ने आगामी 2025-27 के लिए सर्वसम्मति से चुनाव करवाये। परामर्शदाता किशोर कुमार गुप्ता की देखरेख में चुनाव संपन्न हुए। अध्यक्ष प्रफुल्लचंद अग्रवाल, उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार बंसल, मानद मंत्री रमेश कुमार दोचानिया, सह-मंत्री कमल कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मंजू लता गुप्ता, केन्द्रीय समिति सदस्य प्रवीणचंट अग्रवाल, परामर्शदाता किशोर कुमार गुप्ता को चयनित किया गया। इस अवसर पर महेंद्र कुमार गुप्ता उमेश गुप्ता, ओमप्रकाश अग्रवाल नरेन्द्र संघी, हंसा देवी अग्रवाल, पीयूष् अग्रवाल ने पदाधिकारियों को अग्रसेन महाराज का दुपट्टा पहनाकर बधाई दी।

बाल संस्कार शिविर के तहत भावसार विजन इंडिया हैदराबाद क्षेत्र-104 द्वारा ड्राइंग, पेंटिंग और एग्जिटिंग आउटडोर गेम्स प्रतियोगिताओं का आयोजन अनीता पारेकर (बाल कल्याण निदेशक) व शीतल नीमकर (अध्यक्षा) के नेतृत्व में श्री विट्ठल रुक्मिणी मंदिर, जियागुड़ा में आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रशान्त नीमकर (एन.ई.सी. सदस्य), सपना घनाते (कोषाध्यक्षा), राकेश घनाते, वंदना आसुतकर, कविता पेंडकर, श्याम नीमकर, चन्द्रकांत पतंगे एवं अन्य उपस्थित थे। प्रतिभागियों में पुरस्कार व अल्पाहार का वितरण किया गया एवं अनिता पारेकर को स्मृति चिह्न से सम्मानित किया गया।

श्री गोवत्स फाउण्डेशन के अध्यक्ष बनने पर ओमप्रकाश अग्रवाल का सम्मान करते हुए महेश बैंक के चेयरमैन रमेश कुमार बंग । साथ में हैं नन्दगोपाल भट्टड़, अजय अग्रवाल, गोपालदास सारडा, अभिषेक कंलत्री, सीएस द्वारकाप्रसाद असावा, सीए अमित झँवर, प्रकाश नारायण राठी, सीए संदीप झँवर, दिनेश मून्दड़ा, सुरेश कलंत्री एवं मनोज गोयल ।

अग्रवाल समाज गोशामहल शाखा की वार्षिक साधारण सभा एवं चुनाव सम्पन्न

हैदराबाद, 03 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज गोशामहल शाखा की वार्षिक साधारण सभा एवं चुनाव का आयोजन होटल वेज पार्क बशीरबाग में किया गया। प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में सर्वप्रथमद श्री अग्रसेन महाराज जी की पूजा अर्चना की गई, तथपश्चात अध्यक्ष अजय पटवारी की अध्यक्षता में गुलजार हाउस अग्नि दुर्घटना में मारे गए अग्रवाल परिवार के सदस्यों को श्रद्धांजलि देते हुए 2 मिनट का मौन धारण किया।

इस अवसर पर शाखा का दो साल का लेखा-जोखा पेश किया गया। चुनाव अधिकारी राजेन्द्रशशि ने नई कार्यकारिणी की घोषणा की। जिसमेंअध्यक्ष के रूप में उमेश कुमार जिंदल, उपाध्यक्ष कमल कुमार मित्तल, मंत्री शंकर लाल पटवारी, सह मंत्री आकाश पटवारी, कोषाध्यक्ष पुरुषोत्तम अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य सुनील अग्रवाल, राजेंद्र शशि, परामर्शदाता रमेश अग्रवाल, अनिल पटवारी एवं महेश कुंछल तथा कार्यकारिणी सदस्यों में दिलीप अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, रोहित अग्रवाल को चयनित किया गया। अस अवसर पर अजय पटवारी, सुनील कुमार अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, पवन अग्रवाल आदि उपस्थित थे। अध्यक्ष अजय पटवारी ने चुनाव अधिकारी एवं सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

चेन स्नैचर गिरफ्तार, मेहदीपट्टनम पुलिस ने 14 ग्राम सोने की चेन बरामद की

हैदराबाद, 3 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मेहदीपट्टनम पुलिस ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए एक सोने की चेन छीनने वाले को गिरफ्तार किया है और उसके कब्जे से 14 ग्राम की सोने की चेन बरामद की है। यह गिरफ्तारी 3 जून, 2025 को सुबह 10:30 बजे हैदराबाद के मल्लेपल्ली एक्स रोड के पास हुई , जब आरोपी ने चोरी के गहने बेचने का प्रयास किया।यह मामला विजय नगर कॉलोनी निवासी श्रीमती जी. चंद्रकला (65) की शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया है , जिन पर 1 जून को सुबह करीब 7:20 बजे पास की किराना दुकान से लौटते समय हमला किया गया था। आरोपी ने दोपहिया वाहन पर उनसे तेलुगु में रास्ता पूछने का नाटक किया और फिर अचानक उनकी 20 ग्राम की सोने की चेन छीनने का प्रयास किया ।

जमीन पर धकेले जाने के बावजूद पीड़ित ने चेन का एक हिस्सा पकड़ रखा था, जिससे चेन दो टुकड़ों में टूट गई। आरोपी करीब 14 ग्राम लेकर भाग गया , जबकि बाकी 6 ग्राम पीड़ित के पास ही रह गया।आरोपी की पहचान 35 वर्षीय मोहम्मद नजीब के रूप में हुई है , जो सरवर नगर, आसिफ नगर में रहने वाला लैब टेक्नीशियन है। पूछताछ के दौरान उसने कथित तौर पर कबूल किया कि उसने ऑनलाइन सट्टेबाजी की लत और गांजा के सेवन सहित अपनी शानदार जीवनशैली को पूरा करने के लिए अपराध किया ।

मेहदीपटनम पुलिस स्टेशन की अपराध टीम द्वारा निम्नलिखित की देखरेख में त्वरित गिरफ्तारी की गई : जी. चंद्र मोहन , डीसीपी दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र, इकबाल सिद्दीकी , एडिशनल डीसीपी, दक्षिण-पश्चिम जोन, के. विजय श्रीनिवास , एसीपी, आसिफनगर डिवीजन, एस. मल्लेश , थाना प्रभारी मेहदीपट्टनम, जी. बाला कृष्ण , जासूस निरीक्षक, अहमद पाशा (डीएसआई), के. श्रीनिवास रेड्डी, (एसआई) और राम मनोहर (पीएसआई) सहित अन्य अधिकारियों के साथ

उनके समन्वित प्रयासों से विश्वसनीय सूचना के आधार पर अपराधी की पहचान और गिरफ्तारी हुई।मेहदीपट्टनम पुलिस स्टेशन में धारा 304 (2) बीएनएस और 307 बीएनएस के तहत सीआर.सं. 164/2025 के तहत मामला दर्ज किया गया है । चोरी की चेन की बरामदगी और गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।हैदराबाद पुलिस प्राधिकारियों ने अपराधी को पकड़ने और चोरी की गई संपत्ति बरामद करने में त्वरित और सराहनीय कार्रवाई के लिए अपराध कर्मचारियों को पुरस्कृत किया , तथा सार्वजनिक सुरक्षा और न्याय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

रियल एस्टेट घोटाला : जयत्री ग्रुप पर निवेशकों से 300 करोड़ रुपए ठगने का आरोप

हैदराबाद, 3 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद में एक बड़े रियल एस्टेट घोटाले में सैकड़ों निवेशकों को 300 करोड़ रुपये से ज़्यादा का चूना लगाया गया है। आरोपियों ने गोपनपल्ली में आवासीय भूखंडों पर फर्जी ऑफर के ज़रिए खरीदारों को लुभाया, जिसके बाद सरकार से कार्रवाई की मांग उठ रही है।

हैदराबाद: हाल के समय में सबसे बड़े रियल एस्टेट घोटालों में से एक, जयत्री रियल एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड , जिसे जय ग्रुप्स के नाम से भी जाना जाता है, ने सैकड़ों मध्यम वर्ग के निवेशकों से कथित तौर पर 300 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी की है ।

कंपनी ने हैदराबाद के गोपनपल्ली में कम कीमत वाले आवासीय प्लॉट का वादा किया था , और खरीदारों को चमकदार ब्रोशर और आकर्षक प्री-लॉन्च ऑफ़र के साथ लुभाया था।

पीड़ितों का दावा है कि वे कंपनी के विस्तृत दिखावे से प्रभावित हुए, जिसमें एचबी कॉलोनी 6वें चरण में एक भव्य रूप से डिज़ाइन किया गया

कॉर्पोरेट कार्यालय शामिल था, जिसमें 100 से अधिक कर्मचारी कार्यरत थे। निवेशकों को 20 लाख से लेकर 1.8 करोड़ तक की बड़ी रकम देने के लिए उच्च दबाव वाली कॉल और समयबद्ध छूट सहित आक्रामक बिक्री रणनीति का इस्तेमाल किया गया ।

वादा किए गए दो साल के हैंडओवर का इंतज़ार करने के बाद, खरीदारों ने प्रोजेक्ट साइट की जांच शुरू की, तो उन्हें पता चला कि ज़मीन जयत्री रियल एस्टेट की है ही नहीं । इस खोज ने इस संदेह की पुष्टि की कि वे एक बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी के शिकार हुए थे।मास्टरमाइंड, काकरला श्रीनिवास , जिन्होंने फरवरी 2021 में 19 निदेशकों के साथ जयत्री की सह-स्थापना की थी , के बारे में बताया जाता है कि उनका राजमुंदरी में पिछले धोखाधड़ी सहित इसी तरह के घोटालों का इतिहास रहा है । हालाँकि श्रीनिवास और कुछ सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन वे वर्तमान में जमानत पर बाहर हैं , जिससे दोबारा अपराध करने की संभावना के बारे में चिंता बढ़ गई है।मीडिया से बात करते हुए वर्मा कुमार, मूर्ति, प्रसाद और गणेश जैसे पीड़ितों ने पुलिस , प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और मानवाधिकार आयोग में शिकायत दर्ज कराने के बावजूद कोई प्रगति न होने पर गहरी निराशा व्यक्त की। एक

पीड़ित ने कहा, हमने अपनी जीवनभर की जमापूंजी लगा दी। सरकार को उनकी संपत्ति जब्त करनी चाहिए और न्याय देना चाहिए।कोई ठोस राहत न मिलने के कारण, कानूनी विशेषज्ञों ने पीड़ितों को एक पंजीकृत संघ बनाने और एक साथ दीवानी और आपराधिक कानूनी कार्रवाई करने की सलाह दी है। बढ़ते जन आक्रोश से आने वाले दिनों में तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के अधिकारियों पर निर्णायक कार्रवाई करने का दबाव पड़ने की उम्मीद है ।

दो किसानों को मारने वाला हाथी तेलंगाना-महाराष्ट्र सीमा पर वापस आया, आसिफाबाद में स्थानीय लोगों में दहशत

कुमराम भीम आसिफाबाद, 3 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

2024 में जिले में दो किसानों को कुचलकर मार डालने वाला एमई3 नामक अकेला हाथी पिछले कुछ दिनों से एक अन्य हाथी के साथ फिर से महाराष्ट्र और तेलंगाना की सीमा पर घूम रहा है। इससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई है।सूत्रों ने बताया कि नर हाथी एक अन्य हाथी के साथ कुछ महीनों से महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले के जंगलों में घूम रहा था। महाराष्ट्र में हाथी-मानव संघर्ष से निपटने के लिए काम कर रहे एक कार्यकर्ता ने 'तेलंगाना टुडे' को बताया, एमई3 और दूसरा हाथी फिलहाल तेलंगाना की सीमा से करीब 40 किलोमीटर दूर हैं। वे क्षेत्र और भोजन की तलाश में दोनों राज्यों की सीमाओं को पार करके राज्य में प्रवेश कर सकते हैं।सूत्रों ने आगे बताया कि दोनों हाथी वर्तमान में चंद्रपुर के सिंदेवाही तालुके में घूम रहे थे। वे हाल ही में गढ़चिरौली जिला केंद्र की सड़कों पर घूमे और बुधवार को चंद्रपुर में घुस आए। एमई3 ने कुछ दिन पहले महाराष्ट्र के व्याड गांव में एक बच्चे को कुचलकर मार डाला था।ये दोनों हाथी लगभग 30 हाथियों के झुंड से अलग हो गए थे, जिन्होंने अप्रैल में लगातार एक सप्ताह तक उत्तरी गढ़चिरौली जिले के आरमोरी तालुका के सूर्यडोंगरी, अकापुर, इंजावारी, किताडी, चुरमुरा और आसपास के गांवों में मक्का, धान और अन्य फसलों को नष्ट कर दिया था।एमई3 झुंड से भटक गया था और कथित तौर पर 2023 में व्यापक खनन गतिविधि के बाद छत्तीसगढ़ के पूर्वी हिस्सों से महाराष्ट्र की ओर चला गया था।वन अधिकारियों ने बताया कि कागजनगर डिवीजन के लोगों को हाथियों से सावधान रहने को कहा गया है। लोगों में जागरूकता फैलाई गई है और उन गांवों में घोषणाएं की जा रही हैं, जहां हाथी के पहुंचने की संभावना है।अधिकारी गढ़चिरौली जिले में हाथियों की आवाजाही के बारे में महाराष्ट्र के अपने समकक्षों के साथ समन्वय कर रहे हैं।हाथी ने 3 और 4 अप्रैल को चिंतालमनेपल्ली मंडल के बुरेपल्ली गांव के दो किसानों अल्लूरी शंकर (50) और पेंचिकलपेट मंडल के कोंडापल्ली गांव के कारू पोशम (65) को कुचलकर मार डाला था।

एक करोड़ की कोकीन के साथ 5 लोग गिरफ्तार आंध्र प्रदेश पुलिस का सरगना फरार

हैदराबाद, 3 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कुकटपल्ली पुलिस और बालानगर विशेष ऑपरेशन टीम (एसओटी) पुलिस ने सोमवार 1 जून को साइबराबाद में 1 करोड़ रुपये मूल्य की इफेड्रिन मिश्रित 820 ग्राम कोकीन के साथ पांच लोगों को गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार, आंध्र प्रदेश के तिरुपति में कार्यरत टास्कफोर्स पुलिस कांस्टेबल 40 वर्षीय गुनाशेखर को कोकीन तस्करी गिरोह का मास्टरमाइंड माना जा रहा है। वह फिलहाल फरार है।

तिरुपति के एक बेरोजगार युवक 31 वर्षीय उन्नम सुरेंद्र ने गुनाशेखर से ड्रग्स ली और गुंटूर के रास्ते हैदराबाद चला गया। समूह का इरादा शहर में उपभोक्ताओं को वितरित करने का था और वे भाग्य नगर की ओर जा रहे थे, तभी गश्त कर रही पुलिस टीम ने कुकटपल्ली में जया नगरिन के पास उन्हें रोक लिया। आरोपियों में से एक ने भागने का प्रयास किया, लेकिन उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

पूछताछ और तलाशी के बाद अधिकारियों ने एक डिजिटल वजन मशीन और पांच मोबाइल फोन जब्त किए।

आरोपियों की पहचान इस प्रकार हुई है - उन्नम सुरेंद्र, 38 वर्षीय दोथिरेड्डी हरिबाबू रेड्डी जो ठेकेदार के तौर पर काम करते हैं, 34 वर्षीय चेगुडी मर्सी मार्गरेट जो फास्ट फूड का कारोबार करते हैं, 40 वर्षीय शेख मस्तान वली जो फास्ट फूड ऑपरेटर के तौर पर काम करते हैं और 29 वर्षीय देवराजू येसु बाबू जो निजी लोन एजेंट हैं। सभी बापटला के रहने वाले हैं।

गिरफ्तार किए गए पांचों लोगों को पुलिस हिरासत में ले लिया गया है और उन्हें अदालत में पेश किया जाएगा। एपी कांस्टेबल गुनाशेखर की तलाश जारी है।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 33^0
न्यूनतम : 25^0

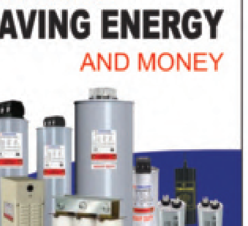

दमरे के लोकोमोटिव ने 'सौंदर्य प्रतियोगिता' में प्रथम पुरस्कार जीता

हैदराबाद, 03 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दक्षिण मध्य रेलवे के इलेक्ट्रिक लोको शेड, लालागुडा के लोकोमोटिव नंबर 37364 ने बनारस लोकोमोटिव वर्क्स, वाराणसी में आयोजित इलेक्ट्रिक लोको के लिए सौंदर्य प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता है। यह पुरस्कार रॉयपुरम इलेक्ट्रिक लोको शेड, दक्षिण रेलवे द्वारा संयुक्त रूप से साझा किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न क्षेत्रीय रेलवे के 13 लोकोमोटिव ने भाग लिया।

दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक ने लोको प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने के लिए लालागुडा इलेक्ट्रिक लोको शेड टीम को बधाई दी। उन्होंने लोकोमोटिव रखरखाव और प्रदर्शन में उत्कृष्टता के लिए उनके समर्पण, तकनीकी विशेषज्ञता और प्रतिबद्धता की सराहना की।

भारतीय रेलवे के इलेक्ट्रिक इंजनों के लिए सौंदर्य प्रतियोगिता के रूप में प्रशंसित सीएबी उन्नयन प्रतियोगिता, 23 और 24 मई को वाराणसी के बीएलडब्ल्यू में 42वें इलेक्ट्रिक लोको मेंटेनेंस स्टडी ग्रुप (एमएसजी) की बैठक में रेलवे बोर्ड द्वारा आयोजित की गई थी। प्रतिष्ठित लोको प्रतियोगिता में 16 जोनल रेलवे और तीन उत्पादन इकाइयों ने भाग लिया। भारतीय रेलवे के इलेक्ट्रिक इंजनों के लिए प्रतियोगिता का उद्देश्य अपने रोलिंग स्टॉक, इलेक्ट्रिक इंजनों के उत्कृष्ट रखरखाव और प्रस्तुति को प्रोत्साहित करना और उनका जश्न मनाना है। प्रतियोगिता में आम तौर पर विभिन्न श्रेणियां शामिल होती हैं, जैसे समग्र रूप, सफाई, पेंटवर्क और मौलिकता। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इंजनों को उनकी अनूठी विशेषताओं या संशोधनों, समग्र सौंदर्य अपील और रखरखाव मानकों के आधार पर आंका जाता है। दक्षिण मध्य रेलवे में इलेक्ट्रिक लोको शेड, लालागुड़ा, दक्षिणी रेलवे के इलेक्ट्रिक लोको शेड, रॉयपुरम के साथ संयुक्त विजेता बनकर उभरा। पुरस्कार रेलवे बोर्ड के अतिरिक्त सदस्य (ट्रैक्शन) वी पी सिंह द्वारा प्रदान किया गया। इलेक्ट्रिक लोको शेड, लालागुड़ा (ईएलएस/एलजीडी) के उन्नत कैब - लोको नंबर 37364 (डब्ल्यूएपी-7) की प्रमुख विशेषताओं में कैब में एसी डक्ट को संशोधित करना और कैब बॉडी और मशीन रूम के चारों ओर थर्मल इंसुलेशन प्रदान करके, चालक दल की सीट पर तापमान 20 डिग्री सेल्सियस, छत पर 33 डिग्री सेल्सियस, फर्श पर 13 डिग्री सेल्सियस और चालक डेस्क पर चरम परिचालन स्थितियों के तहत 22 डिग्री सेल्सियस तक कम किया गया। कैब बॉडी और मशीन रूम के चारों ओर ध्वनिक इंसुलेशन प्रदान करके, कैब में शोर के स्तर को मशीन रूम में 2 डीबी और चरम परिचालन स्थितियों के तहत कैब में 18 डीबी तक कम किया गया। वास्तविक समय के आधार पर चालक दल की सतर्कता की निगरानी के लिए कैब में एआई आधारित चालक निगरानी प्रणाली (डीएमएस) प्रदान की गई।

शेयर मार्केट

बीएसई : 80,737.51
-636.24 -0.78% ↓
एनएसई :24,542.50
-174.10 (-0.70%) ↓

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 99,680/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,03,509/- (प्रति किलोग्राम)

बंदलागुडा में मिलावटी अदरक-लहसुन पेस्ट बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़, एक गिरफ्तार

हैदराबाद, 3 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दक्षिण-पूर्व जोन टास्क फोर्स के अधिकारियों ने बंडलगुडा पुलिस के साथ मिलकर एक बड़ी कार्रवाई की और बंडलगुडा के पटेल नगर में एफके फूड प्रोडक्ट ब्रांड नाम से चल रही एक अवैध अदरक-लहसुन पेस्ट निर्माण इकाई पर छापा मारा । इकाई में मिलावटी अदरक-लहसुन पेस्ट का उत्पादन और बिक्री पाई गई, जिससे लोगों के स्वास्थ्य को खतरा हो रहा था।कार्रवाई के दौरान टीम ने अवैध कारोबार चलाने वाले पटेल नगर निवासी 44 वर्षीय मोहम्मद फैजल को गिरफ्तार किया ।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, SUJATA Spouse of Service No. 14444784W Hav (DS) KALE PRAMOD BALKRISHNA, of Unit:12 MED Regiment, C/o.56 APO, Pin-925712 have changed my name from SUJATA to SUJATA PRAMOD KALE vide affidavit dt:3-6-2025 before G.Ramchander, Tukaramgate, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No.14444784W Hav(DS) KALE PRAMOD BALKRISHNA, of Unit:12 MED Regiment, C/o.56 APO, Pin-925712 hereby state that my daughter name is to be changed from JANHAVI to JANHAVI PRAMOD KALE.

CHANGE OF NAME
I, Service No. 14444784W Hav(DS) KALE PRAMOD BALKRISHNA of Unit:12 MED Regiment, C/o.56 APO, Pin-925712 , hereby state that my daughter name is to be changed from PRAGATI to PRAGATI PRAMOD KALE.

CHANGE OF NAME
I, Service No. 14444784W Hav(DS) KALE PRAMOD BALKRISHNA of Unit:12 MED Regiment, C/o.56 APO, Pin-925712 hereby state that my mother name is changed from LUXMI to LAKSHMI BALAKRISHNA KALE.

CHANGE OF NAME
I, VIMLA JAKHAR BURI is legally wedded Spouse of Service No-14658238Y,Rank-HAV, Name-Subhash Buri Regsiding at Vill -Reengus,PO-Jattusar,Teh- Sri Madhopur,Dist-Sikar, PIN-332404 State-Rajasthan. I have changed my name from VIMLA JAKHAR BURI to VIMLA KUMARI JAKHAR Affidavit dated 02 Jun 2025 before X Spl Judicial Magistrate Hyderabad

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No. 6945251X Hav UMESH KUMAR of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana hereby state that my daughter name and DOB is to be changed from RIYA, DOB:27-04-2007 to RIYA KUMARI, DOB:27-03-2007

CHANGE OF NAME
I, KANIKA is legally dependent daughter of DEVINDER PUNIA, residing at 55, Sain Colony, Prem Nagar Jhotwara Jaipur, Rajasthan, Pin: 302012, I have Changed my Name from KANIKA to KANIKA PUNIA my date of birth is 11-06-2003, Affidavit Singed by advocate and Notary P.DAYAVATHI, LLM, Vide Affidavit dated at 02/06/2025 Secunderabad

CHANGE OF NAME
I, SAVITHRI is legally wedded Spouse of Service No-JC-781268F, Rank-NB SUB,Name-CH Ramanaiah Giddalur, Residing at H.No-10-25-34/C,Vill-Mittameedipalli,PO-Mundlapadu,PS&Teh-Giddalur, Dist-Prakasam,PIN-523367,State-Andhra Pradesh. I have changed my name from SAVITHRI to GIDDALUR SAVITHRI Affidavit dated 02 Jun 2025 before X SplJudicial Magistrate Hyderabad

CHANGE OF NAME
I, V SREENIVASULU, is legally dependent Father of Service No. 15453746X, Rank: NK, Name:VADDUGANDLA AJAYA KUMAR, Unit: MILITARY HOSPITAL, Secunderabad, Residing at Vill: Bandi Atmakur, PO: Bandi Atmakur, Teh: Bandi Atmakur, Dist: KURNOOL, State: ANDHRA PRADESH, Pin:518523, I have Changed my name from V SREENIVASULU to VODDUGANDLA SRINIVASULU My Date of Birth is 13-09-1975, Affidavit P. DAYAVATHI, LLM, Vide Affidavit date 03/06/2025

CHANGE OF NAME
I. V RAMULAMMA, is legally dependent Mother of Service No. 15453746X, Rank: NK, Name:VADDUGANDLA AJAYA KUMAR, Unit: MILITARY HOSPITAL, Secunderabad, Residing at Vill: Bandi Atmakur, PO: Bandi Atmakur, Teh: Bandi Atmakur, Dist: KURNOOL, State: ANDHRA PRADESH, Pin:518523, I have Changed my name from V RAMULAMMA to VODDUGANDLA RAMULAMMA My Date of Birth is 15-03-1981, Affidavit P.DAYAVATHI, LLM Vide Affidavit date 03/06/2025, Secunderabad

बाघ संरक्षण रिजर्व : वन अधिकारियों के लिए कठिन चुनौती

बाघों का संरक्षण स्थानीय लोगों की भागीदारी से ही संभव

मंचेरियाल, 03 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। कवाल टाइगर रिजर्व (केटीआर) के गलियारे को कुमराम भीम टाइगर कंजर्वेशन रिजर्व में बदलने के सरकार के कदम का वन अधिकारियों द्वारा स्वागत किया जा रहा है। लेकिन साथ ही वन्यजीव विशेषज्ञों का मानना है कि बाघों का संरक्षण स्थानीय लोगों को शामिल करके ही हासिल किया जा सकता है। जिसके लिए उनकी आशंकाओं को दूर करना होगा और यह एक कठिन चुनौती हो सकती है। राज्य सरकार ने शुक्रवार को एक आदेश जारी कर गलियारे को केबी टाइगर कंजर्वेशन रिजर्व के रूप में अधिसूचित किया है। जिसमें जिले में 1,492 वर्ग किलोमीटर या 1,49,288 हेक्टेयर वन क्षेत्र शामिल है केबी रिजर्व 78 वन ब्लॉकों में फैला हुआ है विशेष रूप से कदंबा, बेजूर और गरलापेट, जहां हाल के वर्षों में बाघों की संख्या में

वृद्धि देखी गई है। अधिसूचना के अनुसार, रिजर्व का परिदृश्य कवाल को न केवल टिपेश्वर टाइगर रिजर्व कन्हारगांव और महाराष्ट्र के चपराला वन्यजीव अभयारण्यों, छत्तीसगढ़ में इंद्रावती वन्यजीव अभयारण्य से जोड़ता है पिछले एक दशक में निवासी, प्रजनन करने वाले बाघों की उपस्थिति और कई अंतरराज्यीय बाघों के फैलाव से संकेत मिलता है कि यह बाघों के बीच संपर्क बनाए रखने के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी है जैसा कि आदेश में उल्लेख किया गया है वन्यजीव संरक्षण में विशेषज्ञता प्राप्त वन रेंज अधिकारी एस वेणुगोपाल ने इस घटनाक्रम पर टिप्पणी करते हुए कहा कॉरिडोर को बाघ अभयारण्य में बदलना एक अच्छा कदम है यह सिर्फ एक मील का पत्थर नहीं है यह हर उस फ्रंटलाइन वन अधिकारी को श्रद्धांजलि है जिन्होंने इस भूभाग की रक्षा के लिए अथक परिश्रम किया जिससे कागजनगर और आसिफाबाद डिवीजनों में बाघों को एक बार फिर से स्वतंत्र रूप से घूमने में मदद मिली वन अधिकारियों ने कहा कि संरक्षण रिजर्व का उद्देश्य – बाघों की कुशल सुरक्षा – तभी साकार होगा जब स्थानीय लोग भू-भाग के मालिक होंगे और संरक्षण गतिविधियों में शामिल होंगे एक वन्यजीव विशेषज्ञ ने नाम न बताने की शर्त पर कहा सरकार को पड़ोसी महाराष्ट्र से प्रेरणा लेनी चाहिए जो बाघों की बहुतायत के लिए जाने जाने वाले ताडोबा और तिप्पेश्वर जैसे अपने रिजर्व में बाघों के संरक्षण में स्थानीय लोगों का सफलतापूर्वक सहयोग ले रहा है हालांकि स्थानीय लोगों ने चिंता जताई कि रिजर्व बनने के बाद बाघों की सुरक्षा का हवाला देते हुए वन अधिकारी यातायात पर प्रतिबंध लगा देंगे एक राजनीतिक दल के नेता ने बताया हाल ही में कवाल में रात के समय वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है जिससे स्थानीय लोगों में गुस्सा है। रिजर्व में भी इसी तरह के नियम लागू किए जाएंगे जिससे जंगल के किनारे के गांवों के निवासियों को असुविधा होगी इसी तरह स्थानीय लोगों को मवेशियों को चराने और लघु वन उत्पादों को इकट्ठा करने के लिए जंगल पर निर्भर नहीं रहने दिया जाएगा जिससे उनकी आजीविका प्रभावित होगी वे स्वाभाविक रूप से वन अधिकारियों को सहयोग नहीं देंगे जंगली जानवरों द्वारा मारे गए मवेशियों के शिकार, बाघों के खिलाफ़ द्वेष रखते हैं और राष्ट्रीय पशु को खत्म करने के लिए जहर देते हैं जैसा कि 2024 में कागज़नगर के दरीगांव के जंगलों में देखने को मिला एक सेवानिवृत्त अधिकारी ने कहा स्थानीय लोगों का विश्वास जीतना एक बहुत बड़ा काम है जो परंपरागत रूप से जंगलों पर निर्भर हैं और उन्हें संरक्षण का हिस्सा बनाना है वन अधिकारियों को सह-अस्तित्व मॉडल में बाघों के प्रभावी संरक्षण को प्राप्त करने के लिए महाराष्ट्र के अपने समकक्षों द्वारा अपनाए गए तरीकों का अनुकरण करना चाहिए।

महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा पुलिस विभाग की पहली प्राथमिकता : श्रीनिवास राव

महिलाओं के साथ रैगिंग, छेड़छाड़ या हिंसा होने पर शी टीम से संपर्क करें

कुमरमभीम/आसिफाबाद, 3 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला एसपी डीवी श्रीनिवास राव (आईपीएस) ने मंगलवार एक बयान में कहा कि जिले में महिलाएं और युवतियां हिंसा होने पर बिना किसी डर के पुलिस से संपर्क कर सकती हैं।

उन्होंने कहा कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए शीट टीम, महिला तस्करी विरोधी टीम और भरोसा केंद्र काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि छात्राओं व महिलाओं को अपने साथ अन्याय होने पर घबराना नहीं चाहिए तथा हिम्मत के साथ आगे आकर शिकायत करें तो आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि कॉलेज व स्कूल की छात्राओं को रैगिंग, ईवी टीजिंग, फॉक्सो, शीट टीम, महिला तस्करी विरोधी गतिविधियों के बारे में शीट टीम, भरोसा टीम व संबंधित पुलिस थाना अधिकारियों के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि यदि महिलाओं के साथ कार्यस्थल पर किसी प्रकार की हिंसा होती है तो वे शीट टीम से संपर्क करें। उन्होंने बताया कि मई माह में शीट टीम द्वारा जिले भर में 104 हॉटस्पॉट स्थानों की पहचान की गई, 25 जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए तथा 12 शिकायतों में से 3 एफआईआर व 2 ई केस दर्ज किए गए तथा शेष को काउंसलिंग दी गई। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग छोटे बच्चों व महिलाओं की सुरक्षा को लेकर कड़े कदम उठाएगा। महिलाओं को सलाह दी जाती है कि वे फेसबुक, व्हाट्सएप व इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया का प्रयोग करते समय पूरी सावधानी बरतें तथा फोटो व वीडियो पोस्ट करते समय व्यक्तिगत सुरक्षा को लेकर सभी प्रकार के सुरक्षा उपाय अपनाएं। अगर किसी महिला या बच्चे को परेशान किया जा रहा है, तो जो लोग सीधे पुलिस से संपर्क नहीं कर सकते हैं, उन्हें शी टीम से संपर्क करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिले भर में दो शी टीमें काम कर रही हैं और सूचना आसिफाबाद डिवीजन शी टीम नंबर 8712670564, कागजनगर डिवीजन शी टीम नंबर 8712670565 या डायल 100 पर दी जानी चाहिए, और सूचना देने वालों का विवरण गोपनीय रखा जाएगा।

नासपुर डिस्पेंसरी में तेलंगाना स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर डॉ. वेंकटेश, डॉ. पद्मजा मैडम फार्मासिस्ट पुष्पांजलि , योग प्रशिक्षक सुधाकर और मेघना तथा एससीएस किशन और आशा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

करोड़ो की लागत से बनाया पुल, नतीजा शून्य

हल्की बारिश और जल जमाव से युवक नदी में बह गया

मंचेरियाल, 03 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के जयनाथ और बेला मंडल के रास्ते महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों में आने-जाने वाले मोटर चालकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारी बेला मंडल में उपासनाला को भोरज में राष्ट्रीय राजमार्ग 44 से जोड़ने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग 353-बी का निर्माण कर रहे हैं। 33 किलोमीटर लंबी 125 करोड़ रुपये की लागत से निर्माण परियोजना के तहत दो लेन वाली सड़क और पुल का निर्माण कार्य जारी है। 194 करोड़ रुपये की लागत से यह कार्य एक वर्ष पहले शुरू हुआ था और अगले वर्ष जून तक पूरा हो जाएगा। लेकिन स्थानीय लोग सड़क निर्माण कार्य पर आपत्ति जता रहे हैं। जबकि सड़क का काम पहले पुलों के निर्माण के बाद शुरू होना था, लेकिन कहा जा रहा है कि पुल का निर्माण सड़क का काम पूरा होने के बाद किया जा रहा है। मोटर चालक इस बात पर रोष व्यक्त कर रहे हैं कि पुराने पुल का एक खंभा मुड़ा होने के बावजूद भी दोपहिया वाहन चालक उससे यात्रा कर सकते हैं तथा

अधिकारियों ने बरसात के मौसम से पहले पुल को ध्वस्त कर दिया। जिससे यातायात बाधित हो गया। पहले भारी बारिश के कारण तरनाम का पुल ढह गया था। दुर्घटनाओं को रोकने के लिए एहतियाती उपाय के तौर पर अधिकारियों ने इस पुल पर यातायात पर प्रतिबंध लगा दिया है।

फिर सड़क पुल के नीचे एक छोटी पुलिया का निर्माण किया गया। वाहन यातायात के लिए 39 लाख रुपये की लागत से यह पुल पिछले साल मानसून के मौसम में हुई बारिश में बह गया था लेकिन हाल ही में 1.5 करोड़ रुपये की लागत से एक और पुल बनाया गया है। कुल 4.50 करोड़ रुपये से पुल का निर्माण बरसात के मौसम में यातायात की समस्याओं से बचने के लिए किया जाना था। लेकिन अधिकारियों ने कम ऊंचाई पर पाइप लगाकर पुल का निर्माण कर दिया। हाल ही में हुई बारिश के कारण इस पुल के ऊपर से पानी बह गया। जिससे यातायात ठप्प हो गया। जयनाथ मंडल के लक्ष्मीपुर का एक युवक बहते पानी में पुल पार करने की कोशिश करते समय बह गया। 10 करोड़ 50 लाख रुपए की लागत से बनने वाले इस पुल के निर्माण कार्य को लेकर कई तरह की आशंकाएं जताई जा रही है। 4.50 करोड़ रुपये की लागत से पुल निर्माण पर लोगों का गुस्सा इस बात पर है कि भारी भरकम लागत से बने इस पुल पर से हल्की बारिश में ही पानी बहने लगता है।

जिससे लोगों को परेशानी होती हैतरनाम में 2.5 करोड़ रुपये की लागत से पुल का निर्माण किया गया 4.50 करोड़ रुपये की इस योजना से वाहन चालकों को कोई लाभ नहीं होगा हाल ही में हुई बारिश के कारण बाढ़ का पानी पुल के ऊपर से बह गया परिणामस्वरूप मोटरसाइकिल सवार एक युवक लापता हो गया हालांकि इस पुल का निर्माण बारिश के पानी के कारण वाहन चालकों को होने वाली किसी भी परेशानी के बिना किया जाना था लेकिन अधिकारियों ने इसे नाममात्र ही बनाया अधिकारियों को राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण कार्यों के संबंध में जनता को लाभ पहुंचाने के लिए कदम उठाने चाहिए क्योंकि इनसे प्रतिदिन सैकड़ों वाहन गुजरते है।

मदनूर मंडल में भू-भारती राजस्व सम्मेलन का शुभारंभ

मदनूर, 3 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार के आदे-शानुसार मदनूर मंडल में भू भारती राजस्व सम्मेलन के तहत पहले दिन मंडल के धनुर और सोमूर गांवों में राजस्व सम्मेलन का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जानकारी देते हुए मंडल तहसीलदार एमडी मुजीब ने कहा कि किसानों को राजस्व सम्मेलन में भाग लेना चाहिए और भू भारती का लाभ उठाना चाहिए। जो राज्य सरकार ने किसानों की

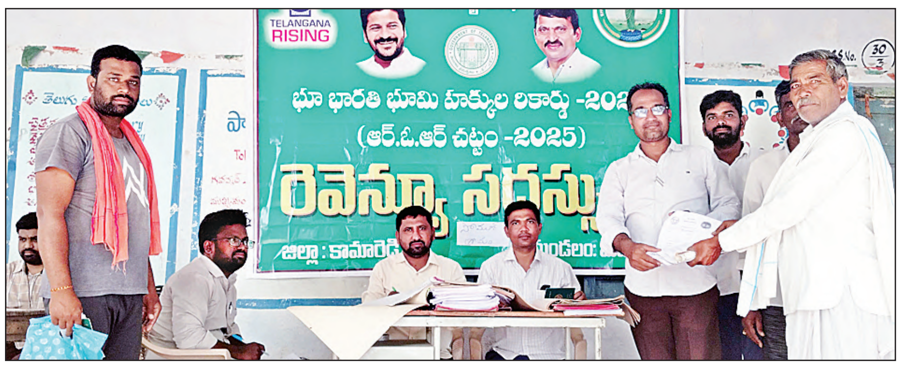

समस्याओं को हल करने के लिए महत्वाकांक्षी रूप से भू भारती पोर्टल लाया है। धनूर में आयोजित राजस्व सम्मेलन में गांव और पंचायत सचिव जे मनोहर, राजस्व कर्मचारी दशरथ, पूर्व सरपंच परिवार के सदस्य मारुति, सेवानिवृत्त वीआरओ मारुति, मधुकर और अन्य ने भाग लिया। सोमूर गांव में आयोजित राजस्व सम्मेलन में, मंडल आरआई शंकर एएसओ दत्तू, तहसीलदार कार्यालय के कनिष्ठ नेता, नेता प्रवीण रविकुमार पुल्लाजी, ग्राम पंचायत सचिव और पंचायत सचिव संघ के राज्य उपाध्यक्ष भास्कर ने भाग लिया। इस महीने की 4 तारीख को, राजस्व सम्मेलन बड़ा शंकरगा, वादे फतेपुर के किसान शक्करगा किसान भवन व मदनूर मंडल केंद्र किसान स्थानिक किसान भवन में आयोजित किया जाएगा।

मृतक हेड कांस्टेबल गणेश नायक के परिजनों को दी गई आर्थिक मदद

हम पुलिस के परिजनों के साथ खड़े रहेंगे : एसपी

कुमरमभीम/ आसिफाबाद 3 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोमुराम भीम आसिफाबाद जिले के लिंगापुर पुलिस स्टेशन में हेड कांस्टेबल के पद पर कार्यरत राठौड़ गणेश नायक (1990 बैच) का 04.04.2025 को बीमारी के कारण निधन हो गया। मंगलवार को जिला एसपी डीवी श्रीनिवास राव (आईपीएस) ने उनकी पत्नी और बेटी को सहकारी समिति द्वारा प्रदान किए जाने वाले 1,65,000/- रुपए का चेक भेंट किया। इसे पुलिस कार्यालय में उन्हें सौंपा गया।

इस अवसर पर एसपी ने मृतक हेड कांस्टेबल के परिवार की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी ली।

उन्होंने परिवार को आश्वासन दिया कि पुलिस विभाग उनके परिवार को हमेशा सहयोग करेगा तथा अन्य सरकारी लाभ भी तत्काल प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने पुलिस विभाग के सभी कर्मियों को पुलिस सहकारी समिति की सदस्यता लेने को कहा। एसपी ने कहा कि वे पुलिस कर्मियों के परिवारों के कल्याण पर विशेष ध्यान देंगे तथा उनके परिवारों को सहयोग प्रदान करेंगे। इस कार्यक्रम में आरआई एडमिन पेद्दैया, जिला पुलिस सहकारी समिति समन्वयक जफरुद्दीन, आरआई एम.टी. अंजना ने भाग लिया।

एलटी लोन पेंडिंग खातेदार ओटीएस का लाभ उठायें : बाबू राव

मदनूर, 3 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्राथमिक कृषि सहकारी ऋण सोसायटी लिमिटेड- मदनूर कार्यालय के सचिव बाबूराव ने मंगलवार को बताया कि मदनूर मंडल में 124 एलटी लोन खा-तेदारों ने अपने अपने हिसाब से प्राथमिक कृषि सहकारी ऋण सोसायटी लिमिटेड- मदनूर कार्यालय से एलटी लोन लिया। लोन भुगतान करने के लिए कार्यालय से कई बार सूचना नोटिस भी दिया गया। लेकिन आज तक कोई खातेदार समय पर अपने लोन का भुगतान नहीं करने से तेलंगाना सरकार ने एलटी लोन धारक को ओटीएस योजना का लाभ उठाते हुए एक महीने के भीतर अपने लोन भुगतान करने का आग्रह किया। उन्होंने आगे बताया कि प्राथमिक कृषि सहकारी ऋण सोसायटी लिमिटेड- मदनूर कार्यालय में 6 करोड़ एल टी लोन पेंडिंग है। एल टी लोन खातेदार समय पर प्राथमिक कृषि सहकारी ऋण सोसायटी का भुगतान करें वरना सोसायटी की ओर से लोन धारकों पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

सिरसिला में राजराजेश्वर स्वामी मंदिर की गौशाला में बैलों की मौत की संख्या बढ़कर 20 हो गई

राजन्ना-सिरसिला, 03 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री राजर-ाजेश्वर स्वामी मंदिर गोशाला के तीन और कोडेलू (बैल) की सोमवार को मौत हो गई, जबकि छह अन्य की हालत गंभीर बनी हुई है। इसके साथ ही मरने वालों की संख्या बढ़कर 20 हो गई है और 16 बैल अभी भी बीमार हैं।

जिला पशु चिकित्सा विभाग ने सोमवार शाम स्वास्थ्य बुलेटिन जारी किया।जिला पशु चिकित्सा अधिकारी रविंदर रेड्डी के अनुसार, बेमौसम बारिश के कारण बीमारी के कारण पहले दिन आठ बैलों की मौत हो गई। अगले दिन पांच और बैलों ने दम तोड़ दिया।

प्रतिक्रियास्वरूप जिला प्रशासन ने पांच पशु चिकित्सकों के नेतृत्व में 12 चिकित्सा दल तैनात किए। आरंभ में जिन 20 बैलों का उपचार किया गया, उनमें से 16 को बचा लिया गया, जबकि चार को बचाया नहीं जा सका।रविवार शाम से सोमवार के बीच तीन और बैलों की मौत हो गई। गोशाला में आश्रय लिए गए 1,300 बैलों में से 16 अभी भी बीमार हैं, जिनमें से छह की हालत गंभीर है।यद्यपि पशु चिकित्सक पशुओं को आवश्यक तरल पदार्थ और दवाइयां देकर उनका उपचार करने के लिए गहन प्रयास कर रहे हैं, लेकिन प्रभावित बैलों पर अभी तक उपचार का कोई असर नहीं हुआ है।गोशाला में हरे चारे की उपलब्धता बढ़ाने के लिए अधिकारियों ने आपूर्तिकर्ता से डिलीवरी बढ़ाने का अनुरोध किया है – प्रतिदिन एक ट्रैक्टर-लोड से बढ़ाकर पाँच, यानी कुल 10 टन प्रतिदिन। अधिकारियों ने लोगों से सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली फर्जी खबरों पर विश्वास न करने का भी आग्रह किया।

विभिन्न मुद्दों को लेकर किसानों ने किया प्रदर्शन

किनवट,03 जून (शुभ लाभ ब्युरो)। अखिल भारतीय किसान सभा ने किसानों के मुद्दों को लेकर राज्यव्यापी आंदोलन का आह्वान किया था।

उक्त आंदोलन के समर्थन में किनवट किसान सभा समिति की ओर से विभिन्न मार्गों एवं उपविभागीय अधिकारी कार्यालय के सामने राज्य व केंद्र सरकार के विरोध में प्रदर्शन किया और ज्ञापन सौंपा गया। आंदोलनकारियों ने शहर में रैली निकाली और उपविभागीय अधिकारी कार्यालय पहुंचकर के सामपने धरना-प्रदर्शन किया। इस अवसर पर किसान सभा के वरिष्ठ नेता कामरेड अर्जुन आडे ने कहा की किसान विरोधी नीतियो के खिलाफ व्यापक लडाई लडकर भुमि छीननेवाली नीतियों का विरोध लगातार किया जाएगा। सौंपे गए ज्ञापन में मांग की गई कि गायरान जमीन का स्वामित्व मिले, किसानों का पुरा कर्ज माफ करे, आवास योजना के लाभार्थियों को गायरान जमीन उपलब्ध कराना और उन्हे निः शुल्क रेत उपलब्ध करना, फर्जी बीज उपलब्ध करानेवाली कंपनीयों के खिलाफ कारवाई करे, निराधार लोगो को पेन्शन बढाए और समय पर पेंशन मिले आदि शामिल हैं।

इस प्रदर्शन में कामरेड जनार्दन काले, कामरेड अडेलु बोनगीर, सुनिता बोनगीर, सुरेखा मेढके, धनराज आडे, शेख बाबा, शे, चांद, लखन मेश्राम, प्रसराम जाधव, नामदेव चव्हाण आदि उपस्थित थे।

मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के आयोजन पर कुल खर्च केवल 30 करोड़ आया : जुपल्ली

हैदराबाद, 3 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्णराव ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के आयोजन पर लगभग 30 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जिसके माध्यम से तेलंगाना ने दुनिया को अपनी महानता दिखाई। कुल लागत में से 21 करोड़ रुपये प्रायोजकों से आए और शेष 9 करोड़ रुपये सरकार की वास्तविक लागत थी, जुपल्ली ने यहां डॉ. बी.आर. अंबेडकर सचिवालय में परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा।

तेलंगाना के पर्यटन, संस्कृति और परंपराओं को बढ़ावा देने के लिए हैदराबाद में आयोजित मिस वर्ल्ड 2025 प्रतियोगिता एक बड़ी सफलता थी, उन्होंने दावा किया और मिस वर्ल्ड इवेंट को एक अभूतपूर्व जीत बनाने में योगदान देने वाले सभी लोगों के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस आयोजन ने पर्यटन, हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों को उत्कृष्ट बढ़ावा दिया, जिससे दुनिया को तेलंगाना की संस्कृति, परंपराओं और पाक-कला से परिचित कराया गया। उन्होंने कहा कि प्रतियोगियों, मिस वर्ल्ड संगठन के प्रतिनिधियों और मीडिया कर्मियों ने भी आयोजन और आतिथ्य पर अपनी खुशी व्यक्त की। मंत्री ने आरोप लगाया कि सरकार की प्रशंसा करने के बजाय, विपक्षी दलों ने मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के आयोजन के लिए राज्य सरकार की आलोचना की है और कहा कि 10 से 11 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय के लिए समझौते किए गए हैं। विपक्षी दलों द्वारा मिस वर्ल्ड कार्यक्रम के बारे में झूठे प्रचार पर गुस्सा व्यक्त करते हुए पर्यटन मंत्री ने कहा कि पूर्व मंत्री के टी रामा राव और हरीश राव ने उन्हें चुनौती दी कि वे बताएं कि मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता पर 200 करोड़ रुपये कहां खर्च किए गए। मंत्री ने चुनौती दी कि हम मिस वर्ल्ड खर्च पर किसी भी बहस के लिए तैयार हैं, चाहे वह बीआरएस पार्टी के तेलंगाना भवन में हो या अबिड्स चौरास्ता में। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस शासन के दौरान सिर्फ पर्यटन प्रचार पर 115 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए। उन्होंने उल्लेख किया कि उचित खर्च के साथ इतना भव्य आयोजन शानदार ढंग से आयोजित किया गया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनके (बीआरएस) अपने अखबारों, मीडिया और सोशल मीडिया ने झूठ फैलाया और आयोजन को लेकर दुर्भावनापूर्ण प्रचार किया।विपक्ष के इस दावे का खंडन करते हुए कि प्रतियोगियों को 30 तोला सोना दिया गया था, उन्होंने इस दावे का भी खंडन किया कि चौमहल्ला पैलेस दावत में भोजन की प्रत्येक प्लेट की कीमत 1 लाख रुपये थी, उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रति प्लेट वास्तविक लागत केवल 8,200 रुपये थी।मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि उनकी सरकार ने मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता को बहुत गंभीरता से लिया है और इसे सफलतापूर्वक आयोजित किया है, लेकिन विपक्षी दल इसे स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं।उन्होंने इस बात पर गुस्सा जताया कि जनता का ध्यान भटकाने के लिए अनावश्यक मुद्दे उठाए जा रहे हैं और राजनीतिक लाभ के लिए झूठ फैलाने की निंदा की। पर्यटन विभाग के निदेशक हनमंथु और राज्य कला गैलरी निदेशक के. लक्ष्मी मौजूद थे।

अमेरिका से वापस भेजा गया व्यक्ति नकदी, गैजेट्स और नकली टिकटों के साथ पकड़ा गया

हैदराबाद, 3 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। पंकिरू गोपाल रेड्डी नामक एक व्यक्ति , जो उच्च शिक्षा के लिए हैदराबाद से अमेरिका गया था, को आव्रजन अधिकारियों द्वारा उसके दस्तावेजों में शैक्षणिक विसंगतियां पाए जाने के बाद अमेरिका के डलास से निर्वासित कर दिया गया।

भारत लौटने पर गोपाल रेड्डी को शमशाबाद हवाई अड्डे पर आव्रजन अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया और बाद में आगे की जांच के लिए शमशाबाद पुलिस को सौंप दिया ।

पूछताछ के दौरान पुलिस टीमों ने हैदराबाद के बीएन रेड्डी नगर के हस्तिनापुर कॉलोनी में उनके आवास पर तलाशी ली। छापेमारी में 10 लाख रुपये नकद, 12 आईफोन, 2 रेडमी फोन, एक लेनोवो लैपटॉप, एक एप्पल लैपटॉप और विभिन्न देशों के कई नकली इमिग्रेशन स्टैम्प जब्त किए गए।

अधिकारियों ने गोपाल रेड्डी के साथ एक अन्य व्यक्ति काटोजू अशोक को भी हिरासत में लिया। दोनों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया ।

बड़ी मात्रा में धन और जाली अंतरराष्ट्रीय आव्रजन टिकटों की बरामदगी से वीज़ा धोखाधड़ी या अवैध आव्रजन रैकेट में संभावित संलिप्तता का पता चलता है । अधिकारी अब नेटवर्क का हिस्सा हो सकने वाले अन्य लोगों की पहचान करने के लिए अपनी जांच का विस्तार कर रहे हैं।

पुलिस सूत्रों ने पुष्टि की है कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जब्त की गई वस्तुओं के स्रोत का पता लगाने और ऑपरेशन के पूरे दायरे को उजागर करने के लिए आगे की जांच जारी है । आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां होने की संभावना है।

तेलंगाना हर जिले में वरिष्ठ नागरिक देखभाल केंद्र खोलेगा

करीमनगर, 3 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। बुजुर्गों में अकेलेपन और सामाजिक जुड़ाव की कमी को दूर करने के लिए, तेलंगाना राज्य सरकार ने पूरे राज्य में वरिष्ठ नागरिकों के लिए डे केयर सेंटर की स्थापना की घोषणा की है। प्रत्येक जिले में कम से कम एक केंद्र प्रस्तावित है।

कई वरिष्ठ नागरिक अपने बच्चों के रोजगार के लिए चले जाने या विदेश में बस जाने के बाद अकेले रह रहे हैं, ऐसे में बड़ी संख्या में बुजुर्ग निवासियों को अलगाव और सीमित सामाजिक समर्थन का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि सेवानिवृत्त व्यक्तियों के संघ मौजूद हैं, लेकिन वे मुख्य रूप से कल्याणकारी अधिकारों पर ध्यान केंद्रित करते हैं और मनोरंजन केंद्रों के रूप में काम नहीं करते हैं। नतीजतन, ऐसे बहुत कम समर्पित स्थान हैं जहाँ बुजुर्ग अपना समय सार्थक रूप से बिता सकें।इस मुद्दे पर ध्यान देते हुए, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व नगर प्रशासन और शहरी विकास मंत्री केटी रामा राव ने 2022 में अपने सिरसिला विधानसभा क्षेत्र के येलारेड्डीपेट मंडल में वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक पायलट डे केयर सेंटर स्थापित किया था।इस मॉडल के आधार पर, राज्य सरकार ने अब पूरे तेलंगाना में इस पहल को आगे बढ़ाने का फैसला किया है। हैदराबाद, हनमकोंडा, रंगारेड्डी और मेडचल जिलों में दो-दो केंद्रों के अलावा, अटल वयो अभ्युदय योजना (-तध-ध) के तहत 29 जिलों में कुल 37 केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

इन केंद्रों के रखरखाव के लिए हर महीने 4.61 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है, जिसमें से प्रत्येक केंद्र को 90,000 रुपए मिलेंगे। वरिष्ठ नागरिक कल्याण विभाग इनके संचालन की देखरेख करेगा।प्रत्येक केंद्र में 50 लोगों के रहने की व्यवस्था होगी और इसमें रसोई, डॉक्टर का कमरा, विशाल हॉल, पुस्तकालय और इनडोर और आउटडोर खेलों की सुविधाएँ होंगी। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए, केंद्र व्यायाम, मेमोरी गेम, कैरम, शतरंज, ध्यान, योग और मासिक चिकित्सा जांच के लिए उपकरण प्रदान करेंगे।दवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी तथा पोषण सहायता के रूप में रागी जावा, फलों का रस, उपमा, चाय, बिस्कुट और अन्य पेय पदार्थ नियमित रूप से उपलब्ध कराए जाएंगे।

एमबीबीएस स्थानीय कोटा प्रवेश पर सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना सरकार को नोटिस जारी किया

हैदराबाद, 3 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। सुप्रीम कोर्ट ने एमबीबीएस प्रवेश में स्थानीय कोटा का लाभ मांगने वाले कई छात्रों द्वारा दायर अंतरिम आवेदनों के जवाब में तेलंगाना सरकार को नोटिस जारी किया है। न्यायमूर्ति पीके मिश्रा और न्यायमूर्ति एजी मसीह की अदालत ने सोमवार 2 जून को हुई सुनवाई के दौरान राज्य को चार सप्ताह के भीतर जवाब देने का निर्देश दिया।

छात्रों का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता गौतम नारायण ने तर्क दिया कि इस वर्ष नीट-यूजी में शामिल हुए आठ छात्र, जिनका जन्म और पालन-पोषण तेलंगाना में हुआ था, को राज्य के नियम के कारण स्थानीय कोटा लाभ से वंचित कर दिया गया।इस नियम के अनुसार, नीट से पहले लगातार चार साल तक तेलंगाना में अध्ययन करने वाले छात्रों को ही स्थानीय माना जाता है। नतीजतन, तेलंगाना में कक्षा 1 से 10 तक की पढ़ाई पूरी करने वाले लेकिन दूसरे राज्य से कक्षा 11 और 12 की पढ़ाई करने वाले छात्रों को भी स्थानीय कोटे से बाहर रखा गया।अधिवक्ता ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह नियम शैक्षणिक वर्ष शुरू होने के बाद लागू किया गया था, तब तक छात्र तेलंगाना के बाहर इंटरमीडिएट पाठ्यक्रमों में दाखिला ले चुके थे।उन्होंने तर्क दिया कि अन्य राज्यों के छात्र जिन्होंने लगातार चार वर्षों तक तेलंगाना में अध्ययन किया है, वे स्थानीय कोटे के तहत 85 प्रतिशत आरक्षण का दावा कर सकते हैं, लेकिन मूल तेलंगाना के छात्र जिन्होंने 11वीं और 12वीं कक्षा कहीं और पढ़ी है, उन्हें अनुचित तरीके से बाहर रखा जा रहा है।न्यायमूर्ति पीके मिश्रा ने याचिकाकर्ताओं को राहत के लिए उच्च न्यायालय जाने की सलाह दी।

हालांकि, छात्रों के वकील ने कहा कि चूंकि मामला अभी सर्वोच्च न्यायालय में लंबित है, इसलिए उच्च न्यायालय इस मामले पर फैसला करने में असमर्थ है।उन्होंने यह भी अनुरोध किया कि छात्रों को आगामी नीट-यूजी काउंसलिंग में भाग लेने की अनुमति दी जाए, जो 14 जून को परिणाम घोषित होने के तुरंत बाद शुरू होने वाली है।

जवाब में, न्यायमूर्ति मिश्रा ने तेलंगाना सरकार को नोटिस जारी किया और स्पष्ट किया कि यदि कोई अत्यावश्यक स्थिति उत्पन्न होती है, तो याचिकाकर्ता अवकाश पीठ के समक्ष मामले का उल्लेख कर सकते हैं।अन्य छात्रों का प्रतिनिधित्व कर रहे पूर्व महाधिवक्ता श्रीराम ने तर्क दिया कि राज्य का स्थानीय कोटा नियम वास्तविक भूमिपुत्रों पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। न्यायमूर्ति मिश्रा ने एक हल्की-फुल्की टिप्पणी में कहा कि ये भूमिपुत्र दूसरी भूमि पर चले गए हैं।राज्य सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एल नरसिम्हा रेड्डी, जंध्याला रविशंकर और श्रवण कुमार पेश हुए।

मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चाओं के बीच गांधी भवन में सुरक्षा कड़ी कर दी गई

हैदराबाद, 3 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना कांग्रेस पार्टी मुख्यालय गांधी भवन की सुरक्षा , प्रत्याशित मंत्रिमंडल विस्तार से पहले काफी बढ़ा दी गई है । यह कदम खुफिया अलर्ट के बाद उठाया गया है, जिसमें नए मंत्रिमंडल में शामिल न किए जाने से निराश पार्टी नेताओं की ओर से संभावित अशांति का संकेत दिया गया था ।खुफिया सूत्रों के अनुसार, जिन नेताओं को मंत्री पद नहीं मिला है, वे अपने समर्थकों के समर्थन से विरोध प्रदर्शन या यहां तक कि आक्रामक कार्रवाई करने की कोशिश भी कर सकते हैं। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए गांधी भवन के आसपास बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है।विश्वसनीय सूत्रों का कहना है कि जिन लोगों को मंत्रिमंडल में शामिल होने की प्रबल उम्मीद थी, लेकिन वे इसमें असफल रहे, वे अपने समर्थकों को प्रदर्शनों के लिए लामबंद कर सकते हैं , जिससे पार्टी कार्यालय और उसके आसपास गड़बड़ी की आशंका बढ़ सकती है।

जवाब में, पुलिस और खुफिया इकाइयाँ ऐसे प्रमुख लोगों की गतिविधियों और संचार पर कड़ी नज़र रख रही हैं , जिन्हें ऐसे विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व करने का जोखिम माना जाता है। अधिकारी शांतिपूर्ण माहौल सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ हैं , क्योंकि राज्य सरकार अपने मंत्रिमंडल विस्तार को अंतिम रूप दे रही है।मंत्रिमंडल में फेरबदल, जिसके कारण पार्टी के भीतर पहले से ही तीव्र लॉबिंग शुरू हो गई है , एक संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है। राजनीतिक स्थिति स्थिर होने तक सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रहने की उम्मीद है।

पुलिस ने सुरक्षा प्रोटोकॉल उल्लंघन के लिए राजा सिंह को नोटिस भेजा

हैदराबाद, 3 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद पुलिस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के गोशामहल विधायक राजा सिंह को पुलिस दिशानिर्देशों का पालन नहीं करने और बिना पुलिस सुरक्षा के घूमने के लिए नोटिस जारी किया।डीसीपी (दक्षिण पश्चिम) जोन जी. चंद्र मोहन ने कहा कि विधायक को बिना अपने निजी सुरक्षा अधिकारियों के घूमते हुए पाया गया और उन्होंने अपना बुलेटप्रूफ वाहन घर पर ही छोड़ दिया था। डीसीपी ने कहा, राजा सिंह शहर में बुलेट मोटरसाइकिल चला रहे थे। वह सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन कर रहे थे, इसलिए हैदराबाद पुलिस ने उन्हें नोटिस जारी किया।

पुलिस अधिकारी ने लोगों से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भड़काऊ वीडियो शेयर न करने और ऐसी गतिविधियों को हतोत्साहित करने को कहा। डीसीपी ने कहा, हैदराबाद शहर पुलिस की सोशल मीडिया टीमों ने कई वीडियो हटा दिए हैं। हम लोगों से आग्रह करते हैं कि वे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वीडियो शेयर न करें, अन्यथा कार्रवाई की जाएगी और मामले दर्ज किए जाएंगे।राजा सिंह ने पिछले हफ़्ते शहर के कुछ इलाकों में अपनी मोटरसाइकिल से घूमकर मवेशियों की बिक्री का निरीक्षण किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस अवैध रूप से मवेशियों की बिक्री की अनुमति दे रही है।

निजी फर्म ने शेयर बाजार में उच्च रिटर्न का वादा करके निवेशकों से 100 करोड़ की ठगी की

हैदराबाद, 3 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर की एक निजी फर्म ने शेयर बाजार में अपने निवेश पर उच्च रिटर्न का वादा करके निवेशकों से 100 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी की है।उपलब्ध जानकारी के अनुसार, गणेश नगर, चिंतल, जीडीमेटला स्थित द पेंगुइन सिक्योरिटीज का प्रबंधन निवेशकों को यह विश्वास दिलाने में कामयाब रहा कि शेयर बाजार में निवेश करने से उन्हें उच्च लाभ मिलेगा।उनकी भ्रामक बातों पर विश्वास करके करीब 1,500 लोगों ने कंपनी में निवेश किया, जिसकी कुल राशि 100 करोड़ रुपये से अधिक थी। निवेशकों को यह विश्वास दिलाने के लिए बॉन्ड भी दिए गए कि निवेश और रिटर्न वास्तविक हैं।हाल ही में कंपनी ने अपना काम बंद कर दिया है और प्रबंधन निवेशकों से संपर्क नहीं कर पा रहा है। पीड़ितों को जब एहसास हुआ कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है तो उन्होंने जीडीमेटला पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

बनकाचार्ला परियोजना को अनुमति नहीं देगा तेलंगाना : उत्तम कुमार रेड्डी

हैदराबाद, 3 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तावित बनकाचर्ला परियोजना पर राज्य सरकार के विरोध को दोहराते हुए सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि राज्य किसी भी परिस्थिति में इस परियोजना को स्वीकार नहीं करेगा।मंगलवार को मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने राज्य के जल अधिकारों और प्रस्तावित परियोजना के क्षेत्रीय प्रभाव पर चिंता व्यक्त की।मंत्री ने आंध्र प्रदेश के इस दावे पर सवाल उठाया कि वह केवल समुद्र में बहने वाले पानी का ही उपयोग करेगा। उन्होंने कहा कि तेलंगाना इस परियोजना को रोकने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है और गोदावरी नदी प्रबंधन बोर्ड तथा केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल को पत्र भेज चुका है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के अधिकारियों ने सीधे केंद्र को अपनी आपत्तियां बता दी हैं।रेड्डी ने कहा, हमने केंद्र को अपनी चिंताओं से अवगत करा दिया है और परियोजना के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया है। हम सही समय पर उचित जवाब देंगे।

बकरीद से पहले मवेशियों के अवैध परिवहन पर रोक लगाने के लिए चेक पोस्ट स्थापित किए गए

पुलिस ने दी गौरक्षकों को चेतावनी, सड़कों से दूर रहें और मवेशियों के परिवहन में हस्तक्षेप न करें

हैदराबाद, 3 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। ईद-उल-अजहा से पहले मवेशियों के अवैध परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए हैदराबाद, साइबराबाद और राचकोंडा के त्रि-आयुक्तालयों में पुलिस ने शहर और उपनगरों में चेक पोस्ट स्थापित किए हैं।

चेक पोस्ट पर सशस्त्र पुलिसकर्मी, स्थानीय पुलिस और पशु चिकित्सकों की एक टीम होती है जो जिलों से शहर में लाए जाने वाले मवेशियों की फिटनेस की जांच करती है। चेक पोस्ट पर चौबीसों घंटे कर्मचारी तैनात रहते हैं और पुलिस स्टेशनों और मुख्य कमांड कंट्रोल सेंटर से क्लोज सर्किट कैमरों के जरिए गतिविधियों पर नजर रखी जाती है।

तेलंगाना पुलिस ने गौरक्षकों को चेतावनी दी है कि वे सड़कों से दूर रहें और मवेशियों के परिवहन में हस्तक्षेप न करें। पुलिस ने उनसे कहा है कि अगर उन्हें मवेशियों का कोई अवैध परिवहन मिलता है तो वे पुलिस को सूचित करें और उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू करने का आश्वासन दिया है।

शहर में पहले से ही तनाव व्याप्त है, हिंदू संगठन पुलिस से शहर में अवैध रूप से मवेशी बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.